खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 08 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-247

हर बार की तरह इस बार भी राहुल गांधी विदेश फुर्र...

वोट चोरी की आग लगाकर मलेशिया में ले रहे ठंडई

चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर वोट चोरी का आरोप लगा कर इस बार फिर राहुल गांधी चुपचाप मौज-मस्ती करने मलेशिया फुर्र हो गए। राहुल गांधी का यह रूटीन कृत्य हो गया है। अलग-अलग मसलों पर देश में द्वेष-घृणा और विद्रूपता फैलाकर वे विदेश तफरीह के लिए भाग जाते हैं। इस बार राहुल गांधी मलेशिया की राजधानी क्वालालंपुर में तफरीह करते, तेज रफ्तार से स्कूटर चलाते हवा खाते दिख रहे हैं। हालांकि तेज चर्चा है कि राहुल गांधी आतंकी इस्लामिक धर्मगुरु जाकिर नाइक से मिलने मलेशिया गए हैं।

कांग्रेस पार्टी को जब भी नेतृत्व की जरूरत होती है तब-तब राहुल गांधी गुपचुप विदेश निकल जाते हैं। चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगा कर देश में तनावपूर्ण माहौल बनाने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उसी बहाने बिहार में वोटर अधिकार यात्रा शुरू की, जो राहुल गांधी के सवालों से ज्यादा विवादों की वजह से चर्चा में रही। उसी दरम्यान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां को गालियां दी गईं और आखिर में तो अफरातफरी में यात्रा खत्म करनी पड़ी। यात्रा खत्म हुई तो राहुल गांधी फिर छुट्टी पर निकल गए। राहुल गांधी की मलेशिया से सामने आई तस्वीरों पर तमाम सवाल उठ रहे हैं।

राहुल गांधी की इन्हीं गतिविधियों के कारण उन पर पार्ट टाइम नेता का टैग लगा हुआ है। विदेशों से जो तस्वीरें सामने आ रही हैं वे फिर राहुल गांधी की उसी छवि को पुख्ता कर रही हैं। इन तस्वीरों से सवाल खड़े होते हैं कि क्या राहुल गांधी के लिए बिहार की वह अधिकार यात्रा या अन्य

आतंकी इस्लामिक धर्मगुरु जाकिर नाइक से मिलने की चर्चा

राजनीतिक यात्राएं क्या महज एक औपचारिकता होती हैं? जिन्हें वे जल्दी-जल्दी पूरा करें और छुट्टियां मनाने भागें। ऐसी ही राहुल गांधी की यह मलेशिया यात्रा भी साबित कर रही है। इस यात्रा को लेकर सियासी गलियारे में अलग-अलग तरह की चर्चा है। कोई राहुल गांधी की मलेशिया यात्रा के पीछे उनके लापरवाह रवैये पर बात कर रहा है तो किसी को इस यात्रा के पीछे गहरी साजिश नजर आ रही है। यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी की किसी विदेश यात्रा को लेकर इस तरह का बवाल हुआ हो। अमेरिका, इटली और बैंकॉक जैसी यात्राओं के दौरान भी राहुल गांधी पर सवाल उठ चुके हैं।

राहुल गांधी का इस बार अचानक चुपके से मलेशिया निकल जाना कई सवाल खड़े कर रहा है। राहुल गांधी मलेशिया के लंगकावी में छुट्टियां मना रहे हैं। चर्चा है कि राहुल गांधी और देश से निकाले गए विवादास्पद इस्लामिक धर्मगुरु जाकिर नाइक के बीच कोई गुप्त मुलाकात होने वाली है। उल्लेखनीय है कि इस्लामी कट्टरपंथी जाकिर नाइक ने भारत से निकाले जाने के बाद मलेशिया की नागरिकता ही ली है। कुछ अन्य लोग राहुल गांधी से यह सवाल भी पूछ रहे हैं कि जब पूरा उत्तर भारत बाढ़ में डूबा हुआ है तो ऐसे में क्या देश के विपक्ष के नेता को मलेशिया ट्रिप पर जाना जरूरी था? लोगों का सवाल है कि क्या कोई जन-नेता ऐसा भी होता है कि जब जनता की जरूरत हो तो वह उन्हें छोड़कर छुट्टियां मनाने निकल पड़े? बहरहाल, चुनावी मौसम के दौरान या ऐसे समय जब उनकी पार्टी को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत हो, जनता को बताए बिना छुट्टियों पर निकल जाने का राहुल गांधी का इतिहास रहा है। इसे लेकर यह सवाल भी उठ चुका है कि वह पार्टी पर ▶10 पर

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने 10 को बुलाई राज्यों के सीईओ की बैठक

बिहार के बाद अब पूरे देश में होगा एसआईआर

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय चुनाव आयोग जल्द ही पूरे देश में मतदाता सूची को संशोधित करने के लिए एक विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) शुरू करने जा रहा है। यह प्रक्रिया बिहार में चल रहे पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब पूरे भारत में एक महीने तक चलेगी। इसका मकसद है मतदाता सूची को साफ-सुथरा करना, ताकि कोई अनधिकृत या फर्जी वोटर मतदाता सूची में शामिल न रहे और हर योग्य नागरिक का नाम सूची में हो। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने 10 सितंबर को सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक बुलाई है, जिसमें इसकी तैयारियों पर चर्चा होगी। राष्ट्रीय चुनाव आयोग का कहना है कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची की शुद्धता के लिए जरूरी है। बिहार के बाद असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे

राज्यों में 2026 के चुनावों से पहले एसआईआर होगा। एसआईआर शुरू होने से पहले ही बांग्लादेश से सटे पश्चिम बंगाल के

प. बंगाल, असम, केरल और तमिलनाडु में पहले होगा एसआईआर

जिलों में अफरा-तफरी मची हुई है।

चुनाव आयोग के तहत होने वाला विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें मतदाता सूची की गहन जांच की जाती है। बिहार में यह जून से जुलाई 2025 तक चला, जहां 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 90.84% की जांच पूरी हो चुकी है। राष्ट्रीय चुनाव आयोग के मुताबिक, इस प्रक्रिया से डुप्लिकेट, मृत या स्थानांतरित हो चुके वोटरों के नाम हटाए जाते हैं। बिहार में 65 लाख नाम हटाए गए, जिनमें 22 लाख मृत, 7 लाख डुप्लिकेट और 36 लाख प्रवासी थे। अब यही प्रक्रिया पूरे देश में लागू होगी, ताकि 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए सटीक मतदाता सूची तैयार हो। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने 10 सितंबर को सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक बुलाई है, जिसमें इसकी तैयारियों पर चर्चा होगी। इसमें घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी सत्यापित की जाएगी। ▶10 पर

जम्मू-कश्मीर के बाद पंजाब, हरियाणा, यूपी बाढ़ की चपेट में

चारों तरफ बाढ़ से तबाही का मंजर

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर की तबाही के बाद बाढ़ का कहर पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर टूट रहा है। बाढ़ के कारण पंजाब में स्थिति अत्यंत खराब है। भारी बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों से उफनती नदियों ने पंजाब के 23 जिलों में तबाही मचा दी है। इस आपदा में अब तक 46 लोगों की जान जा चुकी है। लगभग 1.75 लाख हेक्टेयर में फैली फसलों को भारी नुकसान हुआ है। करीब 2,000 गांव प्रभावित हुए हैं। लाखों लोग इस त्रासदी से जूझ रहे हैं। भारत सरकार ने पंजाब में युद्ध स्तर पर राहत व्यवस्था तेज कर दी है।

सतलज, ब्यास, और रावी जैसी प्रमुख नदियों के साथ-साथ मौसमी नालों में भारी

पंजाब में 46 और हरियाणा में 24 लोगों की मौत

बारिश के कारण पानी का स्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। पंजाब में हाल के दिनों में हुई मूसलाधार बारिश ने स्थिति को और बिगाड़ दिया। पोंग डैम का जलस्तर शनिवार को 1,394.19 फीट पर था, जो सामान्य सीमा 1,390 फीट से चार फीट ऊपर है। भाखड़ा डैम में भी पानी का स्तर 1,678.14 फीट दर्ज किया गया। इन डैमों से पानी का बहाव कम होने के बावजूद, गांवों में पानी भरा हुआ है, जिससे लोग बेघर हो गए हैं। गुरदासपुर जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां 329 गांव बाढ़ की चपेट में हैं।

होशियारपुर और अमृतसर में सात-सात लोगों की मौत हुई, जबकि पठानकोट में छह और बरनाला में पांच लोगों ने जान गंवाई। लुधियाना, बठिंडा, मानसा, गुरदासपुर, रूपनगर, और अन्य जिलों में भी मौतें दर्ज की गई हैं। कुल 3.87 लाख लोग इस बाढ़ से प्रभावित हैं, और 22,854 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। ▶10 पर

बंगाल के विधानसभा चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत की उम्मीद

कोलकाता, 07 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में केंद्र सरकार के द्वारा लागू किए गए नए नियमों का बड़ा असर हो सकता है। भाजपा को उम्मीद है कि इसका उसे चुनाव में फायदा मिलेगा। केंद्र सरकार ने इमिग्रेशन और फॉरेनर्स एक्ट-2025 के तहत कई नियम और आदेशों को अधिसूचित कर दिया है। एक सितंबर से लागू हुए इन नियमों के तहत विदेशी नागरिकों के भारत में प्रवेश, रुकने और निकलने की व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं।

इन नियमों के लागू होने से यह होगा कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न का सामना कर भारत आए अल्पसंख्यक (मुख्य रूप से गैर-मुस्लिम) बिना वीजा और पासपोर्ट शर्तों के भारत में रह सकते हैं। शर्त यह है कि वे 31 दिसंबर 2024 तक भारत में आ चुके हों। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत भारत की नागरिकता हासिल करने के लिए 31 दिसंबर, 2014 की कटऑफ की तारीख अभी भी यही है। ऐसे में नए नियम उन लोगों पर भी लागू होंगे जिन्हें दीर्घकालिक वीज़ा चाहिए। भारत की नागरिकता लेने के लिए उन्हें नैचुरलाइजेशन की प्रक्रिया से गुजरना ही होगा।

पश्चिम बंगाल में भाजपा को उम्मीद है कि इस कदम से उसे मतुआ वोटरों को अपने साथ लाने में मदद मिलेगी जबकि राज्य सरकार की अगुवाई कर रही टीएमसी ने ▶10 पर

गाजा-फंड खाने वाले 4 सीरियाई नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां)। फिलिस्तीन में गाजा पीड़ितों के नाम पर भारत में धन जुटाने वाले 3 सीरियाई नागरिकों को अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने दिल्ली में हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर लिया। वे विदेश भागने की फिराक में थे। इनका एक साथी पिछले महीने गिरफ्तार हुआ था। गिरफ्तार किए गए जकारिया हैथम अलजार, अहमद ओहद अलहबाश और यूसुफ खालिद अलजहर की पुलिस को पहले से तलाश थी। तीनों आरोपियों को दिल्ली से दुबई होते हुए दमिश्क जाने वाली उड़ान में सवार होने की कोशिश करते समय रोका गया। पुलिस ने इनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। ताकि वे भारत से भाग न सकें। इन लोगों ने गाजा पीड़ितों के नाम पर चंदा इकट्ठा किया और उस पैसे को अपनी ऐशो-आराम पर खर्च किया। ▶10 पर

भाजपा की कार्यशाला में अंतिम पंक्ति में दिखे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गई है। इस बीच नई दिल्ली में भाजपा सांसदों की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संसद परिसर में किया गया। इस कार्यशाला में भाजपा सांसदों को उपराष्ट्रपति चुनाव के संदर्भ में जानकारी दी गई। कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आम कार्यकर्ता की तरह सबसे पीछे की सीट पर बैठे दिखाई दिए। कार्यशाला के दौरान जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन किया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी की एक तस्वीर साझा की, जिसमें प्रधानमंत्री सबसे अंतिम पंक्ति में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। रवि किशन ने लिखा, एनडीए सांसदों की कार्यशाला में आ-खिरी पंक्ति में बैठे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यह शक्ति है भाजपा की, यहां हर कोई कार्यकर्ता है संगठन में।

भाजपा की कार्यशाला में पीयूष गोयल ने जीएसटी सुधार से जुड़ा धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। इसके बाद सांसदों ने जीएसटी सुधारों के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया। ▶10 पर

बाढ़ के कारण एनडीए का भोज रद्द पर इंडी-भोज होगा

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां)। बाढ़ की विभीषिका को देखते हुए भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए ने उपराष्ट्रपति चुनाव के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिया जाने वाला भोज रद्द कर दिया। लेकिन इंडी-भोज अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक होगा। विपक्षी नेता उपराष्ट्रपति चुनाव में शामिल होने का अभ्यास सीखेंगे और रात में दिव्य भोज करेंगे। 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले विपक्षी सांसदों को सोमवार को वोटिंग प्रक्रिया की ब्रीफिंग दी जाएगी। उसी दिन संसद भवन के सेंट्रल हॉल में वोटिंग की प्रैक्टिस भी कराई जाएगी। इसके बाद शाम को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे विपक्षी सांसदों के लिए भव्य रात्रिभोज देंगे।

एनडीए ने भाजपा के अनुभवी नेता और महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

हजरतबल दरगाह में सत्ता संरक्षण में हुई राष्ट्र विरोधी करतूत

अशोक स्तंभ तोड़ने को लेकर कश्मीर में मचा है बवाल

श्रीनगर, 07 सितंबर (ब्यूरो)। हजरतबल दरगाह में सत्ता संरक्षण में कट्टरपंथी इस्लामिक तत्वों द्वारा अशोक चिन्ह तोड़े जाने पर मचा बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने 26 लोगों को हिरासत में लिया है। इस घटना के बाद राजनीतिक विवाद भी छिड़ गया है। कुछ नेताओं ने मस्जिद में राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह को तोड़े जाने को राष्ट्र द्रोह बताया तो कुछ ऐसे भी सियासी तत्व हैं जिन्हें मस्जिद परिसर में राष्ट्रीय चिन्ह लगाने पर ही आपत्ति हो, जैसे कि मस्जिद परिसर भारत में नहीं पाकिस्तान में हो।

दरगाह में हुए इस अपवित्र करतूत को जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. दरख्शां अंद्राबी ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने हजरतबल में एक प्रेस

पुलिस ने 25 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया

कांफ्रेंस में पूछा कि यह घटना पत्थर पर दाग नहीं है, यह मेरे दिल पर दाग है। यह संविधान पर एक दाग है, जिसे यहां के चुने हुए नेता उभारते हैं। क्या यहां के नेता प्रतीक चिन्ह का इस्तेमाल नहीं करते? क्या हमारे चुने हुए मुख्यमंत्री प्रतीक चिन्ह साथ नहीं ले जाते? अंद्राबी ने कहा कि जिन लोगों को अशोक स्तंभ के इस्तेमाल से समस्या है, उन्हें दरगाह जाते समय प्रतीक चिन्ह वाले नोट नहीं ले जाने चाहिए। इसी के साथ उन्होंने शिलापट्टी को तोड़ने वालों को आतंकवादी तक कह दिया। उन्होंने कहा, कि इस कृत्य को अंजाम देने वाले किसी आतंकवादी से कम नहीं हैं। दरअसल 5 सितंबर को पैगंबर हजरत मोहम्मद के जन्मदिन पर जम्मू कश्मीर की हजरतबल दरगाह में भी सजावट की गई थी। यहां लगाई गई शिलापट्ट में अशोक स्तंभ उकेरा गया था। नमाज के बाद लोग शिलापट्ट के पास एकत्रित हो गए। अशोक स्तंभ को लेकर विरोध करने लगे। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,09,380/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,26,590/- (प्रति किलोग्राम)

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लोग भुखमरी से जूझ रहे हैं इसी बीच गाजा खाली करने का आ गया फरमान

गाजा,07 सितंबर (एजेंसियां)।

इजरायली हमलों से गाजा कांक्रीट का जंगल बन गया है। यहां भुखमरी के हालात है। इससे निजात मिलती इससे पहले ही इजरायल से गाजा खाली करने का फरमान आ गया। इसी बीच इजरायल ने गाजा सिटी की ऊंची इमारतों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। जानकारी के मुताबिक इजरायल ने कई बहुमंजिला इमारतों को निशाना बनाया है। सहायता समूहों ने चेतावनी दी है कि गाजा शहर से बड़े पैमाने पर लोगों को निकालने से मानवीय संकट की स्थिति और विकराल हो सकती है। खाद्य संकट के मद्देनजर दुनिया के अग्रणी संगठन ने शहर को अकालग्रस्त घोषित कर दिया है। इजराइली सैन्य प्रवक्ता अविचेय अद्रेई ने शनिवार को फलस्तीनियों से गाजा पट्टी के दक्षिण की ओर जाने को कहा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच च्एक्स 'पर कहा कि सेना ने मुवासी के अस्थायी शिविर और दक्षिणी शहर खान यूनिस के कुछ हिस्सों को मानवीय क्षेत्र घोषित किया है। इजरायल ने मानवीय क्षेत्र की पुनःरेखांकित सीमाओं के भीतर खान यूनिस के मोहल्लों का एक नक्शा साझा किया, जिसमें नासिर अस्पताल वाले जिले को भी शामिल किया गया है। पिछले हफ्ते इजराइल ने इस अस्पताल पर हमला किया था जिसमें 22 लोग मारे गए थे। अद्राई ने कहा कि फलस्तीनी गाजा शहर से खान यूनिस तक तथा शहर के पश्चिम में स्थित मुवासी तक बिना तलाशी के एक निर्धारित सड़क के माध्यम से जा सकेंगे। अधिकांश परिवार लगभग दो वर्ष से चल रहे इजराइल-हमास युद्ध के कारण कई बार विस्थापित हो चुके हैं और उनका कहना है कि उनके पास जाने के लिए कोई स्थान नहीं बचा है, क्योंकि इजराइली सेना ने बार-बार उन शिविरों पर बमबारी की है, जिन्हें उसने मानवीय क्षेत्र घोषित किया था। सहायता समूहों ने मुवासी में आश्रय, स्वच्छता, पानी और भोजन की कमी पर चिंता जताई है। महीनों से चल रही बमबारी ने खान यूनिस में नागरिक बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया है। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि वह नए नामित मानवीय क्षेत्र में क्षेत्रीय अस्पताल, पानी की पाइपलाइन और खाद्य आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए काम करेगी। संयुक्त राष्ट्र ने शनिवार को कहा कि उसके कर्मचारी गाजा शहर में बने रहेंगे, ताकि शहर पर इजराइल के नए हमले में फंसे फलस्तीनियों को आवश्यक सहायता प्रदान की जा सके।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण सूडान ने अमेरिका से निर्वासित मैक्सिकन नागरिक को मेक्सिको लौटाया

जुबा। दक्षिण सूडान ने शनिवार को एक मैक्सिकन नागरिक को उसके देश वापस भेज दिया, जिसे जुलाई में अमेरिका द्वारा जुबा निर्वासित किया गया था। यह जानकारी दक्षिण सूडान के विदेश मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के अनुसार, मेक्सिको ने आश्वासन दिया था कि वापसी पर संबंधित नागरिक को यातना, अमानवीय व्यवहार या अनुचित मुकदमे का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके बाद दक्षिण सूडान ने जीसस मुन्योस गुटिरेज को मेक्सिको के नामित राजदूत अलेजांद्रो इवेस एस्टिविल के हवाले कर दिया, जो शुक्रवार को जुबा पहुंचे थे। हालांकि गुटिरेज से तत्काल प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण सूडान अमेरिका से निर्वासित होकर आए अन्य छह तृतीय-देशीय नागरिकों की सुरक्षित और मानवीय वापसी सुनिश्चित करने के लिए भी अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ब्राजील में घोड़ों का खून पिलाकर तैयार किए जा रहे करोड़ों मच्छर

क्यूरिटिबा। डेंगू, चिकनगुनिया और जीका से निपटने के लिए ब्राजील में करोड़ों मच्छरों की फौज तैयार की जा रही है। ये फौज डेंगू और जीका से लड़ने में सक्षम है। यही वजह है कि क्यूरिटिबा शहर में एक ऐसी फैक्ट्री है, जिसके बारे में सुनकर एक बार तो लोगों को यकीन नहीं आता है। यह फैक्ट्री मच्छर बनाती है। इस फैक्ट्री में करोड़ों की संख्या में मच्छर तैयार हो रहे हैं। यहां हर हफ्ते मच्छरों के करीब 10 करोड़ अंडे तैयार किए जाते हैं। इनको बहुत ही नाजुक ढंग से पाला जाता है। ये मच्छर ज्यादा से ज्यादा अंडे दें, इसके लिए इनको घोड़ों का खून भी पिलाया जाता है। दरअसल इन मच्छरों में वोलबाचिया नाम का बैक्टीरिया डाला जाता है। यह बैक्टीरिया मच्छरों की बीमारी फैलाने की क्षमता को कम कर देता है। फैक्ट्री में तैयार मच्छर जब बाहर छोड़े जाते हैं, तो वे दूसरे मच्छरों में भी यही वायरस फैला देते हैं। इन मच्छरों को प्यार से वोलबिटोस कहा जा रहा है। कोलंबिया, इंडोनेशिया और ब्राजील के नितेरोई में भी यह प्रयोग आजमाया जा चुका है। इन शहरों में मच्छरों को पैदा करने का परिणाम शानदार रहा। प्रयोग में शामिल जगहों में डेंगू के मामलों में 69 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। मच्छरों की इस फैक्ट्री को चलाना इतना भी आसान नहीं है। मच्छरों के पनपने के लिए सही तापमान, नमी और खून चाहिए। साथ ही आसपास के लोगों को भी समझाना पड़ता है कि ये मच्छर काटने वाले नहीं बचाने वाले हैं। यानी इनसे किसी तरह का कोई खतरा उनको नहीं है। ब्राजील के क्यूरिटिबा की यह अनोखी फैक्ट्री करोड़ों मच्छरों को पैदा कर रही है।

व्हॉटसएप का नया क्लोज फ्रेंडस फीचर यूज़र्स को देगा नई सुविधा

सैन फ्रांसिस्कों। लोकप्रिय मैसेजिंग ऐप व्हॉटसएप अपने स्टेटस फीचर में एक बड़ा बदलाव लेकर आ रही है।

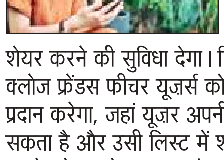

हाल ही में आईओएस बीटा वर्ज़न 25.23.10.80 में देखा गया यह फीचर यूज़र्स को अपने स्टेटस सिर्फ चुनिंदा लोगों के साथ शेयर करने की सुविधा देगा। रिपोर्ट के अनुसार, नया क्लोज फ्रेंडस फीचर यूज़र्स को इंस्टाग्राम जैसी सुविधा प्रदान करेगा, जहां यूज़र अपनी एक विशेष लिस्ट बना सकता है और उसी लिस्ट में शामिल दोस्तों के साथ ही अपने स्टेटस शेयर कर सकेगा। यह फीचर खास तौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी होगा जो चाहते हैं कि उनकी निजी ज़िंदगी से जुड़ी जानकारियां पूरी कॉन्टैक्ट लिस्ट तक न पहुंचें, बल्कि केवल उन्हीं दोस्तों तक सीमित रहें जिन पर वे सबसे अधिक भरोसा करते हैं। इस फीचर की सबसे खास बात यह होगी कि स्टेटस पोस्ट करते समय यूज़र को यह विकल्प मिलेगा कि वह इसे सामान्य कॉन्टैक्ट्स के साथ शेयर करना चाहता है या केवल अपनी बनाई हुई क्लोज फ्रेंडस लिस्ट तक सीमित रखना चाहता है। इसके अलावा स्टेटस पर एक अलग रंग का रिंग भी दिखाई देगा, जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह अपडेट खास तौर पर क्लोज फ्रेंडस के लिए ही साझा किया गया है। हालांकि, इस लिस्ट की गोपनीयता पूरी तरह से बनी रहेगी और किसी भी कॉन्टैक्ट को यह पता नहीं चलेगा कि वह आपकी क्लोज फ्रेंडस लिस्ट में शामिल है या नहीं। वर्तमान में व्हॉटसएप पर ओनली शेयर विथज का विकल्प मौजूद है, लेकिन नया फीचर इसे और अधिक सरल और सहज बना देगा।

वहां चीन कर रहा था विक्ट्री डे परेड की तैयारी, यहां बढ़ गई थी पिज्जा की ब्रिकी

पेंटागन,07 सितंबर (एजेंसियां)।

चीन जब विक्ट्री डे परेड की तैयारी कर रहा था तभी अमेरिका के पेंटागन इलाके में तेजी से पिज्जा ऑर्डर होने लगे। कहा जाता है कि जब अमेरिका पर कोई संकट आने वाला होता है या फिर वह किसी युद्ध की तैयार करता है तो पेंटागन के पास पिज्जा आउटलेट्स में बिक्री बढ़ जाती है। 1998 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन पर महाभियोग के दौरान भी खूब पिज्जा आर्डर देखने को मिले थे। इसके आलावा जब ईरान पर अमेरिका ने हमला किया था, तभी भी यही पैटर्न दिखा था। ऐसे में पेंटागन में जब-जब पिज्जा के ऑर्डर तेज हुए हैं तब-तब इसे युद्ध का संकेत माना गया है। इसे पेंटागन पिज्जा इंडेक्स के नाम से जाना जाता है।

बता दें बीते दिनों जब कई दिनों तक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी सार्वजनिक मंच पर नजर नहीं आए तो सोशल मीडिया पर ट्रप इज डेड ट्रेंड करने लगा। इस दौरान भी पेंटागन के आसपास पिज्जा आउटलेट्स पर ऑर्डर तेजी से बढ़ गया। पेंटागन पिज्जा रिपोर्ट ने भी यही संकेत दिया कि शायद कुछ बड़ा होने वाला है। 3 सितंबर को चीन में मिलिट्री डे की परेड थी। इसमें उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन और रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी हिस्सा ले रहे थे। इससे पहले 1 और 2 सितंबर को वाइट हाउस के पास डोमिनोज में बिक्री बहुत तेज थी। वहीं पेंटागन के पास भी पिज्जा ऑरर्डर का ट्रैफिक बढ़ गया था। बता दें सोवियत रूस की खुफिया एजेंसियों ने सबसे पहले बताया कि पेंटागन और वाइट हाउस के पास पिज्जा ऑर्डर का बढ़ना संक का संकेत देता है। 1990 में यह थ्योरी काफी चर्चा में थी। वॉशिंगटन में डोमिनेज की एक फ्रेंचाइजी ने नोटिस किया था कि जब कुवैत और इराक पर आक्रमण होना था तब सीआईए की इमारत के पास पिज्जा के ऑर्डर बढ़ गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका में जब कोई संकट आता है या फिर युद्ध की तैयारी होती है ।

जिनपिंग से मिलेंगे फिर दक्षिण कोरिया जा सकते हैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन। वैश्विक स्तर पर चल रही उथल-पुथल के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने टॉप सलाहकारों के साथ दक्षिण कोरिया के दौरे पर निकल सकते हैं।वे एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन समिट में शामिल होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि समिट में ट्रंप की चीनी नेता शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय मुलाकात की संभावना पर बातचीत चल रही है, हालांकि अभी कोई पक्का प्लान नहीं बना है। यह सम्मेलन अक्टूबर के आखिर या नवंबर की शुरुआत में ग्योंगजू में होगा। रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले महीने शी जिनपिंग ने फोन पर ट्रंप और उनकी पत्नी को चीन आने का न्योता दिया था। ट्रंप ने भी उन्हें अमेरिका आने का ऑफर दिया, लेकिन अभी कोई डेट फिक्स नहीं हुई है। राष्ट्रपति ट्रंप की टीम इस ट्रिप को अमेरिका में और आर्थिक निवेश लाने के मौके के तौर पर भी देख रही है। व्हाइट हाउस अधिकारी ने बताया, दक्षिण कोरिया की यात्रा पर बात चल रही है, जिसमें आर्थिक सहयोग पर फोकस होगा। इसके अलावा व्यापार, रक्षा और सिविल न्यूक्लियर सहयोग जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होगी। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप की इस यात्रा में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से दोबारा मुलाकात का मौका भी बन सकता है, लेकिन किम का समिट में शामिल होना अभी पक्का नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों का ज्यादा ध्यान शी जिनपिंग के साथ मुलाकात की प्लानिंग पर है। पिछले हफ्ते दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग की वॉशिंगटन यात्रा के दौरान उन्होंने ट्रंप को समिट में आने का न्योता दिया था। उन्होंने सुझाव दिया कि इस दौरान ट्रंप और किम की भी मुलाकात हो सकती है।

तिजोरी खोलने कही तैयारी : बांग्लादेश खोजेगा दुनिया का सबसे बेशकीमती हीरा-दरिया-ए-नूर

ढाका,07 सितंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार देश के एक सरकारी समय में लंबे समय से बंद पड़ी एक तिजोरी को खोलने की तैयारी कर रही है। इसमें कोहनूर की बहन माने जाने वाले एक हीरे की तलाश होगी। माना जा रहा है कि इस तिजोरी में दुनिया के सबसे रहस्यमय और बेशकीमती हीरों में से एक दरिया-ए-नूर को छिपाकर रखा गया है। इस नायाब हीरो को अक्सर कोहिनूर की बहन के नाम से भी जाना जाता है। 26 कैरेट के इस हीरे को भारत की मशहूर गोलकुंडा की खदानों से निकाला गया था। यह मुगल, मराठा और सिख शासकों के पास रहा है और जनता की नजरों से ओझल होने से पहले एक लंबी यात्रा तय की है। दरिया-ए-नूर की दौर में अनुमानित कीमत लगभग 1.3 करोड़ डॉलर (114.5 करोड़ रुपये) है। अदालती दस्तावेजों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में बताया है कि यह हीरा 108 खजानों के संग्रह का हिस्सा था। इस खजाने को रखने वाली तिजोरी को आखिरी बार 1985 में खोला गया था। हालांकि, 2017 में ऐसी रिपोर्ट आई जिसमें दावा किया गया कि हीरा गायब हो गया।

दशकों से इस बेशकीमती हीरे को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है, ऐसे में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के इस कदम ने उम्मीदों को फिर से जगा दिया है। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट द बिजनेस स्टैंडर्ड के अनुसार, दरिया-ए-नूर एक 26 कैरेट का हीरा है। इसकी सतह आयताकार और मेज के आकार की है। कहा जाता है कि कोहिनूर की तरह ही इस हीरे को भी दक्षिण भारत में गोलकुंडा की खदानों से निकाला गया था। ब्रिटिशकालीन ज्वैलर्स हैमिल्टन एंड कंपनी के रिकॉर्ड से पता चलता है कि यह हीरा लंबे समय तक मराठा शासकों के पास रहा। बाद में इसे हैदराबाद के एक मंत्री नवाब सिराजुल्लाह मुल्क के परिवार ने खरीद लिया। कोहिनूर और दरिया-ए-नूर हीरा, दोनों ही बाद में पंजाब के महाराजा रणजीत सिंह के पास आ गए। वे इन्हें दोनों हाथों में बाजूबंद की तरह पहनते थे। उनकी मौत के बाद 19वीं शताब्दी में ये रत्न ब्रिटिश हाथों में चले गए।रिपोर्ट के अनुसार, कोहिनूर की तरह दरिया-ए-नूर भी लाहौर से महारानी विक्टोरिया के पास भेजा गया था। यह हीरा महाराजा रणजीत सिंह के बेटे दलीप सिंह से जबरन लिया गया था। हालांकि, दरिया-ए-नूर महारानी को प्रभावित नहीं कर सका।

काठमांडू में शुरू हुआ नेपाल-चीन की सेनाओं का संयुक्त अभ्यास 'सागरमाथा मैत्री'

काठमांडू। चीन और नेपाल की सेनाओं के बीच अभ्यास 'सागरमाथा मैत्री' का पांचवां संस्करण रविवार को काठमांडू में शुरू हुआ।दस दिवसीय यह अभ्यास आतंकवाद विरोधी अभियानों, युद्ध प्रशिक्षण और आपदा प्रबंधन पर केंद्रित होगा। चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) का 37 सदस्यीय सैन्य दल अभ्यास में भाग लेने के लिए 5 सितंबर को ल्हासा से यहां पहुंचा था। इस वर्ष का यह अभ्यास पिछले साल चीन में सिचुआन प्रांत कें चोंगकिंग में आयोजित अभ्यास की ही एक कड़ी है। नेपाल सेना के अनुसार दोनों देशों के बीच युद्धाभ्यास का यह सिलसिला 2017 में काठमांडू से शुरू हुआ था, जिसके बाद बारी-बारी से चीन और नेपाल में यह अभ्यास चल रहा है। हालांकि, 2023 में कोरोना महामारी के कारण यह युद्धाभ्यास नहीं हो पाया था। 'सागरमाथा मैत्री' सैन्य अभ्यास नियमित क्षमता निर्माण और अनुभव साझा करने की कवायद है, जो किसी विशेष देश के खिलाफ नहीं है। नेपाल और चीन के बीच बढ़ते सैन्य अभ्यासों ने भारत, अमेरिका और पश्चिमी देशों का ध्यान आकर्षित किया है, जिन्हें चीन के व्यापक बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के संदर्भ में देखा जा रहा है। नेपाल 'सूर्य किरण' श्रृंखला के तहत अमेरिका, जापान और भारत के साथ भी इसी तरह का सैन्य सहयोग रखता है।

23 वर्षीय युवक है 83 वर्षीय दादी के साथ रिलेशन में

टोक्यो ,07 सितंबर (एजेंसियां)।

जापान के 23 वर्षीय युवक कोफु अपनी क्लासमेट की 83 वर्षीय दादी आइको के साथ बीते छह महीनों से रिलेशनशिप में हैं। इस अनोखी प्रेम कहानी ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। इस रिश्ते की सबसे बड़ी वजह है इसमें मौजूद 60 साल का उम्र का अंतर। एक रिपोर्ट के अनुसार, कोफु पहली बार अपनी क्लासमेट के घर पहुंचे तो उनकी मुलाकात आइको से हुई और वहीं से इस रिश्ते की शुरुआत हुई। धीरे-धीरे बातचीत और साथ समय बिताने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ती चली गईं और रिश्ता प्रेम में बदल गया।आइको पहले दो शादियां कर चुकी हैं और उनके एक बेटा, एक बेटी और पांच पोते-पोतियां हैं। तलाक के बाद वह अपने बेटे के परिवार के साथ रहती थीं। वहीं, कोफु यूनिवर्सिटी से ग्रैजुएशन पूरा करने के करीब हैं और फिलहाल एक क्रिएटिव डिजाइन कंपनी में इंटर्नशिप कर रहे हैं। दोनों का कहना है कि यह पहली नजर का प्यार था।

आइको ने बताया कि कोफु बेहद विनम्र और जीवंत स्वभाव के हैं, जैसा उन्होंने पहले कभी किसी में नहीं देखा। हालांकि उम्र के इतने बड़े अंतर की वजह से शुरुआत में दोनों ने अपने दिल की बात जाहिर करने से परहेज किया, लेकिन हालात तब बदले जब आइको की पोती ने डिज़नीलैंड का ट्रिप प्लान किया और अंतिम वक्त पर जाने से मना कर दिया। उस दौरान आइको और कोफु अकेले रह गए और सिंड्रेला कैसल के सामने सूर्यास्त के समय कोफु ने आइको से अपने प्यार का इज़हार कर दिया।इसके बाद दोनों ने साथ रहने का फैसला किया, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वे किसके घर में रह रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि इस रिश्ते के सार्वजनिक होने के बाद दोनों परिवारों ने उन्हें पूरा समर्थन दिया है। शादी को लेकर अब तक कोई चर्चा नहीं हुई है, लेकिन कोफु का कहना है कि उनके लिए यही काफी है कि हर सुबह सबसे पहले आइको का चेहरा देखने को मिले। वहीं आइको ने कहा कि जब कोफु काम पर जाते हैं तो उन्हें अकेलापन महसूस होता है, लेकिन उनके लिए खाना बनाना उन्हें ऊर्जा देता है। मज़ाकिया अंदाज़ में उन्होंने यह भी बताया कि कोफु रात को सोने से पहले उनके दांत भी ब्रश कराते हैं।

नाइजीरिया में बोको हरम आतंकियों ने बर्बर हमले को दिया अंजाम, 63 लोगों की हत्या कर घरों में लगाई आग

अबुजा (नाइजीरिया) ,07 सितंबर (एजेंसियां)।

नाइजीरिया में पूर्वोत्तर के एक गांव दारुल जमाल में बोको हरम के आतंकियों ने बड़ा हमला कर दर्जनों लोगों की हत्या कर दी। इस गांव में हाल ही में विस्थापितों को बसाया गया था।बोर्नो राज्य के गवर्नर बाबागाना जुलुम ने शनिवार देर शाम घटनास्थल का दौरा कर आतंकी हमले में 63 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की।हमले में बड़ी संख्या घायलों की है और काफी संख्या उन लोगों की है जो घटना में जान बचा कर भागने में सफल रहे।

बोर्नो राज्य के दारुल जमाल में संदिग्ध बोको हरम आतंकवादियों ने दर्जनों नागरिकों और अज्ञात संख्या में सैनिकों की हत्या कर दी।हमले में काफी संख्या में लोग घायल हुए हैं। हमलावरों ने बर्बर तरीके से लोगों की हत्या की और घरों में आग लगा दी।हमले के दौरान काफी लोगों ने वहां से भाग कर जान बचाई।

यह घटना शुक्रवार रात करीब 9 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुई। बोर्नो राज्य के गवर्नर बाबागाना उमरा जुलुम ने शनिवार को दारुल जमाल का दौरा किया और बोको हरम आतंकियों द्वारा मारे गए 63 लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

पीड़ितों में पाँच सैनिक और लगभग 58 नागरिक शामिल थे। ये सभी पहले विद्रोहियों द्वारा विस्थापित किए गए थे लेकिन दो महीने पहले दारुल जमाल लौट आए।

राज्य के गवर्नर उमरा जुलुम ने घटना में 63 लोगों के मारे गए की पुष्टि करते हुए शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना दी।उन्होंने समुदाय के नेताओं से मुलाकात कर कहा कि यह बहुत दुखद है। यह समुदाय कुछ महीने पहले ही बसा था और अपनी सामान्य गतिविधियाँ कर रहा था, लेकिन दुर्भाग्य से कल रात उन्हें बोको हरम के हमले का सामना करना पड़ा।

उल्लेखनीय है कि नाइजीरिया के स्थानीय जिहादियों ने साल 2009 में बोको हरम का गठन किया। इस संगठन का उद्देश्य पश्चिमी शिक्षा का विरोध करते हुए कट्टरपंथी इस्लामी व्यवस्था थोपना था। अपने इस उद्देश्य के लिए संगठन के आतंकियों ने दर्जनों बर्बर घटनाओं को अंजाम देकर दहशत फैला दी। साल 2021 में बोको हरम के कुख्यात नेता अबुबकर शेकाऊ के मरने के बाद संगठन दो हिस्सों में बंट गया। एक गुट इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़ा है और इसे इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस (आईएसडब्ल्यूएपी) के नाम से जाना जाता है। यह गुट आमतौर पर सेना पर हमले करता है। दूसरा गुट जमातु अहलिस सुन्ना लिद्दावती वल-जिहाद (जेएएस) आम नागरिकों को निशाना बनाता है और फिरौती व लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देता है।

प्रधानमंत्री के 75वें जन्मदिन पर 75 स्थानों पर नमो युवा रन का होगा आयोजन

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वें जन्मदिन के मौके पर 17 सितंबर को देशभर में 75 स्थानों पर 'नशा मुक्त भारत' के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा 'नमो युवा रन' का आयोजन किया जाएगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया और भाजयुमो अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में इसकी घोषणा की। इस अवसर पर तेजस्वी सूर्या ने बताया कि फिटनेस के प्रतीक के तौर पर पहचाने जाने वाले मॉडल, एक्टर मिलिंद सोमण 'नमो युवा रन' के ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस अवसर पर 'नमो युवा रन' की टी शर्ट और एप भी लॉन्च किया गया।

श्री सूर्या ने बताया कि भाजयुमो प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर 17 सितंबर को भाजयुमो देश के 75 स्थानों पर 'नमो युवा रन' आयोजित कर रही है। जिसमें हर स्थान पर करीब 10,000 युवा के भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि एक अनुमान के मुताबिक 'नमो युवा रन' में 10 लाख से अधिक युवा भाग लेंगे। जो देश के इतिहास की सर्वाधिक भागीदारी वाली दौड़ होगा। 17 सितंबर को सुबह 7 बजे 75 स्थानों पर 'नशा मुक्त भारत' संकल्प के लिए एक साथ ये दौड़ शुरु होगी।

श्री सूर्या ने कहा कि पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश में नशे के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 साल में 24 लाख किलो से अधिक नशे का सामान जब्त किया गया है।

इस अवसर पर श्री मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने 11 साल के कार्यकाल में देश को बहुत कुछ दिया है इसी कड़ी में जीएसटी सुधार देश के लिए उपहार है। उनके नेतृत्व में आज देश तरक्की कर रहा है, देश आगे बढ़ रहा है और नए भारत का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर से लेकर दो अक्टूबर तक, भाजपा 15 दिनों तक 'सेवा पखवाड़ा' मनाती है। श्री मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि देश आज़ादी के लिए बड़ी संख्या में युवाओं ने अपने प्राणों का बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 11 साल के कार्यकाल में टैक्स लगातार घटता रहा और देश का बजट दिनों-दिन बढ़ता गया। श्री मंडाविया ने कहा कि आज देश का बजट 51 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया। उन्होंने सभी लोगों से स्वदेशी और 'नमो युवा रन' से जुड़ने की अपील की।

इस अवसर पर 'नमो युवा रन' के ब्रांड एंबेसडर मिलिंद सोमण ने कहा कि वह मोदी जी के फिटनेस के बहुत बड़े फैन हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ मशल्स या बॉडी बना लेना ही फिटनेस नहीं है बल्कि दैनिक जीवन के काम के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने इस तरह के स्वास्थ्य जागरूकता के कार्यक्रम के लिए लगातार जोर दिया है।

श्री सोमण ने कहा कि नशा आज पूरी दुनिया के लिए समस्या बन चुका है इसके लिए सभी देशों को एकजुट होकर प्रयास करने चाहिए। इस अवसर पर श्री सूर्या की अपील पर मिलिंद सोमण ने युवाओं के साथ पुश अप लगाए और फिट रहने का संदेश दिया।

वोट चोरी में भाजपा की मदद क्यों कर रहा आयोग : खड़गे

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया है कि वह कई सालों से वोट चोरी की साजिश में शामिल होकर भाजपा की मदद कर रहा है और उसे स्पष्ट करना चाहिए कि क्या आयोग इस काम के लिए भाजपा का बैक ऑफिस बन गया है।

श्री खरगे ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए रविवार को कहा कि क्या चुनाव आयोग वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक-ऑफिस बन गया है।

उन्होंने इस संदर्भ में कुछ पुराने उदाहरण देते हुये कहा कि मई 2023 के कर्नाटक चुनाव से पहले कांग्रेस ने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का खुलासा किया और बताया था कि इस सीट पर फॉर्म 7 के आवेदनों में साजिश कर बेहद सलीके से हज़ारों मतदाताओं के अधिकार छीन लिये गये। फिर एक मामला दर्ज किया गया और इसकी जाँच में 5,994 जाली आवेदनों का पता चला। यह वोट चोरी के बड़े प्रयास का एक स्पष्ट प्रमाण है। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए सीआईडी जाँच का आदेश दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने इस प्रक्रिया में चुनाव आयोग को घेरते हुए कहा लेकिन यहाँ पेच यह है जहाँ चुनाव आयोग ने पहले जालसाजी का पता लगाने के लिए आवश्यक दस्तावेज़ों का एक हिस्सा साझा किया था वहीं अब उसने महत्वपूर्ण जानकारी को छुपा दिया है - और वोट चोरी के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है। आयोग ने अचानक महत्वपूर्ण सबूत क्यों रोक दिए। यह किसे बचा रहा है। भाजपा के वोट चोरी विभाग को। क्या चुनाव आयोग भाजपा के दबाव में सीआईडी जाँच को पटरी से उतार रहा है।

उन्होंने कहा कि देश के हर नागरिक के मतदान के अधिकार की रक्षा होनी चाहिये। भारतीय लोकतंत्र की रक्षा होनी चाहिये।

श्री नारायण गुरु जयंती पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि सामाजिक और आध्यात्मिक योगदान को याद किया

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को श्री नारायण गुरु की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सामाजिक और आध्यात्मिक योगदान को याद किया। पीएम मोदी ने कहा कि श्री नारायण गुरु की शिक्षाएं आज भी व्यापक रूप से गूंजती हैं।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, श्री नारायण गुरु की जयंती पर, हम उनके दृष्टिकोण और हमारे सामाजिक व आध्यात्मिक परिदृश्य पर उनके प्रभाव को याद करते हैं। समानता, करुणा और विश्व बंधुत्व की उनकी शिक्षाएं व्यापक रूप से गूंजती हैं। सामाजिक सुधार और शिक्षा को बढ़ावा देने का उनका आह्वान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्री नारायण गुरु को समाज सुधारक, महान संत और दार्शनिक बताते हुए कहा कि उन्होंने अपना जीवन समाज की बुराइयों को दूर करने और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया।

शाह ने पोस्ट किया, श्री नारायण गुरुदेव एक समाज सुधारक, महान संत और दार्शनिक थे, जिन्होंने अपना जीवन समाज की बुराइयों को दूर करने और हाशिए पर पड़े लोगों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उनके करुणा, समानता और ज्ञान का शाश्वत संदेश भारत को सही राह पर ले जाता है। हम उनकी जयंती पर उन्हें याद करते हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने श्री नारायण गुरु की शिक्षाओं को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन निस्वार्थ प्रेम और करुणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा, जो कुछ भी अपनी आत्मा की खुशी के लिए किया जाए, वह दूसरों की खुशी के लिए भी किया जाना चाहिए। रविवार को श्री नारायण गुरु की जयंती है, जिन्होंने निस्वार्थ प्रेम और करुणा का संदेश दिया।

चंद्रशेखर ने ओणम पर्व के अवसर पर लोगों से अपील की कि जाति और धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर एकता का संदेश फैलाएं। राजीव चंद्रशेखर ने लिखा, आइए, जाति और धर्म के भेदभाव से परे एकता का संदेश फैलाने वाले गुरुदेव की स्मृति में अच्छाई के इस ओणम पर्व का समापन करें। गुरुदेव की शिक्षाएं सदैव हमारे मन को प्रकाशित करती रहें।

भाजपा के वरिष्ठ नेता पी. मुरलीधर राव ने भी श्री नारायण गुरु को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वे सामाजिक न्याय के एक सच्चे प्रणेता थे जिन्होंने जाति-आधारित भेदभाव के विरुद्ध निडरता से संघर्ष किया।

उन्होंने पोस्ट किया, महान दार्शनिक, आध्यात्मिक गुरु और समाज सुधारक श्री नारायण गुरु को उनकी जयंती पर नमन। सामाजिक न्याय के एक सच्चे समर्थक, श्री नारायण गुरु ने जाति-आधारित भेदभाव के विरुद्ध निडरता से संघर्ष किया और सामाजिक समानता, सद्भाव और आध्यात्मिक जागृति को बढ़ावा देने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी पीढ़ियों को एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करती हैं।

आरएसएस की समन्वय बैठक के तीन दिनो में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

जोधपुर, 07 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर में चल रही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक में संघ एवं संघ से प्रेरित विभिन्न संगठनों ने शिक्षा, महिला एवं वर्तमान परिस्थिति सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी है।

बैठक के तीसरे एवं आखिरी दिन रविवार को संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने यहां प्रेस वार्ता में बैठक के बारे जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान के संघ एवं इससे प्रेरित संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संगठन मंत्री आदि ने शिक्षा , महिला, जनजाति, भाषा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों जहां भारी वर्षा से बाढ़ एवं अतिवृष्टि के उत्पन्न हालात तथा अन्य कई मुद्दों पर चर्चा की गयी।

बैठक में मुद्दों पर चर्चा और इन विषयों पर इन संगठनों द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी भी दी गई। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में चर्चा हुई और इस पर भी विभिन्न संगठनों ने अपनी राय प्रकट की और यह आकलन दिया गया कि शिक्षा नीति अच्छी दिशा में जा रही है और इस पर अच्छा काम हो रहा है।

विद्या भारती सहित शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले कई संगठन शिक्षा नीति को केन्द्र एवं राज्य में अच्छी तरह लागू हो और इसके लिए शिक्षा संस्थानों में कार्यक्रम भी आयोजित किये गये।

बैठक में पंजाब की परिस्थिति के बारे में भी चर्चा हुई और नशा की बढ़ती प्रवृत्ति से युवाओं में दुष्परिणाम पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई और युवाओं को समझाने के लिए विभिन्न संगठनों द्वारा अभियान चला कर किये जा रहे प्रयासों के बारे में भी जानकारी दी गई।

पश्चिम बंगाल में घुसपैठ को लेकर चिंता व्यक्त की कि घुसपैठ कर उपद्रव किए जा रहे है जिन्हें तुरंत रोकना आवश्यक है। वहां कानून व्यवस्था का भी प्रश्न आ रहा है जिस पर चिंता व्यक्त की गई। वहां विभिन्न संगठन काम कर रहे हैं और कानून के हिसाब से जो प्रयास किए गए, उन चर्चा हुई।

बैठक में जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों जहां भारी वर्षा से बाढ़ एवं अतिवृष्टि के उत्पन्न हालात पर चर्चा हुई और बताया गया कि सेवाभारती सहित सभी लोग अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में सहायता करने का प्रयास कर रहे हैं और स्वयं सेवक भी जुटे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि बैठक में महिला की समाज में विभिन्न स्तर पर बढ़ती भागीदारी के बारे में भी चर्चा हुई और विभिन्न संगठनों ने महिलाओं की बढ़ती सहभागिता और उसके बारे में चल रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि संघ के क्रीडा भारती संस्थान ने महिला खिलाड़ियों को लेकर अध्ययन किया और जिसमें उनकी समस्याओं आदि का अध्ययन किया गया तथा समस्याओं के समाधान के लए भी आगे काम किया जायेगा।

ऐतिहासिक ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश भक्ति के लिए सैंकड़ों कार्यक्रमों का आयोजन हुआ जिसमें विशेष रुप से महिलाओं की सहभागिता रही। इस प्रकार देश के विभिन्न क्षेत्रों में सभी जगह महिलाओं की सहभागिता बढ़ रही है।

उन्होंने बताया कि बैठक में पूर्वोत्तर के बारे में भी विभिन्न संगठनों ने अपने विशेष अनुभव बताएं।

जनजाति क्षेत्रों में नक्सलियों के कारण हिंसा का माहौल अब काम होता जा रहा है और आंदोलन और सरकार के प्रयासों से धीरे-धीरे हिंसा का प्रभाव कम हो रहा है और वहां स्थिति सामान्य की तरफ बढ़ रही है । इन सब मुद्दों पर बैठक में चर्चा हुई और शाम को सरसंघचालक डा मोहन भागवत के उद्बोधन के साथ बैठक का समापन होगा।

उन्होंने बताया कि शनिवार को बैठक में प्रसिद्ध कलाकार अनवर खान ने लोकगीत एवं भजन प्रस्तुत किये और डा भागवत द्वारा सम्मान भी किया गया ।

एक सवाल के जवाब में आंबेकर ने कहा कि देश में एकता को लेकर संघ का प्रयास है कि वह सभी लोगों के पास जा रहे है और भ्रम को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं सब एक होने की अनुभूति को समझेंगे और धीरे धीरे विभिन्न संगठनों का विस्तार हो रहा है वे सारे देश की एकता की बात कर रहे है उससे लोग सहमत होते चले जा रहे हैं। लोगों के साथ संवाद हो रहा है और धीरे धीरे सुधार हो रहा है।

धर्म परिवर्तन के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस संबंध में जबरदस्ती एवं लालच में किया गया धर्म परिवर्तन अनुचित हैं। इस दृष्टि को उजागर करने के लिए हिन्दू समाज एवं साधु संत एवं जागरुक लोग सक्रिय है स्वयं सेवक भी लगे हुए है। इन बातों का उजागर कर हिन्दू समाज के लोगों को जागरुक किया जा रहा है।

सिरेमिक कचरे से बुलंदशहर में बनाई गई अनोखी-दुनिया!

बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण की पहल से बना पार्क

कलाकारों और कारीगरों की टीम ने तैयार की अनोखी कलाकृतियां

लखनऊ/बुलंदशहर, 07 सितंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार द्वारा लगातार प्रदेश के पारंपरिक उद्योगों को विश्व पटल पर पहचान दिलाने के साथ आधुनिकता से जोड़ा जा रहा है। इसी के तहत योगी सरकार ने पिछले आठ वर्षों में लोकल फॉर वोकल को आत्मसात करते हुए वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के जरिए प्रदेश के पारंपरिक उत्पादों को नई पहचान दी है। इस दिशा में योगी सरकार द्वारा एक अनूठी पहल की गयी है। योगी सरकार के निर्देश पर बुलंदशहर में अनोखी दुनिया नाम से एक पार्क बनाया गया है, जिसे सिरेमिक कचरे से बनाया गया है, यह दुनिया का पहला सिरेमिक वेस्ट पार्क है। यह पार्क माह के अंत तक पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा।

बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण के वीसी डॉ. अंकुर लाठर ने बताया कि बुलंदशहर के खुर्जा को सिरेमिक की राजधानी कहा जाता है। यहां बने विश्वस्तरीय डिजाइन, आकार, शैली के बर्तन व उत्पाद देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुके हैं। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप खुर्जा की पारंपरिक विरासत को विश्व पटल पर अलग पहचान दिलाने के लिए अनोखी दुनिया नामक सिरेमिक पार्क का निर्माण किया गया है। यह पार्क न केवल खुर्जा की कला और कारीगरी को प्रदर्शित करता है, बल्कि शहर को पर्यटन की दृष्टि से भी एक नया मुकाम दिलाने में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। वीसी ने बताया कि अनोखी दुनिया नामक पार्क को पीपीपी मोड पर बनाया गया है। यह पार्क करीब 2 एकड़ में फैला हुआ है। इस पार्क की खासियत है कि यह दुनिया का पहला सिरेमिक वेस्ट पार्क है। उन्होंने बताया कि अनोखी दुनिया पार्क में छह कलाकारों और 120 कारीगरों की टीम ने मिलकर कई महीनों की मेहनत से करीब 100 छोटी-बड़ी अनोखी कलाकृतियां तैयार की हैं। इसमें 28 बड़ी कलाकृतियां मुख्य आकर्षण का केंद्र हैं। यह कलाकृतियां टूटी हुई सुराहियों, कप, केतली और अन्य बर्तनों के टुकड़ों से बनाई गई हैं। यहां बड़े आकार के कप, केतली, सुराही और कई अन्य कलात्मक नमूने देखने को मिलेंगे, जिन्हें रंग-बिरंगे और आकर्षक अंदाज़ में सजाया गया है। यह पार्क सभी आयु वर्ग के लोगों को लुभाने में सक्षम है। पार्क को 80 टन सिरेमिक कचरे से तैयार किया गया है, जो वेस्ट-टू-आर्ट का उत्कृष्ट उदाहरण है। अनोखी दुनिया पार्क पीपीपी मोड पर 5 करोड़ 86 लाख की लागत से बनकर तैयार हुआ है। यह पार्क पर्यटकों के लिए सितंबर माह के अंत तक खोल दिया जाएगा। इस पार्क में हरियाली का भी विशेष ध्यान रखा गया है।

मुंबई की तरह मेरठ में भी मुस्लिमों ने बनाया हलाल एरिया

अब्दुल्ला कॉलोनी में हिंदुओं की एंट्री पर रोक

मेरठ, 07 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में अब्दुल्ला रेजीडेंसी में हिंदू धर्म के लोगों की एंट्री पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस कॉलोनी में हिंदुओं को प्लॉट बेचने पर भी पाबंदी लगाई गई है। यह भी सामने आया कि कॉलोनी को जेल में बंद गैंगस्टर शारिक की जमीन पर बनाया गया है, जहां मस्जिद का निर्माण भी करवा दिया गया है। मामला सामने आने के बाद ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेंद्र तोमर ने अब्दुल्ला कॉलोनी की उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए मेरठ जिलाधिकारी को पत्र लिखा है। पत्र में कॉलोनी के नक्शा और मस्जिद निर्माण की जांच की मांग की गई है। मंत्री तोमर ने कहा कि कॉलोनी में गड़बड़ी मिली तो बुलडोजर गरजेगा।

मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री तोमर ने कहा कि उनके संज्ञान में आया है कि अब्दुल्ला रेजीडेंसी पिछले 10 सालों से विकसित की जा रही है, जिसमें केवल मुस्लिम लोगों को बसाने की योजना बनाई गई है। तोमर ने कहा कि यह सोच पूरी तरह गलत है, किसी एक धर्म तक सीमित नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि कॉलोनी में बनी मस्जिद का नक्शा वैध तरीके से स्वीकृत हुआ है या नहीं। साथ ही गैंगस्टर शारिक की जमीन शामिल होने की बात पर कहा कि इसकी गहराई से जांच की जाएगी। तोमर ने कहा कि धार्मिक आधार पर बांटने का प्रयास किसी भी सूरत में सफल नहीं हो पाएगा।

अब्दुल्ला रेजीडेंसी में 90 प्रतिशत प्लॉट मुस्लिम लोगों को बेचे गए हैं। कॉलोनी में कुल 75 प्लॉट हैं, जिनमें सिर्फ 4 प्लॉट हिंदुओं के हैं। कॉलोनी के प्रोजेक्टर के दो पार्टनर हैं, मेजर जनरल जावेद इकबाल और महेंद्र गुप्ता। जावेद इकबाल के भाई आबिद इकबाल ने सफाई देते हुए कहा कि यह एक बिजनेस प्रोजेक्ट है, जो सभी के लिए खुला है। यहाँ अधिकतर मुस्लिम लोगों ने निवेश किया है। हिंदू खरीदार सिर्फ 10 प्रतिशत हैं। साथ ही आबिद ने मस्जिद निर्माण की बात को भी नकार दिया।

वहीं बिल्डर महेंद्र गुप्ता ने कहा कि सभी आरोप निराधार हैं, अब्दुल्ला रेजीडेंसी में किसी को भी प्लॉट खरीदने पर रोक नहीं लगाई गई है। गुप्ता ने कहा कि यह कॉलोनी आवास विकास की स्वीकृति से बनाई गई है। साथ ही गुप्ता ने कहा कि वे कॉलोनी की जांच के लिए तैयार हैं। हालांकि, आबिद इकबाल और महेंद्र गुप्ता की बातों में कितनी सच्चाई है, यह जांच के बाद ही साफ हो सकेगा। अब्दुल्ला कॉलोनी की जांच के लिए मंत्री सोमेंद्र तोमर ने डीएम को पत्र लिखा है। फिलहाल प्रशासन की ओर से कॉलोनी पर किसी भी तरीके की कार्रवाई नहीं की गई है।

मेरठ की तरह ही इससे पहले मुंबई के हलाल अपार्टमेंट को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। जहां मीरा रोड स्थित गैलेक्सी फेस-2 प्रोजेक्ट पर एक विज्ञापन सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। विज्ञापन में कहा गया कि इस प्रोजेक्ट को केवल मुस्लिम लोगों को ही बेचा जाएगा। यहां तक 22 मंजिला इस इमारत के पहले फ्लोर पर मस्जिद और नमाज के लिए अलग जगह और दूसरे फ्लोर पर हलाल के लिए व्यवस्था तय की गई।

डरावने चेहरे के कारण हॉरर फिल्म का राक्षस बना ये आयआयटी ग्रेजुएट अनिरुद्ध अग्रवाल

बेढंग शक्ल और लंबाई के चलते बॉलीवुड ने बेदखल किया

आर माधवन, सोनू सूद, तापसी पन्नू और कृति सेनन जैसे कई स्टार्स योग्यता से इंजीनियर हैं। लेकिन इनमें से किसी का भी करियर ग्राफ अनिरुद्ध अग्रवाल जितना ऊंचा नहीं रहा, जिन्होंने आयआयटी रुड़की से ग्रेजुएट होने के बाद हिंदी हॉरर फिल्मों में एक दुर्जेय राक्षस की भूमिका निभाने तक का सफर तय किया। 1949 में देहरादून में जन्मे अनिरुद्ध को हमेशा से अभिनय का शौक रहा। लेकिन अपने पिता की इच्छा के चलते उन्होंने इंजीनियरिंग की राह चुनी। मुंबई आने के बाद उन्होंने पहले एक इंजीनियर के रूप में काम किया, लेकिन जल्द ही एक दुर्लभ बीमारी का शिकार हो गए। उनकी पिट्यूटरी ग्रंथि में एक ट्यूमर के कारण लंबाई असाधारण रूप से बढ़ गई और उनके चेहरे की बनावट अजीब हो गई।

एक दोस्त ने अनिरुद्ध अग्रवाल को रामसे ब्रदर्स से मिलने की सलाह दी, जिन्होंने अपनी 1984 की हॉरर फिल्म 'पुराना मंदिर' की 90% शूटिंग पूरी कर ली थी, लेकिन सामरी नामक एक राक्षसी किरदार वाले बाकी हिस्से की शूटिंग पूरी होने का इंतजार कर रहे थे। हालांकि रामसे ब्रदर्स इससे पहले भी अपनी फिल्मों में राक्षसी मुखौटों का इस्तेमाल करते थे, लेकिन अनिरुद्ध के साथ उन्हें ऐसा करने की जरूरत नहीं पड़ी।

राक्षस का रोल मिला, नहीं किया मेकअप

अनिरुद्ध ने 2017 में बीबीसी को बताया था, 'मेरा चेहरा ऐसा है कि उन्हें मुझ पर मेकअप लगाने की भी जरूरत नहीं पड़ी। मेरा चेहरा... मैं सबके लिए एक डरावना चेहरा बन गया था।' निर्देशक जोड़ी के एक सदस्य श्याम रामसे ने कहा, 'बिना मेकअप के भी अनिरुद्ध का चेहरा बिल्कुल अलग था। अगर आप आज उन्हें सड़क पर चलते हुए देखें, तो लोग मुड़कर उन्हें देखेंगे। वह हमारे लिए एकदम सही थे।'

इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़ दी

अनिरुद्ध अग्रवाल ने अभिनय करियर बनाने के लिए अपनी इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़ दी। 'पुराना मंदिर' की सफलता ने रामसे ब्रदर्स को उनके साथ 'सामरी 3डी' नामक एक स्पिन-ऑफ बनाने के लिए प्रेरित किया, लेकिन वह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई। हालांकि, उन्होंने 1990 में 'बंद दरवाजा' और 1993 में 'द जी हॉरर शो' जैसी और हिट फिल्मों के साथ अपनी सफलता का सिलसिला फिर से शुरू किया।

बिग बॉस 19 के पहले वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट होंगे शहबाज बदशा, बहन शहनाज ने दिए टिप्स

बिग बॉस 19 के वीकेंड का वार एपिसोड में सलमान खान ने बताया था कि इस सप्ताह बिग बॉस हाउस में एक वाइल्ड कार्ड एंट्री होगी। इसका नाम तो शेयर नहीं किया गया था, लेकिन लोगों को शो के कुछ प्रोमो देख पता लग गया था कि वह अभिनेत्री शहनाज गिल के परिवार से हो सकता है। अब इस बात का खुलासा हो गया है कि ये कंटेस्टेंट कोई और नहीं, शहनाज गिल के भाई शहबाज बदशा हैं। वो इस सप्ताह 'बिग बॉस 19' के घर में वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी के रूप में प्रवेश करेंगे। अपने भाई के बिग बॉस के घर में जाने पर अभिनेत्री शहनाज बहुत खुश हैं।

अभिनेत्री ने भाई को कुछ टिप्स भी दिए हैं। अभिनेत्री शहनाज ने अपने भाई की एंट्री पर खुशी जताते हुए कहा, मुझे उस पर गर्व हो रहा है, सात साल तक उसने इसका इंतजार किया है। मैं अपने भाई के लिए थोड़ी नर्वस भी हूं, लेकिन मैं उसे बाहर से सपोर्ट करूंगी। वह हमें 24 घंटे हंसाता है। वह बाकी के कंटेस्टेंट को हंसता दिखाई देगा।उन्होंने आगे कहा, अगर तुम बुरे हो तो बुराई दिखाओ और अगर तुम अच्छे हो तो अच्छाई दिखाओ। बस अपनी सच्चाई दिखाना। जितना मैं जानती हूं, वो गुस्से वाला बहुत है और हंसमुख भी है। वो मेरी तरह ही है। हम यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि वो कैसे वहां पर झगड़ा करेगा या फिर उन्हें हंसाएगा। हम बचपन में खूब लड़ते थे, मगर उन्हें सुलझा भी लेते थे। वो मेरी तरह नहीं है, वो कंटेस्टेंट को जवाब देता दिखाई देगा।शनिवार को जियो हॉटस्टार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस बात की जानकारी दी गई थी। इसके प्रोमो को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, आई है शहनाज लेकर एक नया ट्विस्ट, 'वीकेंड का वार' पर होगी एक नए वाइल्ड कार्ड की एंट्री।शहबाज को पहले 'बिग बॉस' के ग्रैंड प्रीमियर में शो में शामिल होना था, लेकिन वो वोटिंग प्रक्रिया में साथी प्रतियोगी मृदुल तिवारी से हार गए थे। अब फाइनली वो 'बिग बॉस' हाउस में बतौर कंटेस्टेंट जाने वाले हैं। वैसे इससे पहले शहबाज 'बिग बॉस 13' के दौरान घर में जा चुके हैं। उस समय वो 'फैमिली वीक स्पेशल' एपिसोड में बहन शहनाज को सपोर्ट करते दिखे थे।

स्क्रीन पर धोनी का बोल्ड एक्शन अवतार सस्पेंस से भरा टीजर आया सामने

रविवार की सुबह इससे ज्यादा हैरान करने वाली नहीं हो सकती! 7 सितंबर को, आर माधवन ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की, जिसे उन्होंने वासन बाला की फिल्म 'द चेज' का टीजर बताया और उसमें माधवन के साथ एमएस धोनी एक साथी टास्क फोर्स अधिकारी के रूप में नजर आ रहे थे। हालांकि, माधवन ने यह नहीं बताया कि यह फिल्म है, सीरीज है या कुछ और। अभी भी इसकी जानकारी गुप्त रखी गई है।

टीजर में, आर माधवन और धोनी टास्क फोर्स ऑफिसर के रूप में 'एक मिशन' पर निकले 'दो फाइटर' के रूप में नजर आ रहे थे। वे वर्दी में नजर आ रहे थे। क्लिप शेयर करते हुए, माधवन ने कैप्शन दिया, 'एक मिशन। दो लड़ाके। सीट बेल्ट लगा लो - एक जबरदस्त और धमाकेदार मिशन शुरू। द चेज टीजर अब रिलीज हो गया है। वासन बाला द्वारा निर्देशित। जल्द आ रहा है।इंस्टाग्राम पर शेयर होते ही यह वीडियो वायरल हो गया और लोगों ने कमेंट सेक्शन में ढेरों मैसेजेस भेजे। धोनी की बात करें तो उन्हें कई विज्ञापनों में देखा जा चुका है और इससे पहले उन्होंने तमिल फिल्म 'ऋज्ञढ' में भी कैमियो किया था। फैंस धोनी को इस अंदाज में देखकर जैसे पागल ही हो गए हैं। हर कोई बस उन्हीं की बात कर रहा है। मैडी और माही की जोड़ी को देखने के लिए हर कोई एक्साइटेड है। टीजर के कमेंट सेक्शन में केवल प्यार ही देखने को मिल रहा है।

इस बीच, आर माधवन अभिनय के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। हाल ही में, वह नेटफ्लिक्स पर फातिमा सना शेख के साथ 'आप जैसा कोई' में नजर आए थे। इस फिल्म में प्यार और समाज की बेड़ियों को बखूबी दिखाया गया है।

अहाना एस कुमरा पहली बार रियलिटी शो राइज एंड फॉल में नजर आएँगी

मैं देखना चाहती हूँ कि मैं कितनी डटी रह सकती हूँ

स्क्रीन पर अपनी एक्टिंग से पहचान बना चुकीं अहाना एस कुमरा अब एक नया कदम उठाने जा रही हैं। वे अपने पहले रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल से जुड़ रही हैं। लंबे समय से इस फॉर्मेट में आने का सही मौका तलाश रहीं अहाना अब इस नए सफर के लिए काफी उत्साहित हैं। इस शो के ज़रिए वे दर्शकों को अपना असली रूप दिखाना चाहती हैं और खुद को और अच्छे से जानना चाहती हैं।

जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने इस शो के लिए 'हाँ' क्यों कहा, तो अहाना ने बताया, कई सालों से मेकर्स के साथ खतरों के खिलाड़ी करने की बात हो रही थी। इस साल जब उन्होंने मुझसे संपर्क किया, तो मैं पूरी तरह तैयार थी, क्योंकि मुझे पता था कि इस बार मुझे यह करना है। मुझे एडवेंचर स्पोर्ट्स बहुत पसंद हैं और खतरों के खिलाड़ी इसके लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि इसमें एडवेंचर करते हुए आपको भुगतान भी मिलता है। लेकिन, इस साल खतरों के खिलाड़ी कैंसिल हो गया और इसके बाद अहाना राइज़ एंड फॉल तक पहुँचीं।

अहाना ने कहा, मुझे एक बार फिर उस ख्वाब को छोड़ना पड़ा। लेकिन जब उन्होंने राइज़ एंड फॉल के लिए कॉल किया, तो मुझे दिलचस्पी हुई। मुझे मेरे दोस्त (जो कास्टिंग डायरेक्टर भी हैं) का फोन आया और उन्होंने कहा कि टीम से मिल लो। जब मैं उनसे मिली तो बहुत अच्छा लगा, क्योंकि पहली बार यह शो भारत में हो रहा है और मेरे लिए भी यह पहला मौका है किसी रियलिटी शो का हिस्सा बनने का। शो का कैप्टिव फॉर्मेट अहाना को रोमांचित भी करता है और नर्वस भी। उन्होंने बताया, यह बहुत चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि मैं हमेशा दोस्तों और परिवार से जुड़ी रहती हूँ, बात करती हूँ और घर पर रहती हूँ। अब सब से पूरी तरह कट जाना मुश्किल होगा। मुझे देखना है कि मैं कितने समय तक डटी रह सकती हूँ और यही वजह है कि मैंने यह शो करने का फैसला किया। राइज़ एंड फॉल में कुल 16 कंटेस्टेंट होंगे, जिनमें अर्जुन बिजलानी, किकू शारदा, कुब्रा सैत, धनश्री वर्मा, अरबाज़ पटेल, आरुष भोला और नयनदीप रक्षित शामिल हैं। शो का प्रसारण 6 सितंबर से शुरू होगा और इसकी मेज़बानी शार्क टैंक फेम अशनीर ग्रोवर करेंगे।

अभिनेत्री मौनी रॉय ने किए पशुपतिनाथ के दर्शन

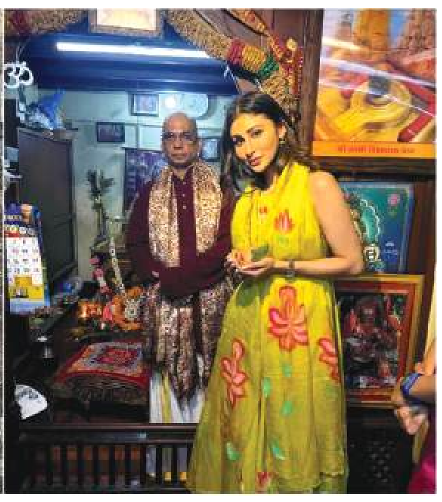

अभिनेत्री मौनी रॉय हाल ही में नेपाल गई थीं। यहां पर उन्होंने भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन किए। अपनी इस यात्रा की कुछ तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करते हुए मौनी रॉय ने लिखा, पशुपतिनाथ! ना सम्मान का मोह, ना अपमान का भय। आपके दर्शन कर मैं खुद को धन्य महसूस कर रही हूं। तस्वीरों में मौनी रॉय भगवान के दर्शन करने के बाद काठमांडू की गलियों में शॉपिंग भी करती दिखाई दीं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने अब चार ज्योतिर्लिंगों की यात्रा संपन्न कर ली है। इससे पहले मौनी रॉय ने दक्षिण भारतीय अंदाज में सज-धज कर ओणम सेलिब्रेट किया था। इसकी तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की थीं। तस्वीरों में वह सुनहरे बॉर्डर वाली क्लासिक सफेद साड़ी और स्लीवलेस ब्लाउज में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। फोटो में उन्हें पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेते हुए भी देखा गया। फोटो शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा था, 'ओणम की शुभकामनाएं।'

एक इंटरव्यू मेंअभिनेत्री ने कहा था, शुरुआत में मुझे लोग डेट के लिए पूछते दिखाई देते थे। मगर कुछ लोग मुझे बदनाम करने के लिए एआई के जरिए मेरे चेहरे को किसी गलत इंसान पर लगातार पोस्ट करते दिखे। यह मुझे बहुत घिनौना लगा। उनके बारे में, मैं बस यही सोचती हूं कि ये लोग इतने बुरे कैसे हो सकते हैं। इनकी सोच कैसी है? वे इससे क्या हासिल करना चाहते हैं? उनका उद्देश्य क्या है? क्योंकि आप बस लोगों के शाप इकट्ठा कर रहे हैं। जो ऐसा कर रहा है, उसके लिए कोई भी भला नहीं चाह सकता।

वर्क फ्रंट की बात करें तो, मौनी रॉय बहुत जल्द डेविड धवन की बहुप्रतीक्षित फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में दिखाई देंगी। इसमें उनके अलावा वरुण धवन, मृणाल ठाकुर, चंकी पांडे, पूजा हेगड़े, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, राकेश बेदी, और अली असगर जैसे सितारे भी हैं। कुछ समय पहले मौनी रॉय को सालाकार सीरीज में एक भारतीय महिला जासूस के रोल में देखा गया था।

आज से आश्विन मास का प्रारंभ

आश्विन महीना हिंदू कैलेंडर का सातवां महीना होता है। जो आमतौर पर सितंबर-अक्टूबर में आता है। धार्मिक दृष्टि से यह महीना बेहद खास माना गया है, क्योंकि इसमें देवी-देवताओं के साथ पितरों का आशीर्वाद पाने का विशेष अवसर भी मिलता है। इस महीने में पितृ पक्ष, शारदीय नवरात्रि और दशहरा जैसे महत्वपूर्ण त्योहार पड़ते। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल आश्विन महीना 8 सितंबर से शुरू हो रहा है और 7 अक्तूबर 2025 को समाप्त होगा। आश्विन माह का सनातन धर्म में बहुत महत्व है। इस महीने के कृष्ण पक्ष में पितरों को याद करके तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान किया जाता है। पितृपक्ष का आखिरी दिन सर्वपितृ अमावस्या होता है।, जिससे आश्विन अमावस्या के दिन पितृपक्ष समाप्त हो जाता है। हिंदू धर्म में आश्विन मास का विशेष महत्व है। धर्म शास्त्रों के अनुसार आश्विन मास का प्रत्येक दिन अपने आप में काफी विशेष होता है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि आश्विन मास में जहां 15 दिन पितृ पक्ष चलता है वहीं 9 दिन शारदीय नवरात्रि की धूम रहती है। इस माह में नवरात्रि, दशहरा जैसे कई पवित्र व्रत और त्यौहार आते हैं। इन व्रत त्योहारों में भक्त श्रद्धापूर्वक से पूजा और अर्चना करते हैं। इसके अलावा अपने पितरों की आत्मा की शांति और उनका आशीर्वाद पाने के लिए लोग कई तरह के उपाय इस माह में करते हैं। इस मास में मां दुर्गा को समर्पित है। इस महीने में देव पूजन भी किया जाता है। इस महीने से सूर्य देव धीरे-धीरे कमजोर होने लगते हैं।

अश्विन महीना

इस साल आश्विन महीना 8 सितंबर से शुरू हो रहा है और 7 अक्तूबर 2025 को समाप्त होगा। इस महीने में कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए और कुछ चीजों से परहेज करना भी जरूरी होता है।

आश्विन मास का महत्व

आश्विन मास में बहुत से विभिन्न त्योहार पड़ते हैं। इसकी शुरुआत श्राद्ध पक्ष से होती है। आश्विन मास के कृष्णपक्ष की प्रतिपदा से अमावस्या तक पितृपक्ष के दौरान पितरों के निमित्त श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। इससे प्रसन्न होकर पितर हम पर अपना आशीर्वाद प्रदान करते हैं। इसके साथ ही शारदीय नवरात्रि और दशहरा जैसे पर्व आते हैं।

आश्विन मास में दान करें

आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से लेकर नवमी तिथि तक शारदीय नवरात्र में कुंवारी कन्याओं को धन, वस्त्र, भोजन, फल, मिष्ठान आदि का दान देने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

पितृ पक्ष

पितृ पक्ष 08 सितंबर से लेकर 21 सितंबर तक है। इस दौरान रोजाना पितरों का तर्पण और पिंडदान किया जाएगा। वहीं, 21 सितंबर को सर्वपितृ तर्पण किया जाएगा। पितृ पक्ष के दौरान पितरों का तर्पण और पिंडदान करने से साधक पर पूर्वजों की कृपा बरसती है।

शारदीय नवरात्र

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल 22 सितंबर से शारदीय नवरात्र की शुरुआत हो रही है। वहीं, 02 अक्टूबर को विजयादशमी है। आसान शब्दों में कहें तो 22 सितंबर से लेकर 01 अक्टूबर तक शारदीय नवरात्र है। इसके अगले दिन दशहरा मनाया जाएगा। शारदीय नवरात्र के दौरान जगत की देवी मां दुर्गा की पूजा की जाती है।

आश्विन एकादशी

आश्विन माह में इंदिरा और पापाकुंशा एकादशी मनाई जाती है। इस साल 17 सितंबर को इंदिरा एकादशी मनाई जाएगी। वहीं, 02 अक्टूबर को दशहरा और पापाकुंशा एकादशी है। इस शुभ अवसर पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा की जाएगी। साथ ही लक्ष्मी नारायण जी के निमित्त व्रत रखा जाएगा।

क्या करें

आश्विन माह के दौरान किसी भी अन्य व्यक्ति के प्रति मन में बैर की भावना नहीं रखनी चाहिए और सभी के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। पूरे आश्विन मास के दौरान ध्यान रखना चाहिए कि आप कम से कम गुस्सा करें और मन को शांत रखें। इस दौरान दान करना शुभ माना जाता है. कहा जाता है कि जो व्यक्ति दान करता है, उसे पुण्य की प्राप्ति होती है. तिल और घी का दान करना चाहिए। आश्विन माह के दौरान घर की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस महीने में मां दुर्गा सप्तशती का पाठ करना बहुत ही शुभ होता है। इससे घर में खुशहाली आती है और दुर्गा की कृपा घर पर बनी रहती है।

क्या न करें

आश्विन महीने में शारदीय नवरात्रि का त्योहार भी पड़ता है, इसलिए इस समय मांस और मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दौरान दूध का सेवन करने और करेला खाने से परहेज करना चाहिए। लहसुन, प्याज, और सफेद तिल का सेवन नहीं करना चाहिए। इसके अलावा, लौकी, मूली और सरसों का साग नहीं खाना चाहिए. काला नमक, सत्तू, जीरा और मसूर की दाल खाने से बचना चाहिए। पूरे आश्विन माह में किसी भी तरह के विवाद, झगड़ा, मनमुटाव या तनाव से बचना चाहिए। इन बातों का पालन करने से आश्विन माह का महत्व और पुण्य प्राप्त होता है।

08 सितंबर 2025- पितृ पक्ष की प्रतिपदा तिथि का श्राद्ध किया जाएगा

10 सितंबर 2025- विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी

11 सितंबर 2025 - महा भरणी और पंचमी तिथि का श्राद्ध

12 सितंबर 2025- मासिक कार्तिगाई

14 सितंबर 2025 - जीवित्पुत्रिका व्रत और मासिक कृष्ण जन्माष्टमी

17 सितंबर 2025 - एकादशी श्राद्ध, इंदिरा एकादशी, कन्या संक्रांति और विश्वकर्मा पूजा

19 सितंबर 2025- मासिक शिवरात्रि और शुक्र प्रदोष व्रत

21 सितंबर 2025 - सर्वपितृ अमावस्या, दर्श अमावस्या और आश्विन अमावस्या

22 सितंबर 2025- शारदीय नवरात्रि शुरू, घटस्थापना और महाराजा अग्रसेन जयन्ती

25 सितंबर 2025 - विनायक चतुर्थी

27 सितंबर 2025 - संकंद षष्ठी

30 सितंबर 2025 - सरस्वती पूजा और मासिक दुर्गाष्टमी

1 अक्टूबर 2025 दुर्गा महा नवमी पूजा

2 अक्टूबर 2025 दुर्गा विसर्जन, दशहरा, शरद नवरात्रि पारणा

3 अक्टूबर 2025 पापांकुशा एकादशी

4 अक्टूबर 2025 प्रदोष व्रत (शुक्ल)

7 अक्टूबर 2025 अश्विन पूर्णिमा व्रत

श्राद्ध में करे गीता का पाठ... पितरों को मिलेगी शांति...

श्रद्धा से किया गया कर्म श्राद्ध कहलाता है। अपने पितरों के लिए श्रद्धा से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं। उन्हें तृप्त करने की क्रिया को तर्पण कहा जाता है। तर्पण करना ही पिंडदान करना है। भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन कृष्ण की अमावस्या तक कुल 16 दिन तक श्राद्ध रहते हैं। इन 16 दिनों के लिए हमारे पितृ सूक्ष्म रूप में हमारे घर में विराजमान होते हैं। साल 2025 में पितृ पक्ष 7 सितंबर से शुरू होंगे और इनका समापन 21 सितंबर 2025 को होगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पितृ पक्ष में मृत्यु की तिथि के अनुसार श्राद्ध किया जाता है। अगर किसी मृत व्यक्ति की तिथि ज्ञात न हो तो ऐसी स्थिति में अमावस्या तिथि पर श्राद्ध किया जाता है। इस दिन सर्वपितृ श्राद्ध योग माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि- विधान से पितर संबंधित कार्य करने से पितरों का आर्शावाद प्राप्त होता है। पितृ पक्ष की शुरुआत भाद्र मास में शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि से होती है। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि तक पितृ पक्ष रहता है। श्राद्ध में श्रीमद्भागवत गीता के सातवें अध्याय का माहात्म्य पढ़कर फिर पूरे अध्याय का पाठ करना चाहिए। इस पाठ का फल आत्मा को समर्पित करना चाहिए।

श्राद्धकर्म से पितृगण के साथ देवता भी तृप्त होते हैं। श्राद्ध-तर्पण हमारे पूर्वजों के प्रति हमारा सम्मान है। इसी से पितृ ऋण भी चुकता होता है। श्राद्ध के 16 दिनों में अष्टमुखी रुद्राक्ष धारण करें। इन दिनों में घर में 16 या 21 मोर के पंख अवश्य लाकर रखें। शिवलिंग पर जल मिश्रित दुग्ध अर्पित करें। घर में प्रतिदिन खीर बनाएं। भोजन में से सर्वप्रथम गाय, कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालें। माना जाता है कि यह सभी जीव यम के काफी निकट हैं। श्राद्ध पक्ष में व्यसनों से दूर रहें। पवित्र रहकर ही श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध पक्ष में शुभ कार्य भी वर्जित माने गए हैं। श्राद्ध का समय दोपहर में उपयुक्त माना गया है। रात्रि में श्राद्ध नहीं किया जाता। श्राद्ध के भोजन में बेसन का प्रयोग वर्जित है। श्राद्ध कर्म में लोहे या स्टील के पात्रों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। पितृदोष जब शांत हो जाता है तो स्वास्थ्य, परिवार और धन से जुड़ी बाधाएं भी दूर हो जाती हैं। शास्त्रों के अनुसार पितृगणों का श्राद्ध कर्म करने के लिए वर्ष में 96 अवसर मिलते हैं। साल के 12 माह में 12 अमावस्या तिथि को भी श्राद्ध किया जा सकता है। श्राद्ध कर्म करने से तीन पीढ़ियों के पूर्वजों को तर्पण किया जा सकता है। श्राद्ध तीन पीढ़ियों तक होता है। श्राद्ध पुत्र, पोता, भतीजा या भांजा करते हैं। जिनके घर में पुरुष सदस्य नहीं हैं, उनमें महिलाएं भी श्राद्ध कर सकती हैं। पितृ पक्ष में सभी तिथियों का अलग-अलग महत्व है। जिस व्यक्ति की मृत्यु जिस तिथि पर होती है, पितृ पक्ष में उसी तिथि पर श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। पूर्णिमा तिथि से पितृ पक्ष आरंभ होता है। प्रतिपदा तिथि पर नाना-नानी के परिवार में किसी की मृत्यु हुई हो और मृत्यु तिथि ज्ञात न हो तो उसका श्राद्ध प्रतिपदा पर किया जाता है। पंचमी तिथि पर अगर किसी अविवाहित व्यक्ति की मृत्यु हुई है तो उसका श्राद्ध इस तिथि पर करना चाहिए। अगर किसी महिला की मृत्यु हो गई है और मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं है तो उसका श्राद्ध नवमी तिथि पर किया जाता है। एकादशी पर मृत संन्यासियों का श्राद्ध किया जाता है। जिनकी मृत्यु किसी दुर्घटना में हो गई है, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि पर करना चाहिए। सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर ज्ञात-अज्ञात सभी पितरों के लिए श्राद्ध करना चाहिए। जिनकी अकाल मृत्यु हुई हो, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि को किया जाता है।

पितरों का कर्ज चुकाना एक जीवन में तो संभव ही नहीं, उनके द्वारा संसार त्याग कर चले जाने के बाद भी श्राद्ध करते रहने से उनका ऋण चुकाने की परंपरा है। इसमें जो षष्ठी तिथि को श्राद्धकर्म संपन्न करता है उसकी पूजा देवता भी करते हैं। पितृ पक्ष के दौरान दिवंगत पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध किया जाता है। मान्यता है कि अगर पितर नाराज हो जाएं तो व्यक्ति का जीवन भी खुशहाल नहीं रहता और उसे कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यही नहीं घर में अशांति फैलती है और व्यापार व गृहस्थी में भी हानि झेलनी पड़ती है। ऐसे में पितरों को तृप्त करना और उनकी आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में श्राद्ध करना जरूरी माना जाता है। श्राद्ध के जरिए पितरों की तृप्ति के लिए भोजन पहुंचाया जाता है और पिंड दान व तर्पण कर उनकी आत्मा की शांति की कामना की जाती है। श्राद्ध से जो भी कुछ देने का हम संकल्प लेते हैं, वह सब कुछ उन पूर्वजों को अवश्य प्राप्त होता है। जिस तिथि में जिस पूर्वज का स्वर्गवास हुआ हो उसी तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है जिनकी परलोक गमन की तिथि ज्ञान न हो, उन सबका श्राद्ध अमावस्या को किया जाता है।

एकादशी का श्राद्ध सर्वश्रेष्ठ दान- श्राद्ध न किया जाए तो पितर गृहस्थ को दारुण शाप देकर पितृलोक लौट जाते है। एकादशी का श्राद्ध सर्वश्रेष्ठ दान है। वह समस्त वेदों का ज्ञान प्राप्त कराता है। उसके सम्पूर्ण पापकर्मों का विनाश हो जाता है तथा उसे निरंतर ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। वहीं, द्वादशी तिथि के श्राद्ध से राष्ट्र का कल्याण तथा प्रचुर अन्न की प्राप्ति कही गई है। त्रयोदशी के श्राद्ध से संतति, बुद्धि, धारणाशक्ति, स्वतंत्रता, उत्तम पुष्टि, दीर्घायु तथा ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

दिन का महत्व- जो पूर्णमासी के दिन श्राद्ध आदि करता है उसकी बुद्धि, पुष्टि, स्मरणशक्ति, धारणाशक्ति, पुत्र-पौत्रादि एवं ऐश्वर्य की वृद्धि होती। वह पर्व का पूर्ण फल भोगता है। प्रतिपदा धन-सम्पत्ति के लिए होती है एवं श्राद्ध करने वाले की प्राप्त वस्तु नष्ट नहीं होती। जो सप्तमी को श्राद्ध आदि करता है उसको महान यज्ञों के पुण्य फल प्राप्त होते हैं। अष्टमी को श्राद्ध करने वाला सम्पूर्ण समृद्धियां प्राप्त करता है। नवमी को श्राद्ध करने से ऐश्वर्य एवं मन के अनुसार अनुकूल चलने वाली स्त्री को प्राप्त करता है। दशमी तिथि का श्रद्धा मनुष्य ब्रह्मत्व की लक्ष्मी प्राप्त कराता है।

ऐसे करें श्राद्ध -✻ श्राद्ध करने के लिए किसी ब्राह्मण को आमंत्रित करें, भोज कराएं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार दक्षिणा भी दें।

✻ श्राद्ध के दिन अपनी सामर्थ्य या इच्छानुसार खाना बनाएं।

✻ आप जिस व्यक्ति का श्राद्ध कर रहे हैं उसकी पसंद के मुताबिक खाना बनाएं जो उचित रहेगा।

✻ मान्यता है कि श्राद्ध के दिन स्मरण करने से पितर घर आते हैं और अपनी पसंद का भोजन कर तृप्त हो जाते हैं।

✻ खाने में लहसुन-प्याज का इस्तेमाल न करें।

✻ शास्त्रों में पांच तरह की बलि (पांच अंश) बताई गई हैं: गौ (गाय) बलि, श्वान (कुत्ता) बलि, काक (कौवा) बलि, देवादि बलि, पिपीलिका (चींटी) बलि।

श्राद्ध विधि – पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्राद्ध करने की भी विधि होती है। यदि पूरे विधि विधान से श्राद्ध कर्म न किया जाए तो मान्यता है कि वह श्राद्ध कर्म निष्फल होता है और पूर्वजों की आत्मा अतृप्त ही रहती है। शास्त्रसम्मत मान्यता यही है कि किसी सुयोग्य विद्वान ब्राह्मण के जरिए ही श्राद्ध कर्म (पिंड दान, तर्पण) करवाना चाहिए। श्राद्ध कर्म में पूरी श्रद्धा से ब्राह्मणों को तो दान दिया ही जाता है साथ ही यदि किसी गरीब, जरूरतमंद की सहायता भी आप कर सकें तो बहुत पुण्य मिलता है। इसके साथ-साथ गाय, कुत्ते, कौवे आदि पशु-पक्षियों के लिए भी भोजन का एक अंश जरूर डालना चाहिए।

श्राद्ध करने के लिए सबसे पहले जिसके लिए श्राद्ध करना है उसकी तिथि का ज्ञान होना जरूरी है। जिस तिथि को मृत्यु हुई हो उसी तिथि को श्राद्ध करना चाहिए। लेकिन कभी-कभी ऐसी स्थिति होती है कि हमें तिथि पता नहीं होती तो ऐसे में आश्विन अमावस्या का दिन श्राद्ध कर्म के लिए श्रेष्ठ होता है क्योंकि इस दिन सर्वपितृ श्राद्ध योग माना जाता है। दूसरी बात यह भी महत्वपूर्ण है कि श्राद्ध करवाया कहां पर जा रहा है। यदि संभव हो तो गंगा नदी के किनारे पर श्राद्ध कर्म करवाना चाहिए। यदि यह संभव न हो तो घर पर भी इसे किया जा सकता है। जिस दिन श्राद्ध हो उस दिन ब्राह्मणों को भोज करवाना चाहिए.भोजन के बाद दान दक्षिणा देकर भी उन्हें संतुष्ट करें।

श्राद्ध पूजा दोपहर के समय शुरू करनी चाहिए. योग्य ब्राह्मण की सहायता से मंत्रोच्चारण करें और पूजा के पश्चात जल से तर्पण करें। इसके बाद जो भोग लगाया जा रहा है उसमें से गाय, कुत्ते, कौवे आदि का हिस्सा अलग कर देना चाहिए। इन्हें भोजन डालते समय अपने पितरों का स्मरण करना चाहिए. मन ही मन उनसे श्राद्ध ग्रहण करने का निवेदन करना चाहिए।

इन पांच जीवों का ही चुनाव क्यों किया गया है

पितृपक्ष शुरू हो चुके है और ऐसा माना जाता है कि इस दौरान हमारे पितर धरती पर आकर हमें आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हमारे पितृ पशु पक्षियों के माध्यम से हमारे निकट आते हैं और गाय, कुत्ता, कौवा और चींटी के माध्यम से पितृ आहार ग्रहण करते हैं।

श्राद्ध के समय पितरों के लिए भी आहार का एक अंश निकाला जाता है, तभी श्राद्ध कर्म पूरा होता है। श्राद्ध करते समय पितरों को अर्पित करने वाले भोजन के पांच अंश निकाले जाते हैं गाय, कुत्ता, चींटी, कौवा और देवताओं के लिए। कुत्ता जल तत्त्व का प्रतीक है, चींटी अग्नि तत्व का, कौवा वायु तत्व का, गाय पृथ्वी तत्व का और देवता आकाश तत्व का प्रतीक हैं। इस प्रकार इन पांचों को आहार देकर हम पंच तत्वों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।. केवल गाय में ही एक साथ पांच तत्व पाए जाते हैं। इसलिए पितृ पक्ष में गाय की सेवा विशेष फलदाई होती है।

कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी

पितरों को खुश रहने के लिए श्राद्ध के दिनों में विशेष कार्य करना चाहिए वही इस दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है।

✻ श्राद्ध करने के लिए ब्रह्मवैवर्त पुराण जैसे शास्त्रों में बताया गया है कि दिवंगत पितरों के परिवार में या तो ज्येष्ठ पुत्र या कनिष्ठ पुत्र और अगर पुत्र न हो तो नाती, भतीजा, भांजा या शिष्य ही तिलांजलि और पिंडदान देने के पात्र होते हैं।

✻ पितरों के निमित्त सारी क्रियाएं गले में दाये कंधे मे जनेउ डाल कर और दक्षिण की ओर मुख करके की जाती है।

✻ कई ऐसे पितर भी होते है जिनके पुत्र संतान नहीं होती है या फिर जो संतान हीन होते हैं। ऐसे पितरों के प्रति आदर पूर्वक अगर उनके भाई भतीजे, भांजे या अन्य चाचा ताउ के परिवार के पुरूष सदस्य पितृपक्ष में श्रद्धापूर्वक व्रत रखकर पिंडदान, अन्नदान और वस्त्रदान करके ब्राह्मणों से विधिपूर्वक श्राद्ध कराते है तो पितर की आत्मा को मोक्ष मिलता है।

✻ श्राद्ध के दिन लहसुन, प्याज रहित सात्विक भोजन ही घर की रसोई में बनना चाहिए। जिसमें उड़द की दाल, बडे, चावल, दूध, घी से बने पकवान, खीर, मौसमी सब्जी जैसे तोरई, लौकी, सीतफल, भिण्डी कच्चे केले की सब्जी ही भोजन में मान्य है। आलू, मूली, बैंगन, अरबी तथा जमीन के नीचे पैदा होने वाली सब्जियां पितरों को नहीं चढ़ती है।

✻ श्राद्ध का समय हमेशा जब सूर्य की छाया पैरो पर पड़ने लग जाए यानी दोपहर के बाद ही शास्त्र सम्मत है। सुबह-सुबह अथवा 12 बजे से पहले किया गया श्राद्ध पितरों तक नहीं पहुंचता है।

पितरों के लिए श्रद्धा एवं कृतज्ञता प्रकट करने वाले को कोई निमित्त बनाना पड़ता है। यह निमित्त है श्राद्ध। पितरों के लिए कृतज्ञता के इन भावों को स्थिर रखना हमारी संस्कृति की महानता को प्रकट करता है। देवस्मृति के अनुसार श्राद्ध करने की इच्छा करने वाला व्यक्ति परम सौभाग्य पाता है।

श्राद्ध कर्म में पितरों के लिए करें शुभ काम

पितृ पक्ष शुरू हो गया है और ये 21 सितंबर तक रहेगा। पितृ पक्ष का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। पितृ पक्ष में पितरों का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पूजन किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों के प्रति आदर-भाव प्रकट किा जाता है। पितृ पक्ष या श्राद्ध करीब 16 दिनों के होते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि साल 2025 में पितृ पक्ष 7 सितंबर से शुरू होंगे और इनका समापन 21 सितंबर 2025 को होगा। पितृ पक्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से शुरू होते हैं और आश्विन मास की अमावस्या को समापन होता है। शास्त्रों अनुसार श्राद्ध पक्ष भाद्रमास की पूर्णिमा से आरंभ होकर आश्विन मास की अमावस्या तक चलते हैं। मान्यता है कि मृत्यु के देवता यमराज श्राद्ध पक्ष में पितरों को मुक्त कर देते हैं, ताकि वे स्वजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। मान्यता है कि पितृ पक्ष में पूजा करने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

गरुड़ पुराण में भगवान विष्णु ने गरुड़ देव को पितृ पक्ष का महत्व बताया था। महाभारत के अनुशासन पर्व में भीष्म पितामह और युधिष्ठिर के संवाद बताए गए हैं। इन संवादों में भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को बताया था कि श्राद्ध कर्म की शुरुआत कैसे हुई? भीष्म पितामह ने बताया था कि प्राचीन समय में सबसे पहले महर्षि निमि को अत्रि मुनि ने श्राद्ध का ज्ञान दिया था। इसके बाद निमि ऋषि ने श्राद्ध किया और उनके बाद अन्य ऋषियों ने भी श्राद्ध कर्म शुरू कर दिए। इसके बाद श्राद्ध कर्म करने की परंपरा प्रचलित हो गई।

श्राद्ध, पिंडदान और तर्पण का अर्थ

पितृ पक्ष में घर-परिवार के मृत पूर्वजों को श्रद्धा से याद किया जाता है, इसे ही श्राद्ध कहा जाता है। पिंडदान करने का मतलब ये है कि हम पितरों के लिए भोजन दान कर रहे हैं। तर्पण करने का अर्थ यह है कि हम जल का दान कर रहे हैं। इस तरह पितृ पक्ष में इन तीनों कामों का महत्व है। पितृ पक्ष में किसी गौशाला में गायों के लिए हरी घास और उनकी देखभाल के लिए धन का दान करना चाहिए। किसी तालाब में मछलियों को आटे की गोलियां बनाकर खिलाएं। घर के आसपास कुत्तों को भी रोटी खिलानी चाहिए। इनके साथ ही कौओं के लिए भी घर की छत पर भोजन रखना चाहिए। जरूरतमंद लोगों को भोजन खिलाएं। किसी मंदिर में पूजन सामग्री भेंट करें। इन दिनों भागवत गीता का पाठ करना चाहिए।

भोजन के पांच अंश

पितृपक्ष शुरू हो चुके है और ऐसा माना जाता है कि इस दौरान हमारे पितर धरती पर आकर हमें आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हमारे पितृ पशु पक्षियों के माध्यम से हमारे निकट आते हैं और गाय, कुत्ता, कौवा और चींटी के माध्यम से पितृ आहार ग्रहण करते हैं।

श्राद्ध के समय पितरों के लिए भी आहार का एक अंश निकाला जाता है, तभी श्राद्ध कर्म पूरा होता है। श्राद्ध करते समय पितरों को अर्पित करने वाले भोजन के पांच अंश निकाले जाते हैं गाय, कुत्ता, चींटी, कौवा और देवताओं के लिए।

कुत्ता जल तत्त्व का प्रतीक है, चींटी अग्नि तत्व का, कौवा वायु तत्व का, गाय पृथ्वी तत्व का और देवता आकाश तत्व का प्रतीक हैं। इस प्रकार इन पांचों को आहार देकर हम पंच तत्वों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। केवल गाय में ही एक साथ पांच तत्व पाए जाते हैं। इसलिए पितृ पक्ष में गाय की सेवा विशेष फलदाई होती है।

इन वस्तुओ का करे दान

✻ गाय का दान- धार्मिक दृष्टि से गाय का दान सभी दानों में श्रेष्ठ माना जाता है, लेकिन श्राद्ध पक्ष में किया गया गाय का दान हर सुख और धन-संपत्ति देने वाला माना गया है।

✻ तिल का दान- श्राद्ध के हर कर्म में तिल का महत्व है। इसी तरह श्राद्ध में दान की दृष्टि से काले तिलों का दान संकट, विपदाओं से रक्षा करता है।

✻ घी का दान- श्राद्ध में गाय का घी एक पात्र (बर्तन) में रखकर दान करना परिवार के लिए शुभ और मंगलकारी माना जाता है।

✻ अनाज का दान- अन्नदान में गेहूं, चावल का दान करना चाहिए। इनके अभाव में कोई दूसरा अनाज भी दान किया जा सकता है। यह दान संकल्प सहित करने पर मनोवांछित फल देता है।

✻ भूमि दान- अगर आप आर्थिक रूप से संपन्न हैं तो श्राद्ध पक्ष में किसी कमजोर या गरीब व्यक्ति को भूमि का दान आपको संपत्ति और संतान लाभ देता है। किंतु अगर यह संभव न हो तो भूमि के स्थान पर मिट्टी के कुछ ढेले दान करने के लिए थाली में रखकर किसी ब्राह्मण को दान कर सकते हैं।

✻ वस्त्रों का दान- इस दान में धोती और दुपट्टा सहित दो वस्त्रों के दान का महत्व है। यह वस्त्र नए और स्वच्छ होना चाहिए।

✻ सोने का दान- सोने का दान कलह का नाश करता है। किंतु अगर सोने का दान संभव न हो तो सोने के दान के निमित्त यथाशक्ति धन दान भी कर सकते हैं।

✻ चांदी का दान- पितरों के आशीर्वाद और संतुष्टि के लिए चांदी का दान बहुत प्रभावकारी माना गया है।

✻ गुड़ का दान- गुड़ का दान पूर्वजों के आशीर्वाद से कलह और दरिद्रता का नाश कर धन और सुख देने वाला माना गया है।

✻ नमक का दान- पितरों की प्रसन्नता के लिए नमक का दान बहुत महत्व रखता है।

संपादकीय

राहतकारी जीएसटी

जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद घोषित जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू करने करने की घोषणा की गई है। जिसमें अब 12 व 28 फीसदी के दो स्लैब को खत्म करके सिर्फ 5 व 18 फीसदी कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि यह सरकार की ओर से आर्थिक सुधारों की कड़ी में एक नई पहल है, जिससे जीएसटी को तार्किक बनाने व आम जनता को महंगाई से राहत देने का प्रयास है। वहीं दूसरी ओर विलासिता आदि वस्तुओं के लिये चालीस फीसदी का एक नया स्लैब जोड़ा गया है। विपक्ष इसे देर से उठाया गया कदम बता रहा है, तो सरकार आर्थिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम। वहीं कुछ अर्थशास्त्री इस कदम को ट्रंप के टैरिफ वॉर के परिप्रेक्ष्य में उठाया गया सुरक्षात्मक कदम मानते हैं। जिससे घरेलू खपत को बढ़ाकर निर्यात घाटे को कम किया जा सके। वहीं कुछ लोग इसे नवरात्र में दिवाली से पहले सरकार का तोहफा बता रहे हैं। माना जा रहा है कि सरकार की सोच है कि आर्थिक सुधारों के जरिये घरेलू उपभोग व निवेश को बढ़ाया जाए। निस्संदेह, इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा। यही वजह है कि कुछ अर्थशास्त्री जीएसटी दरों को घटाने को साहसी व दूरदर्शी कदम बताते हैं, जो उपभोक्ता के उपभोग को बढ़ाएगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने एक जुलाई 2017 को पूरे देश में जीएसटी लागू किया था। उसके बाद समय-समय पर विभिन्न उत्पादों की दरों में परिवर्तन किए जाते रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद विपक्षी दलों द्वारा शासित सरकारें कई उत्पादों पर जीएसटी दरें तार्किक बनाने की मांग करती रही हैं। जिसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी दर घटाने की मांग की थी। इतना ही नहीं, कुछ उद्योगों, विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों व जन-स्वास्थ्य से जुड़ी वस्तुओं के उत्पादकों द्वारा जीएसटी कम करने की मांग की जाती रही है। इसी तरह किसान संगठन भी कृषि उत्पादों पर कर कम करने की मांग करते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जीएसटी दरों में बदलाव की टाइमिंग को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। उनका मानना है कि इसकी पृष्ठभूमि में ट्रंप के टैरिफों को कम करने की कवायद भी है ताकि घरेलू उपभोग बढ़ाया जा सके और सस्ते निर्यात को बढ़ावा मिल सके। कालांतर इससे देश की अर्थव्यवस्था को गति मिल सकेगी। इसका संकेत प्रधानमंत्री ने पंद्रह अगस्त को लाल किले से संबोधन में भी दिया था। वहीं आगामी वर्ष मार्च में राज्यों को राहत देने वाले कम्पंसेशन सेस की समाप्ति से पहले राज्यों को राहत देने के लिये भी यह कदम उठाया गया हो सकता है। निस्संदेह, इस कदम से सरकारी खजाने में जीएसटी कम आएगा, लेकिन आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि विलासिता की वस्तुओं पर चालीस फीसदी का जीएसटी सरकार के घाटे की पूर्ति में किसी हद तक मदद करेगा। फिर भी कहा जा रहा है कि सरकार को अड़तालीस हजार करोड़ का नुकसान हो सकता है, लेकिन चीजें सस्ती होने पर उपभोग वृद्धि से सरकार को राहत मिल सकती है। वहीं कहा जा रहा है कि असंगठित क्षेत्र को जीएसटी कटौती दर का लाभ नहीं मिलेगा। अर्थशास्त्री लंबे समय से मांग करते रहे हैं कि देश में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले असंगठित क्षेत्र को आर्थिक सुधारों का लाभ दिया जाना चाहिए। बहरहाल, इतना तय है कि जीएसटी दरों में कमी से उपभोक्ता मांग में वृद्धि होगी तो अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। आम आदमी कम पैसे में ज्यादा सामान खरीद पाएगा। वैसे यहां यह बात महत्वपूर्ण है कि इस बदलाव से वास्तव में आम उपभोक्ता को कितना फायदा होता है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उद्योग कर कटौती का लाभ उपभोक्ता तक कैसे पहुंचाते हैं। साथ ही नियामक कितनी सतर्कता से अनुपालन सुनिश्चित करते हैं। निस्संदेह यह सही दिशा में उठाया गया एक कदम है। लेकिन यह कितना लाभ आम आदमी को पहुंचाएगा, इस बात पर निर्भर करेगा कि सुधार को कितनी निरंतरता और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाता है।

सरकार की ओर से आर्थिक सुधारों की कड़ी में एक नई पहल है, जिससे जीएसटी को तार्किक बनाने व आम जनता को महंगाई से राहत देने का प्रयास है। वहीं दूसरी ओर विलासिता आदि वस्तुओं के लिये चालीस फीसदी का एक नया स्लैब जोड़ा गया है। विपक्ष इसे देर से उठाया गया कदम बता रहा है, तो सरकार आर्थिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम। वहीं कुछ अर्थशास्त्री इस कदम को ट्रंप के टैरिफ वॉर के परिप्रेक्ष्य में उठाया गया सुरक्षात्मक कदम मानते हैं। जिससे घरेलू खपत को बढ़ाकर निर्यात घाटे को कम किया जा सके। वहीं कुछ लोग इसे नवरात्र में दिवाली से पहले सरकार का तोहफा बता रहे हैं। माना जा रहा है कि सरकार की सोच है कि आर्थिक सुधारों के जरिये घरेलू उपभोग व निवेश को बढ़ाया जाए। निस्संदेह, इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा। यही वजह है कि कुछ अर्थशास्त्री जीएसटी दरों को घटाने को साहसी व दूरदर्शी कदम बताते हैं, जो उपभोक्ता के उपभोग को बढ़ाएगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने एक जुलाई 2017 को पूरे देश में जीएसटी लागू किया था। उसके बाद समय-समय पर विभिन्न उत्पादों की दरों में परिवर्तन किए जाते रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद विपक्षी दलों द्वारा शासित सरकारें कई उत्पादों पर जीएसटी दरें तार्किक बनाने की मांग करती रही हैं। जिसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी दर घटाने की मांग की थी। इतना ही नहीं, कुछ उद्योगों, विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों व जन-स्वास्थ्य से जुड़ी वस्तुओं के उत्पादकों द्वारा जीएसटी कम करने की मांग की जाती रही है।

तकनीक और सोशल मीडिया ने पूरी तस्वीर उलट दी

रील्स की दुनिया और गुम होते सामाजिक आदर्श

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज वही जगह सोशल मीडिया के "वायरल सितारों" ने ले ली है। लाखों फॉलोअर्स और लाइक्स वाले ब्लॉगर और रील-निर्माता युवाओं के नए रोल मॉडल बन बैठे हैं। मनोरंजन के नाम पर यह संस्कृति असली आदर्शों को धुंधला कर रही है। सवाल यही है कि क्या हमारी अगली पीढ़ी त्याग और संघर्ष की विरासत को याद रखेगी या सिर्फ़ ट्रेंडिंग वीडियो तक सीमित रह जाएगी? कभी इस देश की आत्मा अपने महापुरुषों के विचारों और संघर्षों में बसती थी। हमारे आदर्श थे महात्मा गांधी, जिन्होंने सत्य और अहिंसा से साम्राज्य को हिला दिया। भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद, जिन्होंने प्राणों की आहुति देकर युवाओं को साहस और बलिदान का संदेश दिया।

भारत की सामाजिक चेतना कभी गांधी, नेहरू, भगत सिंह, अंबेडकर और सुभाष जैसे महापुरुषों की कहानियों से गढ़ी जाती थी। आज वही जगह सोशल मीडिया के "वायरल सितारों" ने ले ली है। लाखों फॉलोअर्स और लाइक्स वाले ब्लॉगर और रील-निर्माता युवाओं के नए रोल मॉडल बन बैठे हैं। मनोरंजन के नाम पर यह संस्कृति असली आदर्शों को धुंधला कर रही है। सवाल यही है कि क्या हमारी अगली पीढ़ी त्याग और संघर्ष की विरासत को याद रखेगी या सिर्फ़ ट्रेंडिंग वीडियो तक सीमित रह जाएगी? कभी इस देश की आत्मा अपने महापुरुषों के विचारों और संघर्षों में बसती थी। हमारे आदर्श थे महात्मा गांधी, जिन्होंने सत्य और अहिंसा से साम्राज्य को हिला दिया। भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद, जिन्होंने प्राणों की आहुति देकर युवाओं को साहस और बलिदान का संदेश दिया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस, जिनकी गूंज आज भी तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा में सुनाई देती है। डॉ. भीमराव अंबेडकर, जिन्होंने आधुनिक भारत के संविधान की नींव रखी। चौधरी छोटूराम, जिन्होंने किसानों और मजदूरों की आवाज़ बुलंद की और समाज में न्याय की लड़ाई लड़ी। यह वे लोग थे जो संघर्ष, त्याग और विचारशीलता के प्रतीक बने। गाँव की चौपाल से लेकर शहर की बैठकों तक, हर सभा और हर संस्थान में इन्हीं महापुरुषों की तस्वीरें लगती थीं। बच्चे इन्हीं के किस्से सुनकर बड़े होते थे। समाज में जो भी व्यक्ति आगे बढ़ना चाहता, वह इन आदर्शों से प्रेरणा लेता। त्याग, अनुशासन, साहस और समाजसेवा रोल मॉडल की परिभाषा हुआ करती थी। रोल मॉडल होना मतलब था दूसरों को प्रेरित करना, समाज को दिशा देना और भविष्य की पीढ़ी को ऊँचाइयों तक पहुँचाना। समय बदल गया। तकनीक और सोशल मीडिया ने पूरी तस्वीर उलट दी। अब रोल मॉडल का अर्थ समाज में गहरी छाप छोड़ने वाला महापुरुष नहीं, बल्कि वह व्यक्ति हो गया है जो कैमरे पर सबसे ज़्यादा शोर मचाए, जो सबसे अजीब हरकतें करे और जिसकी वीडियो सबसे ज़्यादा ₹वायरल₹ हो जाए। आज जिनके नाम युवा जुबान पर हैं, वे न तो किसी आंदोलन के नायक हैं

और न ही किसी बड़े विचारधारा के संवाहक। वे हैं ₹गंवार फैमिली ब्लॉगर₹, ₹टिंकू सूटों आली₹, ₹ढिमाकाणा सिंह कूल्हे मटकाण आला₹ जैसे किरदार, जो केवल हंसी-मज़ाक, तड़क-भड़क या दिखावे के दम पर मशहूर हो गए। विडंबना यह है कि लोग इन्हें देखकर अपना समय, ऊर्जा और कभी-कभी अपनी सोच भी खर्च कर देते हैं। गाँव-गाँव और गली-गली में आज बच्चे और युवा इन्हीं यूट्यूब चैनलों, टिकटॉक-स्टाइल रीलों और इंस्टाग्राम लाइव वालों को अपने आदर्श मानने लगे हैं। जहाँ पहले बच्चे कहते थे कि वे बड़े होकर भगत सिंह या अंबेडकर जैसे बनना चाहते हैं, वहीं अब बहुत से बच्चे कहते मिलेंगे कि वे ₹यूट्यूबर₹, ₹ब्लॉगर₹ या ₹इंफ्लुएंसर₹ बनना चाहते हैं। सोशल मीडिया का यह चलन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। यह धीरे-धीरे हमारे समाज की सोच और संस्कारों को प्रभावित कर रहा है। जब कोई महिला सिर्फ़ ध्यान खींचने के लिए अपने निजी रिश्तों को पब्लिक प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित करती है, जब पति-पत्नी की नोंकझोंक मनोरंजन बन जाती है, जब ₹लुगाई लुगाई को अपणा खसम बताण लागी₹ जैसी बातें ट्रेंड करने लगती हैं, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे समाज का एक बड़ा हिस्सा मनोरंजन और मज़ाक के नाम पर गंभीर मूल्यों से दूर होता जा रहा है। यह बदलाव खतरनाक इसलिए है क्योंकि समाज वही बनता है जैसा वह अपने आदर्श चुनता है। अगर रोल मॉडल ऐसे लोग होंगे जो सिर्फ़ ताली और व्यूज़ के लिए अजीबोगरीब हरकतें करते हैं, तो आने वाली पीढ़ी त्याग और संघर्ष की जगह केवल सस्ते लोकप्रियता के रास्ते तलाशेगी। असली मेहनत, पढ़ाई, चिंतन और सामाजिक योगदान हाशिए पर चला जाएगा। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि इस ट्रेंड का एक आर्थिक पहलू भी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने लोकप्रियता को सीधा पैसे से जोड़ दिया है। जिसके वीडियो ज़्यादा चलेंगे, वह कमाई भी ज़्यादा करेगा। इस कारण लाखों युवा बिना सोचे-समझे इसी राह पर दौड़ पड़े हैं। वे समझते हैं कि समाज की सेवा करने से ज़्यादा फायदेमंद है एक मज़ाकिया वीडियो बनाना। यही कारण है कि महापुरुषों की जीवनी पढ़ने वाले युवाओं की संख्या घटती जा रही है, जबकि ₹कंटेंट क्रिएटर₹ बनने वाले युवाओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। लेकिन क्या यह स्थिति स्थायी है? क्या सचमुच समाज आदर्शों से इतनी जल्दी विमुख हो जाएगा? इसका उत्तर इतना सरल नहीं है। इतिहास गवाह है कि हर समाज में एक समय ऐसा आता है जब मूल्य खोखले लगने लगते हैं और दिखावा ज़्यादा प्रभावी हो जाता है। अंततः वही समाज आगे बढ़ता है जो अपने सच्चे आदर्शों को याद रखता है। भारत जैसे देश में, जिसकी आत्मा स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक न्याय की लड़ाई से गढ़ी गई है, वहाँ के लोग सदा के लिए महापुरुषों को भूल नहीं सकते। ज़रूरत है एक संतुलन बनाने की। मनोरंजन और तकनीक जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन इन्हें आदर्श नहीं बनाया जा सकता। रोल मॉडल वही हो सकते हैं जो समाज को आगे ले जाएँ, जो इंसानों में विश्वास और प्रेरणा जगाएँ, जो भविष्य की पीढ़ी को त्याग, साहस और सेवा का रास्ता दिखाएँ। आज भी ऐसे लोग हमारे बीच मौजूद हैं- वैज्ञानिक, शिक्षक, किसान, सैनिक, डॉक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता- जो चुपचाप अपनी मेहनत और ईमानदारी से देश को आगे बढ़ा रहे हैं। समाज को चाहिए कि वह इनकी कहानियों को बच्चों और युवाओं तक पहुँचाए। मीडिया और शिक्षा जगत की भी जिम्मेदारी है कि वे केवल सस्ते मनोरंजन को मंच न दें, बल्कि असली नायकों की गाथाएँ उजागर करें। स्कूलों और कॉलेजों में महापुरुषों की जीवनी को फिर से पढ़ाया जाए, स्थानीय स्तर पर समाज सेवियों और कर्मठ लोगों को सामने लाया जाए। तभी हम उस खोए हुए संतुलन को वापस पा सकेंगे जहाँ मनोरंजन अपने स्थान पर रहे और आदर्श अपने स्थान पर। आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं और अपने पूर्वजों की विरासत को याद करते हैं, तो साफ़ दिखता है कि हमें जिन महापुरुषों ने यह देश और समाज दिया, वे किसी रील, किसी ट्रेंड और किसी तात्कालिक लोकप्रियता का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने कठिन रास्ता चुना, संघर्ष किया और अपने जीवन को समाज और राष्ट्र के नाम कर दिया। उनकी तुलना में आज के ₹ट्रेंडिंग सितारे₹ बहुत हल्के और अस्थायी हैं। समाज को यह समझना होगा कि रोल मॉडल केवल वे नहीं होते जिनके लाखों फॉलोअर्स हों, बल्कि वे होते हैं जो अपने जीवन से, अपने विचारों से और अपने संघर्ष से दूसरों को सही दिशा दिखाते हैं। अगर हम इसे समझ पाएँ, तो शायद फिर से हमारी अगली पीढ़ी भगत सिंह, अंबेडकर और छोटूराम जैसे आदर्शों को अपना मार्गदर्शक बनाएगी, न कि ₹कूल्हे मटकाण₹ वाले किसी ब्लॉगर को।

देश दुनिया से

अंकल जज सिंड्रोम में फंसी न्यायपालिका

ऐसी चर्चा है कि सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने बांबे हाईकोर्ट के लिए पिछले सप्ताह 14 वकीलों के नाम को हरी झंडी दी है, इसमें मौजूदा मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई के भतीजे राज दामोदर वाकोडे भी शामिल हैं। यही नहीं रंजीत सिंह भौंसले और मेहरोज अशरफ खान पठान भी जज के रुप में नियुक्ति की सिफारिश पाने वाले वकीलों में शामिल हैं। भौंसले के पिता बैरिस्टर राजा भौंसले महाराष्ट्र में एडवोकेट जनरल और बॉम्बे हाईकोर्ट में जज रह चुके हैं। खास बात यह है कि मौजूदा मुख्य न्यायाधीश इन्हीं राजा भौंसले के साथ जूनियर के रूप में काम कर चुके हैं। अशरफ पठान मुंबई में मुख्य न्यायाधीश श्री गवई के जूनियर के रूप में नामांकित रहे हैं। इन सिफारिश का विस्तृत ब्यौरा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। सवाल मुख्य न्यायाधीश के रिश्तेदार और जूनियर, सीनियर का नहीं है बल्कि भारतीय न्यायपालिका के शीर्ष पर नैतिकता से जुड़ा है ।जस्टिस गवई अकेले जज नहीं हैं, जिनके सगे-सबन्धियों को हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति मिल रही हो। स्वाधीनता के बाद से ही हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्तियों को लेकर सवाल उठते रहे हैं। संविधान से इतर मौजूदा कोलेजियम व्यवस्था की तो सर्वाधिक तीखी आलोचना भी होती है। मौजूदा सरकार ने जज चयन के लिए नया कानून भी बनाया था लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे नहीं माना। कोलेजियम का एक दूसरा निर्णय भी इन दिनों चर्चा में हैं। पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विपुल एम पंचोली को सुप्रीम कोर्ट के लिए पदोन्नति दी गई है। कोलेजियम समिति में सदस्य जस्टिस बीवी नागरत्ना इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने जस्टिस पंचोली की वरिष्ठता पर सवाल उठाए हैं ।जस्टिस नागरत्ना के अनुसार जस्टिस पांचोली देश के अलग-अलग हाईकोर्ट की समेकित वरिष्ठता सूची में 57 वे नंबर पर हैं, उनसे वरिष्ठ जज सुप्रीम कोर्ट की पदोन्नति के लिए उपलब्ध हैं। इसके अलावा जस्टिस नागरत्ना गुजरात मूल का मुद्दा भी उठा रही हैं, उनकी आपत्ति है कि विपुल पांचोली के सुप्रीम कोर्ट आने से गुजरात के तीन जज हो जायेंगे। जस्टिस नागरत्ना ने अपने असहमति पत्र में लिखा है कि जस्टिस पांचोली की पदोन्नति प्रशासन के प्रतिकूल है बल्कि कॉलेजियम प्रणाली की विश्वसनीयता को भी खतरे में डालेगी। कोलेजियम ने 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के लिए जस्टिस आलोक आराधे और विपुल पांचोली को सुप्रीम कोर्ट के लिए पदोन्नत किया है। इस निर्णय को करने वाली समिति में बीवी नागरत्ना के अलावा मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, जस्टिस सूर्यकान्त, जस्टिस विक्रम नाथ एवं

सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने बांबे हाईकोर्ट के लिए पिछले सप्ताह 14 वकीलों के नाम को हरी झंडी दी है, इसमें मौजूदा मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई के भतीजे राज दामोदर वाकोडे भी शामिल हैं। यही नहीं रंजीत सिंह भौंसले और मेहरोज अशरफ खान पठान भी जज के रुप में नियुक्ति की सिफारिश पाने वाले वकीलों में शामिल हैं। भौंसले के पिता बैरिस्टर राजा भौंसले महाराष्ट्र में एडवोकेट जनरल और बॉम्बे हाईकोर्ट में जज रह चुके हैं। खास बात यह है कि मौजूदा मुख्य न्यायाधीश इन्हीं राजा भौंसले के साथ जूनियर के रूप में काम कर चुके हैं। अशरफ पठान मुंबई में मुख्य न्यायाधीश श्री गवई के जूनियर के रूप में नामांकित रहे हैं।

जस्टिस जेके माहेश्वरी शामिल रहे हैं। जाहिर है आलोचनाओं के इस प्रहसन ने कोलेजियम के अंतर्विरोध और आपसी मतभेदों को भी उजागर कर दिया है। जस्टिस नागरत्ना जिस मुद्दे को उठा रही हैं, वह तकनीकी और नैतिक रूप से उचित नहीं है क्योंकि 17 अगस्त 2021 को कोलेजियम ने जिन 09 हाईकोर्ट जजों को सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति दी थी उनमें स्वयं नागरत्ना भी हैं। जस्टिस नागरत्ना उस समय किसी भी हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश नहीं थीं और उन्हें यह सोचकर सुप्रीम कोर्ट लाया गया था कि वे देश की पहली मुख्य न्यायाधीश बनेंगी। जस्टिस नागरत्ना के पिता ईएस वेंकटरमैया भी सुप्रीम कोर्ट के जज रह चुके हैं। गुजरात को लेकर उनकी यह आपत्ती भी ठीक नहीं है क्योंकि मप्र के भी वर्तमान में तीन जज सुप्रीम कोर्ट में कार्यरत हैं। सुप्रीम कोर्ट वरिष्ठता के हिसाब से जस्टिस नागरत्ना 2027 में कुछ दिन के लिए मुख्य न्यायाधीश बनेगी ही। अगर विपुल पांचोली पदोन्नति पाते हैं तो वे भी देश के 60वें मुख्य न्यायाधीश होंगे। मुख्य न्यायाधीश गवई के 45 वर्षीय भतीजे राज वाकोडे का भी मुख्य न्यायधीश बनना तय है। इसके साथ ही जस्टिस गवई भी उन 17 न्यायिक खानदानों में शामिल हो जायेंगे जिनके दो सदस्य सुप्रीम कोर्ट में पदस्थ रहे हैं। सच्चाई यह है कि सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम नैतिक और तकनीकी रूप से भयंकर अंतर्द्वंद का शिकार भी है। बॉम्बे हाईकोर्ट के लिए नामांकित 14 वकीलों का मामला हो या जस्टिस विपुल पांचोली की पदोन्नति दोनों ही मामलों में कोलेजियम की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल तो खड़े हो ही रहे हैं। जस्टिस पांचोली विवाद से ऐसा भी लगता है कि जजों में तीखे मतभेद भी हैं, जिसके चलते न्यायिक प्रशासन में उपयुक्त चयन प्रभावित हो रहे हैं। चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और अवसर की समानता अभी भी न्यायपालिका की चौखट पर दम तोड़ रही है। सुप्रीम कोर्ट में अब तक कार्यरत 279 जज में से 32 परिवार आपस में कुटुम्बजन रहे हैं। इनमें 104 जज ही ऐसे रहे हैं जो पहली पीढ़ी के वकील हैं। यानी जिनकी प्रतिष्ठित पारिवारिक कानूनी पृष्ठभूमि नहीं रही है। हाल ही में कोलेजियम द्वारा मप्र हाईकोर्ट के लिए पदोन्नत किये गए एक जज के विरुद्ध अधीनस्थ महिला सिविल जज ने गंभीर आरोप लगाए थे। कोलेजियम द्वारा महिला जज के आरोपों को अनसुना करने पर सिविल जज ने सेवा से इस्तीफा दे दिया था। वकील कोटे से नियुक्त एक अन्य जज के विरुद्ध भी अधीनस्थ जजों ने लम्बा पत्राचार किया था लेकिन कोलेजियम ने कोई ध्यान नहीं दिया। 2024 में कोलेजियम ने रिश्तेदार जजों की नियुक्ति पर प्रतिबंध का निर्णय लिया था लेकिन पिछले डेढ़ महीने में कोलेजियम की सिफारिशें बता रही हैं कि अंकल जज सिंड्रोम से हमारी न्यायपालिका मुक्त होने के लिए तैयार नहीं है। इसलिए अब वक्त आ गया है कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों की चयन प्रक्रिया को पारदर्शिता और प्रमाणिकता की कसौटी पर कसा जाए।

आप का नजरिया

शांति की ओर मणिपुर

निस्संदेह पिछले दो वर्ष से अधिक समय से हिंसाग्रस्त मणिपुर का संकट लाइलाज-सा नजर आता रहा है। अब केंद्र सरकार और राज्य के दो प्रमुख कुकी-जो समूहों के बीच बीते गुरुवार को हस्ताक्षरित ऑपरेशन निलंबन समझौते से अशांत मणिपुर में शांति बहाली तथा सामान्य स्थिति बनाये रखने के प्रयासों को बल मिलने की उम्मीद जगी है। उम्मीद है कि इस प्रयास से राज्य की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित की जा सकेगी। समझौते के बाद निर्दिष्ट शिविरों को संवेदनशील क्षेत्रों से स्थानांतरित करने और राज्य में दीर्घकालिक शांति तथा स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में भी सहमति बनी है। वहीं यह घटनाक्रम इस कारण से भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह इस पूर्वोत्तर राज्य का दौरा कर सकते हैं। विपक्ष लंबे समय से मांग करता रहा है कि प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं जाते। मई, 2023 में मैतेई और कूकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद प्रधानमंत्री की इस संवेदनशील राज्य की यह पहली यात्रा होगी। विगत में विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि केंद्र ने मणिपुर को उसके हाल पर छोड़ दिया। विपक्ष ने राज्य में डबल इंजन सरकार के दौरान कुशासन का आरोप भी लगातार लगाया है। उनका यह भी आरोप रहा है कि सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्य की स्थिति के नियंत्रण में अपनी विफलता के बावजूद एन बीरेन सिंह को मुख्यमंत्री के पद पर बनाये रखा था। इससे बढ़कर यह भी कि मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए उन पर तटस्थता न दिखाने और हिंसा के प्रति संवेदनहीन बने रहने के आरोप भी लगाए गए। कालांतर विपक्ष के दबाव के बीच उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। तब से लेकर अब तक राज्य राष्ट्रपति शासन के तहत संचालित है। वहीं हाल के महीनों में अपेक्षाकृत शांति का एक मुख्य कारण यह भी है कि कई आतंकवादियों ने राज्य के अधिकारियों की अपील के जवाब में लूटे गए हथियार कानून प्रवर्तन एजेंसियों को लौटाए हैं। निश्चित रूप से हाल ही में हुआ समझौता लंबे समय से अशांत चल रहे मणिपुर के हित में एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जाएगा। इसके बावजूद कुछ पेचीदा मुद्दे अभी भी सुलझाने बाकी हैं। इस मुहिम में विभिन्न हितधारकों को शामिल करने की जरूरत है। राज्य में एक प्रभावशाली नागरिक समाज समूह, कुकी-जो काउंसिल ने स्पष्ट किया है कि वह मैतेई और कुकी-जो क्षेत्रों के बीच बफर जोन में अप्रतिबंधित या मुक्त आवाजाही के पक्ष में नहीं। यह भी कि मणिपुर के नागाओं के शीर्ष निकाय ने मुक्त आवागमन व्यवस्था को समाप्त करने और भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का विरोध किया है। इसके अलावा विरोध में राज्य में समुदाय वाले सभी क्षेत्रों में व्यापार प्रतिबंध लागू करने की चेतावनी भी दी है। उल्लेखनीय है कि राज्य में जातीय संघर्ष की मूल वजह बहुसंख्यक मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा हासिल करने की मांग रही है। इस मांग पर उपजे टकराव को दूर करने तथा कुकी और नागाओं का विश्वास फिर से हासिल करने के प्रयास प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की जरूरत है। निश्चय ही, सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने के लिये मोदी सरकार को अब समय नहीं गवांना चाहिए। निस्संदेह, मणिपुरियों ने पहले ही इस राहत के लिये बहुत लंबा इंतजार किया है। यह अच्छी बात है कि कूकी-जो काउंसिल ने अलग से राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को खोलने का फैसला लिया है। यह राजमार्ग मणिपुर से होकर गुजरता है। निस्संदेह, इस कदम से जहां राज्य में जीवन की जरूरी चीजों की आपूर्ति सरल होगी, वहीं विस्थापित परिवारों और राहत शिविरों में हालात के चलते रह रहे नागरिकों की मुश्किलें कम हो सकेंगी। वहीं पिछले कुछ महीनों से राज्य में जारी शांति की स्थिति को स्थायी बनाने की दिशा में शासन-प्रशासन की ओर से गंभीर प्रयासों की जरूरत है। सुखद यह भी है कि समझौते में कूकी संगठनों ने अपने शिविरों की संख्या कम करने तथा हथियारों को निकटवर्ती बीएसएफ और सीआरपीएफ शिविरों में पहुंचाने पर भी सहमति जतायी है। विश्वास किया जाना चाहिए कि समझौते के मुद्दों पर सतर्क निगरानी के साथ राज्य में स्थायी शांति का वातावरण बन सकेगा।

केंद्र सरकार और राज्य के दो प्रमुख कुकी-जो समूहों के बीच बीते गुरुवार को हस्ताक्षरित ऑपरेशन निलंबन समझौते से अशांत मणिपुर में शांति बहाली तथा सामान्य स्थिति बनाये रखने के प्रयासों को बल मिलने की उम्मीद जगी है। उम्मीद है कि इस प्रयास से राज्य की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित की जा सकेगी। समझौते के बाद निर्दिष्ट शिविरों को संवेदनशील क्षेत्रों से स्थानांतरित करने और राज्य में दीर्घकालिक शांति तथा स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में भी सहमति बनी है। वहीं यह घटनाक्रम इस कारण से भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह इस पूर्वोत्तर राज्य का दौरा कर सकते हैं। विपक्ष लंबे समय से मांग करता रहा है कि प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं जाते। मई, 2023 में मैतेई और कूकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद प्रधानमंत्री की इस संवेदनशील राज्य की यह पहली यात्रा होगी।

कुछ अलग

अध्यात्म प्रेम

कुछ लोग ऐसे होते हैं जो परमात्मा के साथ अपना नाता और अपने उद्देश्य का रास्ता खोज रहे हैं। जो लोग परमात्मा को खोज रहे हैं उनमें से कुछऐसे लोग भी हैं जो बहुत उत्साह के साथ खोज रहे हैं। कुछ ऐसे भी हैं जो बड़े.जुनून और बड़े.उत्साह के साथ शुरुûआत करते हैं लेकिन उनकी रुûचि कम हो जाती है और वे अपने लाय को हासिल करने में असफल होते हैं। अगर हमें इस जीवन में अपने आध्यात्मिक सफर को पूरा करना है तो हमें इस लाय से दूर नहीं होना चाहिए। इस मानव जन्म का लाय हमारी आत्मा का परमात्मा से पुनर्मिलन की तड़प को पूरा करना है। अध्यात्म प्रेम का एक मार्ग है और हमें हमारे वास्तविक स्वरूप से जोड़ता है। जब हम आध्यात्मिक मार्ग पर चलते हैं तो अपनी वास्तविक पहचान जरूरी है। क्या हम आध्यात्मिक अनुभव की खोज में भौतिक शरीर हैं या हम आध्यात्मिक प्राणी हैं जिसमें भौतिक स्तर पर अनुभव कर रहे हैं? इसी में परमात्मा को पाने का रहस्य छुपा है। हम सब आत्माएं हैं। जैसे हमें यह मनुष्य जन्म मिला है इसी रूप में ही वास्तव में स्वयं को जानने की सभी सुविधाएं भी मौजूद हैं। यह आत्मा को परमात्मा के प्रेम का अनुभव करने और परमात्मा के पास वापस जाकर अपनी लंबी यात्रा को पूरा करने का मौका है। अभी हम सब इंद्रियों के स्तर पर जी रहे हैं और सिर्फ वही अनुभव कर रहे हैं जो जड़.पदार्थ से बना है। प्रभु जो चेतना के महासागर हैं के प्रेम का अनुभव करने के लिए हमें आध्यात्मिक रूप से चेतन अवस्था में रहने और अपने सच्चे स्वरूप के प्रति जागृत होने की आवश्यकता है।

दृष्टि कोण

पितृपक्षः पितरों के प्रति श्रद्धा और संस्कृति की अनन्त परंपरा

भारत की सांस्कृतिक धारा इतनी विशाल और गहन है कि इसमें जीवन और मृत्यु दोनों के रहस्यों की गहन व्याख्या मिलती है। यहाँ केवल वर्तमान या भविष्य ही नहीं, बल्कि अतीत और स्मृति भी उतनी ही पवित्र स्थान रखती है। इन्हीं परंपराओं में से एक है पितृपक्ष, जिसे श्राद्ध पक्ष भी कहा जाता है। भाद्रपद पूर्णिमा से लेकर आश्विन अमावस्या तक चलने वाला यह कालखंड भारतीय समाज में विशेष महत्व रखता है। यह सिर्फ धार्मिक अनुष्ठानों का समय नहीं, बल्कि अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने, अपनी जड़ों को याद करने और पारिवारिक-सांस्कृतिक मूल्यों को संजोने का अवसर है। 'पितृपक्ष' अर्थात पितरों को समर्पित पक्ष। हिंदू परंपरा में यह विश्वास है कि इस पखवाड़े में हमारे पूर्वज धरती पर अपने वंशजों से मिलने और आशीर्वाद देने आते हैं। यह कालमान केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है। जिस तरह एक वृक्ष अपनी जड़ों से रस पाकर हरा-भरा रहता है, उसी प्रकार मनुष्य भी अपने पितरों की स्मृति और आशीष से शक्ति पाता है। इस दृष्टि से पितृपक्ष को भूतकाल और वर्तमान का सेतु कहा जा सकता है। पितृपक्ष में श्राद्ध करना अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। 'श्राद्ध' का शाब्दिक अर्थ है—श्रद्धा से किया गया कार्य। इसका उद्देश्य है—पूर्वजों को जल, अन्न और तिल अर्पित कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना। गरुड़ पुराण और महाभारत जैसे ग्रंथों में श्राद्ध और तर्पण का विस्तृत विवरण मिलता है। लोकविश्वास है कि इस दौरान किए गए तर्पण और दान से पितरों की आत्मा तृप्त होती है और वे वंशजों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। हिंदू दर्शन में जीवन और मृत्यु को एक निरंतर चक्र के रूप में देखा गया है। शरीर नश्वर है किंतु आत्मा अमर। पितृपक्ष इस सत्य की गहरी याद दिलाता है। जिस प्रकार देवताओं को यज्ञ में आह्वान किया जाता है, उसी प्रकार पितरों के लिए भी विशेष अनुष्ठान किए जाते

हैं। गीता में भी कहा गया है कि "पितृ यज्ञ" मनुष्य के पाँच महायज्ञों में से एक है। अर्थात पूर्वजों का संमार्ग स्मरण, केवल व्यक्तिगत आस्था का विषय नहीं बल्कि सामाजिक कर्तव्य भी है। यदि केवल धार्मिक रीति-रिवाज के परे देखा जाए, तो पितृपक्ष एक सांस्कृतिक अनुशासन है। यह वह काल है जब परिवार के सभी लोग एकत्र होकर अपने पूर्वजों की स्मृति में अनुष्ठान करते हैं। यह सामूहिकता, पारिवारिक एकता और पीढ़ियों के बीच जुड़े रहने की भावना को मजबूत करती है। आज के समय में जब परिवार बिखरते जा रहे हैं, बुज़ुर्गों के अनुभव को पर्याप्त महत्त्व नहीं मिल रहा और नई पीढ़ी तेजी से वैश्वीकरण की चकाचौंध में अपनी जड़ों से दूर हो रही है, तब पितृपक्ष हमें यह स्मरण कराता है कि हम केवल वर्तमान नहीं हैं, बल्कि पीढ़ियों की वह कड़ी हैं जिन्हें मिलाकर हमारी अस्मिता बनती है। भारत की परंपराएं कभी भी केवल आध्यात्मिकता तक सीमित नहीं रही हैं। इन अनुष्ठानों के माध्यम से पर्यावरणीय संतुलन और सामूहिक कल्याण का संदेश भी मिलता है। श्राद्ध के समय ब्राह्मण, गौ, कुत्ते, कौवे और अन्य प्राणियों को अन्न अर्पित करने की प्रथा है। यह केवल धार्मिक विधान नहीं, बल्कि प्रकृति और समाज के विभिन्न घटकों को 'परिवार' मानने की भावना है। कौए को पितरों का प्रतीक मानकर अन्न डालना दरअसल जैव विविधता और साझा जीवन के प्रति सम्मान का द्योतक है। आज का समाज तेजी से आधुनिकता और उपभोक्तावादी दृष्टिकोण की ओर अग्रसर है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। कुछ लोगों के लिए नया रोमांस ताज़गी लाएगा और आपको ख़ुशमिज़ाज रखेगा। आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक़्क़त होगी। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको कई दिक़्क़तों और मतभेदों का सामना करना पड़ सकता है, जिस वजह से आप झुंझलाहट और बेचैनी महसूस करेंगे। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आपको अपने प्रिय को ख़ुद के हालात समझाने में दिक़्क़त महसूस होगी। सहकर्मियों और वरिष्ठों के पूरे सहयोग के चलते दफ़्तर में काम तेज़ रफ़्तार पकड़ लेगा। परिवार की जरुरतों को पूरा करते–करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार–दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। रोमांस रोमांचक होगा– इसलिए उससे संपर्क करें जिससे आप प्रेम करते हैं और दिन का भरपूर लुत्फ़ लें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ज़िंदगी की ओर उदास नज़रिया रखने से बचें। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आप–को काफी खुशी होगी। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपसी संवाद और सहयोग आपके और आपके जीवनसाथी के बीच रिश्ते को मज़बूत बनाएगा। मुहब्बत का सफ़र प्यारा, मगर छोटा होगा। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। जीवनसाथी की ख़राब सेहत का असर आपके काम–काज पर भी पड़ सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपनी भावनाओं पर क़ाबू रखने में दिक़्क़त महसूस करेंगे – आपका अजीब रवैया लोगों को भ्रमित करेगा और इसलिए आपमे झुंझलाहट पैदा करेगा। होशियारी से निवेश करें। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। प्रेम के दृष्टिकोण से आपके लिए यह दिन विशेष रहने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। मौज–मस्ती के लिए घूमना संतोषजनक रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को ख़ुश रखेंगी। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए । अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। आपके महंगे तोहफ़े भी आपके प्रिय के चेहरे पर मुस्कान लाने में नाकाम साबित होंगे, क्योंकि वह उनसे क़तई प्रभावित नहीं होगा/ होगी। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। काम को समय पर निपटाकर जल्दी घर जाना आज आपके लिए अच्छा रहेगा इससे आपके परिवार वालों को भी खुशी मिलेगी और आप भी तरोताजा महसूस करेंगे। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्तों के साथ घूमना–फिरना मज़ेदार रहेगा। लेकिन ज़्यादा पैसे ख़र्च न करें, नहीं तो आप खाली जेब लेकर घर पहुँचेंगे। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। खाना, साफ़–सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में क़ामयाबी पा सकते हैं। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। जो लोग प्रेम के संगीत में डूबे हुए हैं, वही इसकी स्वर–लहरियों का आनन्द ले सकते हैं। अपने बॉस/वरिष्ठों को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक़्क़तें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी सेहत को ध्यान में रखकर चीखने–चिल्लाने से बचें। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। आज आपके बॉस का बढ़िया मिज़ाज पूरे कार्यालय के माहौल को अच्छा बना देगा। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 सितंबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 09:13 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा रात्रि 08:03 तक
योग : धृति प्रातः 06:30 तक
करण : बालव प्रातः 10:29 तक
चन्द्रराशि : कुंभ दोपहर 02:30 तक
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:24 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:25 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:18 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:15 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– ग्रहण करिदिन , एकम का श्राद्ध

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 07 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्धता और चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहे नवाचार प्रदेश में सेहत की तस्वीर बदल रहे हैं। इन नवाचारों से न केवल आमजन को स्वास्थ्य सेवाएं सुगमता से मिलने लगी हैं, बल्कि स्वास्थ्य के कई मानकों में राजस्थान राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। अत्याधुनिक तकनीक और नवाचारपूर्ण योजनाओं से ग्रामीण से लेकर शहरी और रेगिस्तानी इलाकों से लेकर आदिवासी अंचलों तक न केवल बीमारियों का इलाज हो रहा है, बल्कि स्वास्थ्य संवर्धन की ओर तेजी से कदम बढ़ रहे हैं। रामाश्रय वार्ड, मिशन मधुहारी, मिशन लीवर स्माइल, स्तनपान प्रबंधन इकाइयां, हीमोडायलिसिस वार्ड, मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना, स्वस्थ नारी चेतना अभियान, निरामय राजस्थान अभियान, मिशन ओबीलॉस सहित कई ऐसे नवाचार सफलतापूर्वक लागू किए गए हैं, जिनसे प्रदेश में सेहत की तस्वीर में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

निरामय राजस्थान अभियान राजस्थान सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है जो प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सुलभ, सस्ती, और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के साथ ही स्वास्थ्य संवर्धन की दिशा में जागरूक करने की ओर सशक्त कदम है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समान रूप से सुलभ बनाना, स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना और चिकित्सा ढांचे को सुदृढ़ करना है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 7 अप्रेल 2025 को इस अभियान की शुरूआत की थी। यह अभियान न केवल उपचारात्मक स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करता है, बल्कि निवारक स्वास्थ्य, जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देता हे। अभियान के तहत हर माह की एक थीम निर्धारित कर आमजन को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। स्वच्छता, पौष्टिक व संतुलित आहार, श्री अन्न को बढ़ावा देना, रोगों की प्राथमिक स्तर पर स्क्रीनिंग, योग एवं व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाने जैसे कदम इस अभियान के तहत उठाए जा रहे हैं।

मिशन मधुहारी राजस्थान सरकार की एक अभिनव और संवेदनशील पहल है, जो मधुमेह (डायबिटीज), विशेष रूप से टाइप–1 डायबिटीज की रोकथाम, प्रबंधन और जागरूकता के लिए शुरू की गई है। मिशन मधुहारी का उद्देश्य मधुमेह से प्रभावित लोगों को न केवल बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है, बल्कि जागरूकता, समय पर निदान और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से इस रोग के बोझ को कम करना भी है। यह अभियान विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में मधुमेह रोगियों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने पर केंद्रित है, ताकि एक स्वस्थ और सशक्त राजस्थान का निर्माण हो सके। इसके तहत टाइप–1 डायबिटीज के रोगियों को निःशुल्क इंसुलिन, ग्लूकोमीटर एवं ग्लूको स्ट्रिप प्रदान किए जाते हैं। युवाओं में जंक फूड एवं खान–पान की आदतों के कारण होने वाली नॉन एल्कोहोलिक फेटीलीवर डिजीज की प्रिविलेंस रेट 9 से 32 प्रतिशत है। इसी को ध्यान में रखते हुए मिशन लीवर स्माइल कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य लीवर रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समय पर स्क्रीनिंग और उपचार सुनिश्चित करना है। प्रदेश के 61 जिला अस्पतालों में लीवर स्माइल क्लिनिक स्थापित किए गए हैं। इन क्लिनिक्स के माध्यम से अब तक 32 हजार से अधिक व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई है। इनमें से करीब 1300 व्यक्तियों में फेटी लीवर डिजीज के लक्षण पाए गए। निरामय राजस्थान के उद्देश्य से मातृ–शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने उत्तराखण्ड बाढ़ राहत के लिए 5 करोड़ रुपये की सहायता भेजी

जयपुर, 07 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को आपदा प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत पहुंचाने एवं पुनर्वास कार्यों में सहयोग के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5 करोड़ रुपये की राशि डी.डी. के जरिए भेजी है। इसके साथ ही, शर्मा ने धामी से फोन पर बातचीत में कहा कि राजस्थान संकट की इस घड़ी में

उत्तराखण्ड के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।शर्मा ने धामी को लिखे पत्र में कहा कि उत्तराखण्ड में हाल ही में आई भीषण बाढ़ से उत्पन्न स्थिति एवं उससे हुई जनहानि के समाचार अत्यंत दुखद एवं व्यथित करने वाले हैं। उन्होंने उत्तराखण्ड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जनजीवन शीघ्र सामान्य होने तथा पीड़ित परिवारों को संबल और धैर्य प्राप्त होने की प्रार्थना की।

जिला प्रभारी मंत्री कर्नल राठौड़ ने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

दौसा, 07 सितंबर (एजेंसियां) जिला प्रभारी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने रविवार को महेश्वरा खुर्द एवं महेश्वरा कलां गांवों का दौरा कर अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति का जायजा लिया और ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानी। उन्होंने बांधों की स्थिति, खेतों में हुए जलभराव और प्रभावित फसलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को नुकसान की भरपाई के लिए उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से पानी के भराव और फसलों की स्थिति पर फीडबैक लिया। महिलाओं और अन्य ग्रामीणों से बातचीत कर ज्यादा बारिश से हुई समस्याओं और नुकसान की जानकारी भी प्राप्त की। बाजरे के खेतों में जाकर फसल को हुए नुकसान का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। प्रभावित किसानों को उन्होंने आश्वस्त किया कि नियमानुसार नुकसान की भरपाई की जाएगी और जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार को फसल खराबे की जल्द गिरदावरी करवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों में मौसमी बीमारियों के प्रति विशेष सतर्कता बरतने और समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अतिवृष्टि को लेकर संवेदनशील एवं गंभीर है और प्रभावित लोगों को हरसंभव मदद प्रदान कर रही है। उन्होंने जिला प्रशासन को प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर फसल और अन्य नुकसान का जायजा लेने तथा वास्तविक फसल खराबे को शामिल कर शीघ्र गिरदावरी करने के निर्देश दिए।

जल संरक्षण से आमजन होगा लाभांवित : जोराराम कुमावत

बालोतरा, 07 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के सिवाना विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत भागवा के राजस्व गांव तेलवाडा गोगामाड़ में जल संसाधन विभाग द्वारा स्वीकृत माइक्रो स्टोरेज टैंक (एनिकट) का शिलान्यास पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री व जिला प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने किया। भूमि पूजन कार्यक्रम में संबोधित करते हुए जोराराम कुमावत ने कहा कि इस एनिकट का निर्माण होने के बाद बरसाती जल संरक्षण किसानों के लिए वरदान साबित होगा। प्रभारी मंत्री कुमावत ने भारत सरकार व राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में आमजन को जागरूक किया। उन्होंने हमीर सिंह भायल की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपके विधायक बहुत सक्रिय हैं। इनकी सक्रियता की वजह से सिवाना विधानसभा क्षेत्र में लगभग 300 करोड़ की सड़कें स्वीकृत हुई हैं। ये अपने विकास कार्य करवाने को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ–साथ संबंधित विभागों के मंत्रियों व अधिकारियों के लगातार से संपर्क में रहते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सिवाना के विधायक हमीर सिंह भायल ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के चहुमुखी विकास को लेकर मेरा पूरा प्रयास रहेगा। तेलवाड़ा का यह बांध 7 करोड़ रुपए की राशि से बनेगा। भायल ने बताया कि तेलवाड़ा की जनता का मेरे पर विशेष आशीर्वाद है। लगातार तीन बार सिवाना का प्रतिनिधित्व करने की वजह से इलाके का विकास करवा पाना संभव हुआ है। इस बांध के लिए राशि स्वीकृत करने पर विधायक भायल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व जल संसाधान मंत्री सुरेश सिंह रावत का आभार। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि जल संरक्षण के लिए एनिकट बांध सबसे अधिक सिवाना क्षेत्र में ही स्वीकृत हो रहे हैं। कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी सुरेन्द्र सिंह, विकास अधिकारी दिनेश सिंह भाटी, तहसीलदार रायचंद देवासी, स्थानीय सरपंच भीखाराम, जेठू सिंह भायल, सुर सिंह भायल, हरि सिंह भायल, भाजपा मंडल अध्यक्ष मिसराराम देवासी, पूर्व सरपंच जोगाराम देवासी, अमराराम देवासी, जिला महामंत्री एवं पूर्व प्रधान वीर सिंह सेला, संत जगदीश भारती, संत राज भारती, ठाकुर सूर सिंह तेलवाड़ा, मोती सिंह, अजीत सिंह, निंबाराम देवासी, अधिशाषी अभियंता, खंड जालोर चंदन सिंह सहित जल संसाधन विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

बाढ़ से प्रभावित लोगों के नुकसान की नायब सैनी सरकार भरपाई करेगी : बड़ौली

फतेहाबाद, 07 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि संकट की घड़ी में संगठन और सरकार दोनों ही प्रदेश की जनता के साथ है। बारिश और बाढ़ से प्रभावित लोगों के नुकसान की भरपाई सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा ई क्षति पोर्टल खोल दिया गया है। ये बातें बड़ौली ने शनिवार को फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र के भुना और गोरखपुर गांव में बारिश के कारण हुए जलभराव की स्थिति का जायजा लेने के बाद ग्रामीणों से बातचीत करते हुए कही। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली भुना व गोरखपुर में पहुंचे। यहां उन्होंने बाढ़ से प्रभावित गांवों का दौरा किया।उन्होंने खेतों, गलियों, और घरों का निरीक्षण करके प्रभावित लोगों से बातचीत की। इस दौरान लोगों ने पानी भरे रास्तों, राशन की कमी, और इलाज की दिक्कतों के बारे में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को बताया। बड़ौली ने सभी लोगों की बातों को ध्यान से सुना और तुरंत अधिकारियों को जरूरी मदद करने के निर्देश दिए।

हरविंद्र कल्याण ने गुरु वंदन–छात्र अभिनंदन कार्यक्रम में की शिरकत

सोनीपत, 07 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में प्रत्येक नागरिक का योगदान आवश्यक है। जहां एक ओर विकास कार्यों की जरूरत है, वहीं आने वाली पीढ़ी को अच्छे संस्कारों से जोडऩा भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

भारत विकास परिषद द्वारा 63वें स्थापना दिवस पर सोनीपत में शिवा शिक्षा सदन स्कूल में गुरु वंदन–छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने द्वीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित करवाई गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों व विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों को सम्मानित करते हुए कहा कि जब किसी व्यक्ति को सम्मानित किया जाता है तो उसका उत्साह बढ़ता है और वह समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बनता है। उन्होंने कहा कि यदि हमारी युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति और संस्कारों से जुड़ी रहे तथा आधुनिक तकनीक का समुचित उपयोग करते हुए आगे बढ़े, तो वे हर चुनौती का सामना करने में सक्षम बनेंगे।

पक्ष और विपक्ष मिलकर करें सेवा : सैनी

शाहाबाद, 07 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बाढ़ और जलभराव की आपदा से निपटने के लिए पक्ष, विपक्ष और आम जनता से मिलकर काम करने का आह्वान किया है।

उन्होंने कहा कि इस संकट की घड़ी में धैर्य के साथ सेवा करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को शाहाबाद में जलभराव से प्रभावित गांवों के जन प्रतिनिधियों से मुलाकात कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि पहाड़ों से आए अत्यधिक पानी के कारण प्रदेश के करीब 3,000 गांव प्रभावित हुए हैं, लेकिन अब धीरे–धीरे पानी कम हो रहा है।सैनी ने कहा कि बाढ़ से फसल और अन्य नुकसान की भरपाई के लिए प्रदेश सरकार ने ई–क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला हुआ है। इस पोर्टल पर अब तक 1,69,738 किसानों ने 9,96,701 एकड़ फसल के खराबे के लिए आवेदन किया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के घरों में पानी घुस गया है, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और उनके लिए रहने, खाने और पशुओं के चारे की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के सवाल पर कहा कि इस आपदा की स्थिति में विपक्ष का राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को इस समय सरकार को सुझाव और सहयोग देना चाहिए।

मुख्यमंत्री सैनी ने बाढ़ प्रभावित पंजाब व हिमाचल के लिए सहायता सामग्री के 25 ट्रकों को झंडी दिखाकर किया रवाना

चंडीगढ़, 07 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज भाजपा प्रदेश कार्यालय (पंचकमल), पंचकूला से बाढ प्रभावित पंजाब व हिमाचल प्रदेश के लिए सहायता सामग्री के 25 ट्रकों को झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें 15 ट्रक पंजाब के लिए और 10 ट्रक हिमाचल प्रदेश के लिए शामिल हैं।

पंचकमल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इन ट्रकों के माध्यम से पंजाब व हिमाचल के बाढ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को रोजमर्रा की जरूरी चीजें पंहुचाई जा रही हैं ताकि आपदा के इस समय में उन्हें किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्य पंजाब के साथ–साथ हिमाचल प्रदेश में भी प्राकृतिक आपदा से काफी नुकसान हुआ है। कई जगह गांव के गांव प्रभावित हुए हैं और लोगों के साथ–साथ पशु धन भी इसकी चपेट में आया है। ऐसी स्थिति में लोगों की मदद करना हमारा दायित्व बनता है। लोगों को राहत पहुँचाने के लिए हरियाणा सरकार के साथ–साथ पार्टी भी प्रभावित क्षेत्रों में लगातार राहत सामग्री पंहुचा रही है। प्रतिदिन हरियाणा से पंजाब के बाढ प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत सामग्री के ट्रक भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देशानुसार 'सेवा ही संगठन' की भावना से कार्य करते हुए सरकार पार्टी के साथ मिलकर प्राकृतिक आपदा में लोगों को राहत पहुँचाने का कार्य कर रही है।

हरियाणा के संबंध में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निचले इलाकों में जल भराव हुआ है। हमने जलभराव से ग्रस्त क्षेत्रों में तुरंत राहत के लिए प्राथमिकताएं तय की हैं और राहत कार्य निरंतर चल रहा है। नागरिकों की कठिनाई को कम करने के लिए ई–क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला हुआ है। इसका उद्देश्य आम जनता द्वारा अपने नुकसान व क्षति के लिए आवेदन जमा करने की प्रक्रिया को आसान बनाना है। उन्होंने कहा कि अब तक क्षतिपूर्ति पोर्टल पर 1 लाख 69 हजार 738 किसानों ने 9 लाख 96 हजार 701 एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण कवाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात में कुछ घरों की छत गिरने से जानमाल की हानि हुई है। ऐसे परिवारों को राज्य सरकार की ओर से 4–4 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा घायलों को भी आर्थिक सहायता दी गई है।एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस दिन पंजाब में प्राकृतिक आपदा आई थी उस दिन उन्होंने पड़ोसी सूबे के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि आपदा की इस स्थिति में किसी भी प्रकार के सामान व संसाधन की आवश्यकता है तो वे निसंकोच बताएं। हरियाणा की ओर से तुरंत सहायता पंहुचाई जाएगी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की ओर से पंजाब को निरंतर राहत सामग्री भेजी जा रही है। आज भी

अधिनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 1510 अनुदेशकों को मिला नियुक्ति पत्र

पूर्व सरकारें पैसा लेती थीं, इसलिए आंख नहीं मिला पाती थीं

पतित लोग आंख उठा कर बात नहीं कर पाते: योगी

लखनऊ, 07 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश अधिनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा नवचयनित 1510 अनुदेशकों को रविवार को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। मुख्यमंत्री ने लोकभवन में नवचयनित अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र दिए। सीएम ने निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से चयनित अनुदेशकों व अभिभावकों को बधाई दी।

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर निशाना साधा और कहा कि आठ वर्ष पहले वे नियुक्ति पत्र वितरण के ऐसे आयोजन नहीं कर पाते थे। पहले भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं होती थी, क्योंकि हर प्रक्रिया में कोई न कोई ऐसा व्यवधान होता था, जिस पर माननीय न्यायालय द्वारा रोक लगा दी जाती थी। शिक्षक, पुलिस, अनुदेशक की भर्ती हो या किसी अन्य विभाग की, इतना पैसा ले लिया जाता था कि वे किसी अभ्यर्थी से आंख मिलाकर बात नहीं कर पाते थे। क्योंकि जब व्यक्ति बेईमानी और भ्रष्टाचार का सहारा लेता है तो उसका नैतिक पतन हो जाता है और वह चेहरा उठाकर बात नहीं कर पाता है। 2017 के पहले सरकार में बैठे लोगों ने यही स्थिति कर दी थी, जिससे यूपी का नौजवान हताश और निराश था। जब नौजवान हताश और निराश होगा तो अर्थव्यवस्था नीचे गिरेगी ही, लेकिन पिछले साढ़े 8 वर्ष में सामूहिक परिणाम हुए तो आज सरकारी व निजी क्षेत्र में नौकरी के साथ रोजगार भी है। यूपी में अब नौकरियों की बौछार है।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मिशन रोजगार से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने का संकल्प दिया है, हम सभी उसमें सहभागी बन सकें, इसके लिए यूपी में पिछले 8 वर्ष के दौरान साढ़े 8 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी उपलब्ध कराने में सफलता प्राप्त की है। हर महीने किसी न किसी आयोग-बोर्ड के माध्यम से नियुक्ति प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया है। जो सख्ती की गई, उसका परिणाम है कि निष्पक्ष भर्ती के तहत चयनित युवाओं ने भी ईमानदारी के साथ सरकार का हिस्सा बनकर अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का लाभ यूपी को दिया।

सीएम योगी ने कहा कि आठ वर्ष पहले आपने अनुभव किया होगा कि यूपी के साथ दो बातें चस्पा थीं। पहली, यूपी का नौजवान-नागरिक प्रदेश के बाहर जाता था तो उसके सामने पहचान का संकट होता था। लोग हेय दृष्टि से देखते थे। इससे नागरिकों के मन में हीन भावना पैदा होती थी। दूसरा, हमारे ऊपर बीमारू राज्य का लेवल लगा दिया गया था यानि देश के विकास का बैरियर, जबकि यह राज्य संसाधनों से भरपूर था। जिस राज्य में ईश्वर को भी किसी न किसी अवतार के रूप में बार-बार आना पड़ा। ऐसा राज्य बीमारू हो जाए, कोई खुद को सुरक्षित महसूस न कर सके। उस राज्य को पिछले 8 वर्ष के अंदर हम लोगों ने नंबर-2 की अर्थव्यवस्था बनने में सफलता हासिल की। बीमारू राज्य के लेवल को उखाड़कर भारत के विकास के ग्रोथ इंजन के रूप में सफलता प्राप्त की। 25 करोड़ की आबादी, जनप्रतिनिधियों, सरकार से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और डबल इंजन सरकार ने मिलकर प्रयास किया तब यह परिणाम सामने आए। आज यूपी सबसे तेज गति से अग्रसर प्रदेशों में गिना जाता है। देश में विकास की दर यूपी की सर्वाधिक है। हर क्षेत्र में यूपी अग्रणी स्थानों में है। 2017 के पहले जो प्रदेश बॉटम 5 में था, वह आज देश के अंदर अधिकांश स्कीम में नंबर एक पर है, जहां एक पर नहीं है, वहां टॉप थ्री में यूपी को कोई नहीं हटा सकता।

सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने यूपी के नौजवानों के लिए साफ-सुथरा मंच दिया। चयनित अनुदेशकों को सिफारिश की नौबत नहीं आई होगी। जिसने तैयारी की, उसका चयन हुआ। जिसने नहीं की होगी, तैयारी करेगा, उसका आने वाले समय में होगा। अब नौकरियों की बौछार हो रही है। कानून व्यवस्था के माध्यम से सुरक्षा का माहौल तैयार किया गया है। दंगामुक्त, गुंडागर्दी, माफिया मुक्त की अवधारणा ने यूपी में बड़े-बडे निवेश को आमंत्रित किया है। इसका सर्वाधिक लाभ व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास व उद्यमिता से जुड़े नौजवानों को हुआ। 8 वर्ष में 60 लाख से अधिक ऐसे लोगों को नौकरी मिली। इसमें 14 लाख ऐसे नौजवान हैं, जिन्होंने यूपी कौशल विकास के माध्यम से प्रशिक्षण लिया। सीएम ने नियुक्ति पाने वाले युवाओं से कहा कि आवेदन से लेकर नियुक्ति पत्र मिलने तक सिफारिश या लेन-देन नहीं हुआ, इसलिए सरकार की भी अपेक्षा है कि जब अपनी आईटीआई में जाएं तो ईमानदारी के साथ छात्रों को गाइड करें। टाइमपास करने से तत्काल अपने मन को संतुष्ट कर लेंगे, लेकिन समय कभी माफ नहीं करता है। ईमानदारी से किया गया प्रयास परिणाम अवश्य लेकर आता है।

सीएम ने कहा कि पिछले दिनों लखनऊ में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास के कार्यक्रम के साथ जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ था। आईटीआई पास, यूपी स्किल मिशन के माध्यम से उनका चयन हुआ। चयन करने वाली कंपनी उन्हें एक लाख, 75 हजार, 50 हजार दे रही थी। किसी भी नौजवान का चयन 35 हजार से कम में नहीं हुआ। सीएम ने कहा कि 8 वर्ष पहले, जो उद्योग और आईटीआई थे, वह भी बंद हो रहे थे, लेकिन अब सरकार 300 से अधिक आईटीआई चला रही है। 8 वर्ष में सरकार के स्तर पर 60 नए आईटीआई बनाए गए, निजी क्षेत्र में भी 3000 से अधिक आईटीआई बने हैं। वर्तमान में 100 ऐसे ट्रेड चल रहे हैं, जो ग्लोबल मार्केट की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए स्किल मैन पावर की आपूर्ति कर सकें। यदि इलेक्ट्रीशियन व प्लंबिंग का ट्रेड है तो आर्टिफिशियल, रोबोटिक व ड्रोन टेक्नोलॉजी का भी है।

सीएम योगी ने कहा कि 8 वर्ष पहले यूपी में परंपरागत उद्यम के क्लस्टर भी बंद होने के कगार पर थे। 400 वर्ष पहले की बात करेंगे तो यूपी देश के सबसे समृद्ध राज्यों में था। यहां विदेशी आक्रांताओं के हमले भी हुए, अंग्रेजों ने भी लूटा। देश जब 1947 में स्वतंत्र हुआ, तब भी यूपी भारत की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। 1960 तक यूपी का योगदान भारत की अर्थव्यवस्था में 14 फीसदी था, लेकिन 1960 के बाद इसमें गिरावट प्रारंभ हुई। 2016 आते-आते यूपी का योगदान महज 8 फीसदी के आसपास रह गया। इन लोगों के कारनामों ने नंबर एक से नंबर आठ तक पहुंचा दिया। जब नीतियां स्वयं के स्वार्थ और वोटबैंक की चिंता करके, परिवार के हितों के संरक्षण को लेकर बनाई जाती हैं तो वह दुर्गति की तरफ से लेकर जाती हैं।

प्रयागराज जंक्शन पर पकड़ी गई किशोरी का मिला पाकिस्तान कनेक्शन

प्रयागराज, 07 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार से भागकर जा रही किशोरी को दो दिन पहले पुलिस ने प्रयागराज जंक्शन पर महाबोधि एक्सप्रेस से नीचे उतार लिया। उसके मोबाइल फोन की जांच के दौरान पाकिस्तान का नंबर मिलने पर जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारी सतर्क हो गए। जांच में पता चला कि वह पाकिस्तान के दोस्त से इंस्टाग्राम पर चैटिंग करती थी। फिलहाल उसे चाइल्ड लाइन को सौंप दिया गया है।

बिहार के नवादा की रहने वाली किशोरी के परिवार को भी इत्तिला कर दी गई है। आरपीएफ के एसआई विवेक कुमार,आरती देवी ने ट्रेन के प्रयागराज जंक्शन पहुंचने पर किशोरी को पकड़ लिया। उसने बुर्का पहन रखा था।

थाने लाकर पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम-पता बताया। यह भी बताया कि वह घरवालों को बिना बताए दिल्ली जाने के लिए निकली है। उधर फोन से बात करने पर परिजनों ने बताया कि उन्होंने बिहार पुलिस से संपर्क साधा था। बिहार पुलिस ने ही मोबाइल से लोकेशन ट्रेस कर आरपीएफ को सूचना दी कि किशोरी महाबोधि एक्सप्रेस में सवार है।

छात्रा के मोबाइल की कॉल हिस्ट्री में पाकिस्तानी नंबर देखकर आरपीएफ अफसर चौंक गए। इंस्टाग्राम व व्हाट्सएप चेक करने पर पता चला कि वह एक पाकिस्तानी युवक के संपर्क में थी और उससे न सिर्फ फोन पर बातें बल्कि लगातार चैटिंग भी करती थी।

पूछताछ में उसने बताया कि इंस्टाग्राम के जरिए उसकी दोस्ती पंजाब की एक युवती से हुई और उसने ही उसका संपर्क इंस्टाग्राम पर ही पाकिस्तान के युवक से कराया। इसके बाद ऑनलाइन चैट होने लगी और फिर मोबाइल नंबर पर भी बातचीत होने लगी। दो दिन पहले इसकी भनक लगने पर परिजनों ने उसे फटकारा तो उसने यह बात पंजाब में रहने वाली युवती को बताई। इस पर युवती ने उसे दिल्ली बुलाया और ऑनलाइन उसका रिजर्वेशन भी कराया। इसके बाद ही वह घर से बिना बताए दिल्ली जाने के लिए निकली थी। पहचान न हो, इसलिए उसने बुर्का भी पहन रखा था। चाइल्ड लाइन ने काउंसलिंग के बाद रिपोर्ट सीडब्ल्यूसी को सौंप दी है। किशोरी का पाक कनेक्शन सामने आने के बाद आरपीएफ के साथ ही जीआरपी और खुफिया एजेंसियां भी अलर्ट हो गई हैं। आशंका इस बात की भी जताई जा रही है कि कहीं सीमा पार से भारतीय किशोरियों-युवतियों को बहला फुसलाकर अपने जाल में फंसाने वाला कोई रैकेट तो नहीं संचालित हो रहा। फिलहाल एजेंसियां इसका पता लगाने में जुट गई हैं। जीआरपी अफसरों के साथ ही जिला पुलिस के आला अफसरों को भी प्रकरण की जानकारी दे दी गई है।

घुसपैठ, धर्मांतरण और लैंड जेहाद में सपा के पूर्व सांसद का नाम

धर्म बदलो, तभी मिलेगी जमीन

पूर्व सांसद रिजवान जहीर का धंधा पीड़ितों ने किया खुलासा

लखनऊ, 07 सितंबर (एजेंसियां)। विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने पूर्व सपा सांसद रिजवान जहीर पर बलरामपुर में डेमोग्राफी बदलने की साजिश का आरोप लगाया है। यहां हिंदू महिलाओं की जमीनों पर अवैध कब्जा कर उन पर जमीन के बदले धर्म परिवर्तन का दबाव दिया जा रहा है। इस तरह उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में डेमोग्राफी बदलने की बड़ी साजिश का भंडाफोड़ हुआ है।

लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि रिजवान जहीर के इशारे पर उसके गुर्गे सईद अहमद और तौकीर अहमद, छांगुर गैंग के साथ मिलकर हिंदुओं की जमीन पर कब्जा, अवैध धर्मांतरण और लैंड जेहाद करा रहे हैं। हर महीने हजारों बच्चियों का अपहरण कर जबरन धर्मांतरण कराया जा रहा है। अंबेडकरनगर को इसका ज्वलंत उदाहरण बताते हुए उन्होंने इस पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। छांगुर उर्फ जलालुद्दीन, जिसे इस साजिश का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है, फिलहाल जेल में है। लेकिन उसके गैंग की करतूतें लगातार उजागर हो रही हैं।

बलरामपुर के मुन्ना नाम के एक व्यक्ति ने आरोप लगाया कि उसे सपा सांसद रिजवान के लोगों ने प्रताड़ित किया और वोटर लिस्ट में गड़बड़ी कर इलाके में डेमोग्राफी बदलने की कोशिश की। मुन्ना ने कहा कि करोड़ों की सम्पत्ति फर्जी तरीके से अर्जित की गई है और अब हिंदू महिलाओं की जमीनों पर अवैध कब्जा कर उन पर जमीन के बदले धर्म परिवर्तन का दबाव दिया जा रहा है। इस दौरान बलरामपुर निवासी जबीउल्ला ने दावा किया कि सपा शासनकाल में रिजवान जहीर के गुर्गे सईद अहमद और तौकीर अहमद नेपाल बॉर्डर से मुस्लिम परिवारों को बसाते थे। यहां हिंदुओं की जमीनों पर कब्जा कर अवैध धर्मांतरण भी कराया गया। झारखंड से आई एक महिला ने आरोप लगाया कि उसकी बेटी को पहले दोस्ती कर फंसाया गया। बाद में बहला-फुसलाकर बलरामपुर लाया गया और वहां से बंगाल ले जाकर जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया। महिला ने कहा कि आरोपित पैसा देकर पुलिस को चुप करा रहा है।

बलरामपुर, जो नेपाल सीमा से सटा इलाका है, वहां पहले भी डेमोग्राफी बदलने की कोशिशों का खुलासा हो चुका है। अब धीरे-धीरे इस साजिश के शिकार लोग सामने आकर अपनी बात रख रहे हैं। विश्व हिंदू रक्षा परिषद का दावा है कि यह सिर्फ एक मामला नहीं है, बल्कि सुनियोजित तरीके से कई हिंदू परिवारों को निशाना बनाकर उनकी जमीनों और आस्था पर हमला किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम: समाधान कम सियासत और समस्या ज्यादा

दिनकर कपूर
लखनऊ, 07 सितंबर। उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत 2 सितंबर 2025 को उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड का गठन करने का फैसला किया है। सरकार का कहना है कि इस निगम के बनने के बाद प्रदेश में सरकारी विभागों के कार्यों में चल रही आउटसोर्सिंग अधिक पारदर्शी होगी। कर्मचारियों को पूरा मानदेय मिलेगा और मासिक वेतन के साथ ही उनके ईपीएफ और ईएसआई खातों में सीधे पैसा जाएगा। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए 16 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय निर्धारित किया गया है और यह प्रावधान किया गया है कि 3 साल तक विभाग में आउटसोर्स कर्मचारी अपनी सेवा प्रदान कर सकेंगे। कहा जा रहा है कि आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन विभाग के बजाए अब निगम जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से करेगा।

कम्पनीज एक्ट-2013 के सेक्शन-8 के अंतर्गत इस निगम लिमिटेड का गठन किया गया है, जो नॉन प्रॉफिटेबल कंपनी है। प्रावधान किया गया है कि आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से कर्मचारी उपलब्ध कराने के एवज में निगम विभाग से प्रत्येक कर्मचारी से एक प्रतिशत सेस की वसूली करेगा जिसे निगम कार्यों पर खर्च किया जाएगा और शेष धनराशि आउटसोर्स मजदूरों के वेलफेयर के लिए खर्च की जाएगी। यह भी निगम के गठन के दस्तावेज में रखा गया है कि सृजित पदों पर आउटसोर्सिंग की भर्ती नहीं की जाएगी। आउटसोर्सिंग में एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, महिलाओं, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों और भूतपूर्व सैनिकों को आरक्षण देना सुनिश्चित किया जाएगा।

इस आयोग के गठन के बाद समाज में मिश्रित प्रतिक्रियाएं हैं। कुछ लोग इसे सरकार का ऐतिहासिक कदम मान रहे हैं तो वहीं कुछ लोग इसे स्थाई भर्ती की जगह आउटसोर्सिंग से काम कराने की कार्रवाई के रूप में देख रहे हैं। यदि इसके दस्तावेजों को गौर से देखा जाए तो कहा गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार के कार्मिक विभाग के शासनादेश दिनांक 6 जनवरी 2020 में स्पष्ट प्रावधानों के अनुसार सृजित पदों के विरुद्ध आउटसोर्सिंग के आधार पर सेवाएं लेना पूर्णतया प्रतिबंधित है और आउटसोर्सिंग पद का सृजन भी पूर्णतया वर्जित है। इसके बावजूद इस निगम द्वारा चार श्रेणियां में पदों का विभाजन किया गया है। श्रेणी एक में चिकित्सीय, इंजीनियरिंग, व्याख्यान, परियोजना प्रबंधन, लेखा, वास्तुविद, अनुसंधान सेवाएं शामिल हैं। श्रेणी 2 में कार्यालय सेवाएं, आशुलिपिकीय, लेखा, डाटा प्रोसेसिंग, अनुवाद, कल्याण, कला शिक्षण, शारीरिक प्रशिक्षण, शिक्षण, ड्राफ्टिंग, एक्सरे, नर्सिंग, फार्मेसी, इंजीनियरिंग, कानूनी परामर्शदाता, सांख्यिकी सेवाएं आएंगी। श्रेणी 3 में कार्यालय, आशुलिपिकीय स्तर 3, टंकण, दूरसंचार, भंडारण, फोटोग्राफी, डाटा प्रोसेसिंग, पुस्तकालय, इलेक्ट्रीशियन, यांत्रिक, फिटर, प्रयोगशाला परिचालन, पैरामेडिकल, पर्यवेक्षणीय, प्रबंधकीय सेवाएं, वाहन चालन सेवाएं आएंगी। श्रेणी 4 में कार्यालय सेवाएं, लिफ्ट ऑपरेटर, प्रयोगशाला, अभिलेख, कार्यालय अधीनस्थ, भंडारण, डाक, रंग रोगन, खानपान, बागवान, श्रम सेवाएं जैसी 43 विशिष्ट सेवाएं और यांत्रिक, विद्युत, सैनिटेशन, पंपिंग, फायर सुरक्षा सेवाएं इत्यादि जैसी अति विशिष्ट 47 सेवाएं शामिल की गई हैं। इस सूची में प्रदेश में मौजूदा समय में आपको सरकारी विभागों में ज्यादातर जारी काम देखने को मिलेंगे।

यही कारण है कि इस निगम के गठन के पूर्व प्रदेश के लगभग जितने भी विभाग हैं सभी विभागों से अनापत्ति हासिल की गई है। स्पष्ट है कि यह सारी सेवाएं जो अभी स्थाई कामों और सृजित पदों में हो रही हैं आने वाले समय में उन सबके आउटसोर्सिंग यानी संविदा प्रथा में जाने की तैयारी इस निगम के गठन के साथ की गई है। सब लोग अवगत हैं कि ठेका मजदूर कानून 1970 की धारा 10 स्पष्ट रूप से कहती है कि परमानेंट नेचर के काम में संविदा ठेका प्रथा लागू नहीं की जाएगी। इसके बावजूद राष्ट्रपति भवन से लेकर हर विभाग में धीरे-धीरे संविदा प्रथा चालू कर दी गई है, जिसके जरिए स्थाई कामों और सृजित पदों के सापेक्ष बेहद कम मानदेय या पारिश्रमिक पर काम कराकर मजदूरों और कर्मचारियों की श्रम शक्ति की बड़े पैमाने पर लूट की जा रही है। एक ही उदाहरण से इस निगम के द्वारा किए जा रहे न्यूनतम पारिश्रमिक भुगतान के दावे के बारे में समझ सकते हैं। चिकित्सीय सेवाओं के लिए एमबीबीएस डॉक्टर का न्यूनतम पारिश्रमिक निगम की तरफ से 40000 रुपए प्रतिमाह तय किया गया है। चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से बात करने पर बताया गया कि इस समय संविदा पर जो एमबीबीएस डॉक्टर सरकारी अस्पतालों में नियुक्त किये जा रहे हैं उन्हें 1 लाख रुपए मानदेय दिया जा रहा है। जो डॉक्टर ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत नियोजित हो रहे हैं वह भी 60-70 हजार रुपए पा रहे हैं। यदि सृजित पद के सापेक्ष सरकारी भर्ती से कोई डॉक्टर आता है तो उसकी प्रारंभिक तनख्वाह करीब 87000 बनती है। ऐसे में लोग समझ सकते हैं कि इससे कितनी बड़ी लूट का भविष्य में रास्ता खोला जा रहा है। हालत यह है कि इस निगम का ही पूरा स्टाफ आउटसोर्सिंग कर्मचारियों से नियुक्त होगा। बोर्ड में कार्यरत महानिदेशक और कार्यकारी निदेशक व वित्त नियंत्रक के अलावा सारे पद जनरल मैनेजर, मैनेजर, महानिदेशक का व्यक्तिगत सहायक, कंपनी सचिव, सीनियर अकाउंटेंट, डाटा एंट्री ऑपरेटर, कार्यालय अधीनस्थ कर्मी, चौकीदार, स्वीपर सफाई कर्मी सब आउटसोर्स से ही नियुक्त किए जाएंगे। यदि सरकार यह कह रही है कि यह निगम स्थाई रूप से बनाया गया है तो आउटसोर्स से नियुक्त किए गए इसके सारे कर्मचारियों की ही नियुक्ति खुद योगी सरकार के शासनादेश के अनुसार गैरकानूनी है। यही नहीं जिस गवर्नमेंट मार्केट प्लेस पोर्टल यानी जेम पोर्टल की बात बार-बार की जा रही है, वह कोई नई बात नहीं है। भारत सरकार पूर्व में ही सभी सेवाओं और सामानों, खनन, टेंडर आदि को जेम पोर्टल पर ही करने की नीति लागू की हुई है। जिसके बदले में भारत सरकार का वित्त मंत्रालय न्यूनतम सेवा शुल्क के बतौर 3.85 प्रतिशत शुल्क कंपनियों से लेता है।

कुछ लोगों को यह लग रहा है कि यह निगम आने वाले समय में खुद कार्यों को कराएगा। इसके बारे में भी इसकी बहुत स्पष्ट व्यवस्था में कहा गया है। निगम सिर्फ एक नियामक निकाय के बतौर काम करेगा। यह किसी भी कार्य को खुद नहीं करेगा बल्कि विभाग द्वारा कार्य मांगे जाने पर निगम जेम पोर्टल के माध्यम से आउटसोर्स कंपनी का चयन करेगा और यह कम्पनी अपने कर्मचारियों की नियुक्ति करेगी। कर्मी शुद्ध रूप से आउटसोर्स कम्पनी के कर्मचारी माने जाएंगे जिनका सरकार से कोई वास्ता नहीं है। दरअसल इसमें भी बड़ा खेल है। विभाग द्वारा आउटसोर्स कम्पनी को चयनित करने और काम देने पर प्रधान नियोक्ता विभाग होता है और श्रम कानूनों के तहत सामाजिक सुरक्षा, वेतन और अन्य सुविधाएं श्रमिक को देना उसकी ही जवाबदेही है। अब इस प्रक्रिया में विभाग और सरकार इस सब से बच निकलेगी। निगम ने आउटसोर्स एजेंसी का न्यूनतम 3 वर्ष कार्य करने का प्रावधान किया है, जो कर्मचारियों के ग्रेच्युटी अधिकार का हनन है। ग्रेच्युटी एक्ट के अनुसार 5 वर्ष की कार्यावधि के बाद ही यह कर्मी को प्राप्त है। साफ है कि 3 वर्ष के प्रावधान से कर्मचारी ग्रेच्युटी से वंचित रह जाएंगे।

सवाल यह भी उठ रहा है कि निजी क्षेत्र में अभी आरक्षण की कोई संवैधानिक व्यवस्था नहीं है। ऐसे में एक शासनादेश द्वारा निजी कंपनियों को क्या सरकार आरक्षण के लिए बाध्य कर सकती है? यह भी लोगों को शक है कि कहीं ऐसा ना हो कि इस व्यवस्था के खिलाफ निजी कंपनियां न्यायालय की ओर न बढ़ जाएं। जहां तक ईपीएफ और ईएसआई की बात है उसकी भी एक न्यूनतम सीलिंग इस एक्ट में है। 15000 रुपए से ज्यादा पारिश्रमिक पाने वाले श्रमिक ईपीएफ और ईएसआई के दायरे में नहीं आते हैं। ऐसे में सरकार उनके ऊपर इसे कैसे लागू करेगी यह देखना बाकी है। जहां तक अंत्येष्टि के लिए 15000 रुपए श्रमिक को दिए जाने, मातृत्व हित लाभ देने, इलाज की अवधि में 70 प्रतिशत वेतन देने की बात है यह सब ईएसआई लाभों में खुद ही मौजूद है। इसमें आउटसोर्सिंग कम्पनी, सरकार अथवा विभाग की तरफ से एक पैसा भी खर्च नहीं किया जाएगा। पेंशन, मृत्यु हितलाभ भी ईपीएफ के नियमों में ही आते हैं।

सरकार का यह दावा भी खोखला है कि इस निगम के बनने के बाद आउटसोर्सिंग कम्पनियां मनमानी नहीं कर पाएंगी। निगम की व्यवस्था में जरूर यह प्रावधान है कि अनियमितता बरतने वाली कम्पनियों को ब्लैक लिस्टेड और दंडित किया जाएगा पर यह कैसे होगा इसकी क्या प्रक्रिया होगी इस पर कोई बात नहीं कही गई है। जहां तक न्यूनतम मजदूरी की बात है सातवें वेतन आयोग ने देश में 21000 रुपए न्यूनतम मजदूरी तय की थी। जो मौजूदा महंगाई दर के अनुसार 26000 रुपए होनी चाहिए। उस हिसाब से 16000 से 20000 रुपए के मासिक पारिश्रमिक की घोषणा बेहद कम है। उत्तर प्रदेश में तो हालत इतनी बुरी है कि 2014 में यहां न्यूनतम मजदूरी का वेज रिवीजन किया गया था, जो न्यूनतम मजदूरी कानून के प्रावधानों के अनुसार पांच वर्ष बाद यानी 2019 में होना था, जिसे आज तक नहीं किया गया।

कोरूटला अस्पताल में सुविधाओं की कमी पर असदुद्दीन ओवैसी से मिला प्रतिनिधिमंडल

स्वास्थ्य मंत्री से तत्काल कार्रवाई की मांग

बैतुल माल भवन निर्माण के लिए जिला कलेक्टर से भी अनुरोध, ओवैसी ने दिया आश्वासन

जगतीयल, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जगतियाल, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतीयल जिले के कोरूटला शहर में सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल की बदहाल स्थिति को लेकर एमआईएम पार्टी कोरूटला के नगर अध्यक्ष एम.ए. रफ़ी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को दारुस्सलाम पार्टी कार्यालय, हैदराबाद में पार्टी अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी से मुलाकात की। बैठक में अस्पताल में डॉक्टरों और चिकित्सा सुविधाओं की कमी को लेकर गंभीर चिंता जताई गई।

एम.ए. रफ़ी ने बताया कि कोरूटला के सरकारी अस्पताल में एमएस, ऑर्थो, एमडी, जनरल फिजिशियन, ईएनटी और नेत्र विशेषज्ञ जैसे डॉक्टरों की भारी कमी है। साथ ही ईसीजी, अल्ट्रासाउंड स्कैनिंग और अन्य नैदानिक उपकरणों की अनुपलब्धता के कारण मरीजों को निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ रहा है। अस्पताल में स्टाफ नर्स और सहायक कर्मचारियों की भी कमी है, जिससे मरीजों को उचित सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं।असदुद्दीन ओवैसी ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा से फोन पर बात की और कोरूटला अस्पताल में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और तत्काल कार्रवाई का आश्वासन दिया।ओवैसी ने कोरूटला के गाड़ी बुरुजू क्षेत्र में बैतुल माल कोरूटला मुस्लिम चैरिटी संगठन के भवन निर्माण के लिए स्थानीय मुस्लिम समुदाय से भूमि दान करने का अनुरोध किया। साथ ही उन्होंने जगतीयल जिला कलेक्टर बी. सत्य प्रसाद से ईटी दान के मुद्दों को हल करने और भवन निर्माण के लिए तत्काल परमिट जारी करने की अपील की।इस अवसर पर एम.ए. रफ़ी ने एमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी और नामपल्ली विधायक एम.ए. माजिद हुसैन को कोरूटला के नागरिकों के लिए सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में सचिव अब्दुल वाजिद, सहायक सचिव अब्दुल रहीम, मोहम्मद सलमान और पार्टी कार्यकारिणी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मंचेरियाल में साइबर जालसाज ने छात्र को 37,500 रुपए से हराया

मंचेरियाल, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रविवार को मंडमरी में एक छात्र ने एक बैंक की वेबसाइट पर शिक्षा ऋण के लिए आ-वेदन करते समय साइबर धोखेबाज के हाथों 37,500 रुपये गंवा दिए मंदमारी के उपनिरीक्षक राजशेखर ने बताया कि कस्बे के तीसरे जोन के एक छात्र को एक धोखेबाज का फोन आया जिसने चरणबद्ध तरीके से ऋण प्रक्रिया के लिए शुल्क की आड़ में उसकी शिक्षा पैन और आधार कार्ड का विवरण एकत्र कर 37,500 रुपये निकाल लिएजब छात्र को लोन नहीं मिला तो उसे ठगी का एहसास हुआ फिर उसने साइबर अपराधों की सूचना देने के लिए टोल-फ्री नंबर 1930 पर संपर्क करके पुलिस से संपर्क किया मामला दर्ज कर लिया गया है और जाँच जारी है।

जिला पुलिस अधीक्षक अपने परिवार के साथ गणेश विसर्जन में शामिल हुए

आसिफाबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुलिस अधीक्षक ने अपने परिवार के साथ जिला पुलिस अधीक्षक शिविर कार्यालय में स्थापित मिट्टी की गणपति प्रतिमा की विशेष पूजा की। तत्पश्चात, आसिफाबाद कस्बे के पेद्दावागु में श्रद्धापूर्वक विसर्जन कार्यक्रम आयोजित किया गया।पुलिस अधीक्षक ने आसिफाबाद में शांति एवं सुरक्षा के बीच गणेश नवरात्रि समारोह को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में सहयोग देने के लिए पुलिस अधिकारियों, कर्मियों, नगरपालिका कर्मचारियों एवं आम जनता का आभार व्यक्त किया।

बताया जा रहा है कि आज कागज नगर में आयोजित होने वाले विसर्जन समारोह के लिए पुलिस की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

लोगों, श्रद्धालुओं एवं उत्सव समिति के आयोजकों को सलाह दी जाती है कि वे निमार्जन उत्सव को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में पुलिस का सहयोग करें।

मंचेरियाल में प्रवासी मजदूर की हत्या का मामला बना रहस्य

मंचेरियाल, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक प्रवासी मजदूर की हत्या का मामला एक रहस्य बन गया है छत्तीसगढ़ राज्य की पुलिस की एक टीम रहस्य को सुलझाने में लगी हुई है जांच जारी है क्योंकि हत्या स्थल माने जाने वाले क्षेत्र खुदाई के बावजूद शव नहीं मिला था यह हत्याकांड हाजीपुर पुलिस और छत्तीसगढ़.राज्य की पुलिस दोनों के लिए एक चुनौती बन गया है विवरण इस प्रकार है छत्तीसगढ़ राज्य के खैराघर हुई खदान गंडई जिले के कटंगी गांव केदानव पटेल (38) उनकी पत्नी दुलश्वरी पटेल अपने बच्चों के साथ मंचेरियाल नगर निगम के अंतर्गत गुडीपेट मेडिकल कॉलेज में काम करने के लिए मजदूर के रूप में आए थे उसी राज्य राजनंद गाँव के दुलेश चौधरी दवारा मजदूर के रूप में काम करने के लिए लाया गया था वे मेडिकल कॉलेज

परिसर में श्रमिकों के लिए स्थापित शेड में रहते थे और रोजाना काम पर जाते थे इस साल 16 जून को मजदूर दुलेश चौधरी और मजदूर दानव पटेल के बीच गरमागरम बहस हुई पता चला है कि मारपीट में दानव पटेल भी घायल हुआ है इस बीच दानव पटेल की पली दुलेश्री पटेल घटना के दो दिन बाद अपने बच्चों के साथ छत्तीसगढ़ में अपनी माँ के घर चली गई जब उनके भाई सेवाराम पटेल ने उनसे दानव पटेल की अनुपस्थिति के बारे में पूछताछ तो उन्होंने कहा कि वह कुछ समय पहले आए थे जिससे परिवार में संदेह पैदा हुआ तीन अगस्त को सेव-ाराम पटेल की शिकायत के आधार पर गंडई पुलिस स्टेशन में एक गुमशुदगी और संदिग्ध मामला दर्ज किया गया था जांच के दौरान दुलेश्वरी पटेल ने स्वीकार किया कि उसने दुलेश चौधरी साथ मिलकर अपने पति दानव पटेल की हत्या कर दी थी सेवाराम पटेल की शिकायत के आधार पर हाजीपुर में गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया था ।

दुलेसवरी पटेल और दुलेश र चौधरी को संदिग्ध के रूप में नामित किया गया था स्थानीय पुलिस शुक्रवार को जांच के सिलसिले में संदिधों के साथ यहां आई थी हाजीपुर पुलिस की मदद से गुडीपेट मेडिकल कॉलेज पीछे जंगल के बाहरी इलाके में आरोपियों द्वारा बताए गए तीन क्षेत्रों में जेसीबी से खुदाई की गई पुलिस तब हैरान रह गई जब उन्होंने कहा कि लाश यही इधर-उधर दफ़न कर दी गई थी और आखिर में कहा कि कोई निशान नहीं बचा लगता है कि ये घटना विवाहेतर संध के चक्कर में हुई है।

मंचेरियाल और आसिफाबाद में यूरिया की केवल आधी आपूर्ति ही पहुंची!

मंचेरियाल, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले को अभी तक जिले में उगाई जा रही विभिन्न फसलों के लिए आवश्यक यूरिया का आधा कोटा नहीं मिला है जिससे किसान चिंतित हैं अधिकारियों के अनुसार कुमराम भीम आसिफाबाद ज़िले में 4.45 लाख एकड़ में विभिन्न फसलें उगाई जा रही हैं कपास 3.35 लाख एकड़ में और धान 55,000 एकड़ में उगाया जा रहा है। लाल चना 32,000 एकड़ में उगाया जाता है जबकि मूंग, सोया और अन्य बागवानी फसलों की खेती का रकबा 23,000 एकड़ है अधिकारियों

ने बताया कि ज़िले को अब तक 60,000 मीट्रिक टन यूरिया की ज़रूरत में से 25,000 मीट्रिक टन यूरिया मिल चुका है ज़िले को 50 प्रतिशत से ज़्यादा उर्वरक भेजने की ज़रूरत है जो एक निराशाजनक स्थिति को दर्शाता है। अधिकारियों ने भरोसा जताया कि यूरिया की बाकी मात्रा भी जल्द ही ज़िले में पहुँच जाएगी हालांकि ज़िले में यूरिया की कमी के कारण किसानों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है यूरिया बेचने वाली प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों पर किसानों की लंबी कतारें लग रही हैं वे उर्वरक खरीदने के लिए समितियों पर लंबे समय से बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं कतारों में खड़े होने के दौरान उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है उदाहरण के लिए यूरिया खरीदने के लिए किसान दोपहर का खाना छोड़ने को मजबूर हैं कुछ किसानों को स्थानीय राज-नेता खाना खिलाते हैं जो सोशल मीडिया के ज़रिए उनकी दुर्दशा जानने के बाद उनकी मदद के लिए आगे आते हैं हाल ही में बेज्जुर मंडल में यूरिया खरीदने के लिए कतार में इंतज़ार करते हुए एक किसान बेहोश हो गया

इस बीच अधिकारियों ने बताया कि मंचेरियल ज़िले को 28,506 मीट्रिक टन यूरिया की आवश्यकता के मुकाबले 20,222 मीट्रिक टन यूरिया प्राप्त हुआ है उन्होंने बताया कि शेष उर्वरक एक-दो हफ़्ते में ज़िले में भेज दिया जाएगा उन्होंने आगे बताया कि यूरिया की कमी के कारण किसानों को होने वाली असुविधा से बचाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं किसानों का आरोप है कि यूरिया महाराष्ट्र भेजा जा रहा है उन्होंने अधिकारियों पर झूठे आंकड़े दिखाने और उच्च अधिकारियों को गुमराह करने का आरोप लगाया ज़िले में 3.10 लाख एकड़ में कपास धान और अन्य फ़सलें उगाई जा रही है।

श्री शांतिनाथजी महाराज की 13वीं पुण्यतिथि पर भव्य जागरण एवं महाप्रसादी

बैंगलोर/ आसिफाबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिनि मिल रोड स्थित श्री विश्वकर्मा जांगिड़ समाज भवन में शनिवार रात को श्री शांतिनाथजी महाराज की 13वीं पुण्यतिथि पर एक शाम श्री शांतिनाथजी के नाम भव्य जागरण का आयोजन हुआ। यह आयोजन श्री शांतिनाथजी गो सेवा मंडल के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।भजन मंडली के कलाकारों ने श्री शांतिनाथजी की महिमा का गुणगान करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो दिया।

रात्रिभर गूंजते भजनों व भक्ति गीतों से वातावरण आध्यात्मिक और भक्तिमय बना रहा।अगले दिन रविवार को महाप्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया और पुण्य लाभ अर्जित किया। यह आयोजन समाज की एकता और श्रद्धा का प्रतीक बनकर सभी के लिए अविस्मरणीय साबित हुआ।

मंचेरियाल में सड़क दुर्घटना के चार दिन बाद दो युवकों के शव मिले

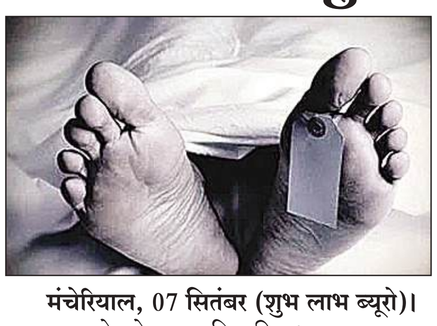

मंचेरियाल, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महाराष्ट्र के दो युवक जिनकी बुधवार रात सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी उनके शव चार दिन बाद कोटापल्ली मंडल के एर्रायपेट गांव में एनएच 63 पर एक पुलिया के नीचे मिले पुलिस ने मृतकों की पहचान सिरोंचा तालुका के थुम्मुनुर गाँव के सिद्दू रामुलु बागुरु सिंह (22) और नागेश राजन्ना मोहत्री (25) के रूप में की है।

गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए संगीत उपकरण खरीदकर दोनों मंचेरियल कस्बे से लौट रहे थे तभी यह हादसा हुआ पुलिस के अनुसार एक मोड़ पर मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर एक पुलिया से टकरा गई टक्कर के कारण दोनों युवक पुलिया के नीचे गिर गए और उनकी तत्काल मौत हो गई चूँकि किसी को इस दुर्घटना का पता नहीं चला इसलिए उनके शव घटनास्थल पर ही पड़े रहे शनिवार रात पुलिया से दुर्गंध आने पर स्थानीय लोगों को शव मिले इसके बाद पुलिस ने हाईवे पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जाँच की और दुर्घटना की पुष्टि की।

सिरपुर विधायक ने 37 लाभार्थियों को इंदिराम्मा आवास अनुदान के दस्तावेज़ वितरित किए

कागजनगर/ आसिफाबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिरपुर विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने आज मंडल केंद्र स्थित रायथु वेदिका में 37 लाभार्थियों को इंदिराम्मा आवास अनुदान के दस्तावेज़ वितरित किए।

इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने सभी लाभार्थियों से आगामी दशहरा नवरात्रि में आवास निर्माण कार्य शुरू करने और केंद्र एवं राज्य सरकार के सहयोग से क्रियान्वित की जा रही इस योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया।बताया गया कि राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत पेसरकुंटा और मोतलागुड़ा गाँवों के लिए नए ग्राम पंचायत भवन स्वीकृत किए गए

हैं और जल्द ही इनका शिलान्यास किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कलवाड़ा, ओड्डुगुड़ा के बीच दोहरी सड़क और पीपी राव कॉलोनी व सुरजापुर के बीच बीटी सड़क स्वीकृत की गई है और ये कार्य भी जल्द ही शुरू किए जाएँगे।उन्होंने आश्वासन दिया कि जिन किसानों को फसल का नुकसान हुआ है, उन्हें निराश नहीं होना चाहिए, वे यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी को फसल नुकसान का मुआवजा मिले।

एमपीडीओ राजेंद्र, एमएमआरओ शरीफ, एमपीओ रविकुमार, सिंगल विंडो चेयरमैन तिरूपति गौड़, भाजपा जिला महासचिव धनुंजय, मंडल अध्यक्ष दामोदर, टेलीकॉम सलाहकार समिति के सदस्य प्रभाकर गौड़, सिंगल विंडो निदेशक श्रीनिवास, शंकर, शंकर गौड़, सत्तैया, श्रीनिवास गौड़, संजीव, सत्यम, इस्तारी, वनजा, रोशन, वेंकन्ना, सुरेश गौड़, राजू, राकेश, सदाय्या, श्रीकांत, राजन्ना, वेंकन्ना, परमेश, मल्लेश, लकमाजी, अहमद लाभार्थियों ने भाग लिया।

संकल्प विशेष कार्यक्रम में कानूनों के प्रति जागरूकता जरूरी : युवराजू

आसिफाबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला महिला कल्याण विभाग, जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र के तत्वावधान में जिले में 10 दिनों तक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। जिला महिला कल्याण विभाग अधिकारी आदेपु भास्कर, जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र समन्वयक शारदा के साथ शनिवार को जिले के वानकीडी मंडल के बेंडारा स्थित डिग्री कॉलेज में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा संगठन की सचिव ने कहा कि देश में उत्पीड़ित समुदायों की महिलाओं को कानूनों के प्रति

जागरूकता बढ़ानी चाहिए और उत्पीड़न पर काबू पाने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान ने कानूनों के माध्यम से कुछ विशेष अधिकार प्रदान किए हैं, दहेज उत्पीड़न निषेध कानून, बाल विवाह निषेध, फॉक्सो, महिलाओं की तस्करी, लैंगिक समानता, मौलिक अधिकार और नए लागू कानूनों को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं, महिलाओं में अंतरिक्ष तक जाने का साहस और सहनशक्ति है। उन्होंने साक्षरता, शासन, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व करके आगे आने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार छात्राओं को स्वास्थ्य, शिक्षा और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रमों के माध्यम से लड़कियों की देखभाल के लिए कदम उठाए जाएँगे और महिलाओं के कल्याण के लिए 1098, 181, 112, 14567, 1930, 100 जैसे हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए।

महिला सशक्तिकरण केंद्र के कर्मचारी, कॉलेज प्रभारी प्राचार्य देवेंद्र, वानकिडी कॉलेज के प्राचार्य चंद्रैया, छात्राएँ और अन्य लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

गणेश उत्सव के दौरान महिलाओं से छेड़छाड़ के आरोप में पांच लोगों पर मामला दर्ज

मंचेरियाल, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान शुक्रवार रात महिलाओं को परेशान करने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया पुलिस ने बताया कि कस्बे की रानी सतीश कॉलोनी में आयोजित उत्सव में महिला श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में मयूर, सिद्दू, कार्तिक, गणेश और विनायक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है सादे कपड़ों में गश्त कर रही।

डक्ए टीम के सदस्यों ने पांचों को हिरासत में लेकर मामला दर्ज किया डक्ए टीम प्रभारी एए-सआई बी सुशीला ने लोगों को सलाह दी कि किसी भी तरह के उत्पीड़न परेशानी या आपात स्थिति में 100 नंबर या 8712659953 पर डक्ए टीम से संपर्क करें इस अभियान में हेड कांस्टेबल वाणीश्री और स्टाफ रोहिणी व लावण्या ने भी हिस्सा लिया।

सेंसेक्स की प्रमुख सात कंपनियों का मार्केट कैप 1.06 लाख करोड़ बढ़ा

बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे आगे

नई दिल्ली,07 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1,06,250.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। सबसे अधिक लाभ बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज में हुआ। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 37,960.96 करोड़ रुपये बढ़कर 5,83,451.27 करोड़ रुपये हो गया। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्य 23,343.51 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 18,59,767.71 करोड़ रुपये पर पहुंचा। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 17,580.42 करोड़ रुपये बढ़कर 14,78,444.32 करोड़ रुपये हो गया। एलआईसी का मूल्यांकन भी 15,559.49 करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 5,54,607.42 करोड़ रुपये पहुंचा। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्य 4,246.09 करोड़ रुपये बढ़कर 7,44,864.69 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक के बाजार मूल्य में भी क्रमश: 4,134.02 करोड़ और 3,426.46 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्य 13,007.02 करोड़ रुपये घटकर 11,02,955.89 करोड़ रुपये रह गया। इन्फोसिस का मूल्यांकन 10,427.47 करोड़ रुपये गिरकर 6,00,036.47 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत भी 6,296.91 करोड़ रुपये घटकर 6,18,694.37 करोड़ रुपये रह गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष स्थान पर कायम रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी की स्थिति बनी रही। इस सप्ताह के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारतीय शेयर बाजार में प्रमुख कंपनियों की बाजार पूंजीकरण में मजबूती बनी हुई है।

न्यूज ब्रीफ

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ योजना: सुरक्षित और लाभकारी बचत का विकल्प, हर साल 50,000 रुपये बचाइए

नई दिल्ली । पोस्ट ऑफिस की पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) योजना केंद्र सरकार द्वारा संचालित एक सुरक्षित बचत योजना है। इस पर वर्तमान में 7.1 फीसदी वार्षिक ब्याज मिलता है, जो निवेशकों के लिए आकर्षक रिटर्न प्रदान करता है। पीपीएफ खाते में न्यूनतम 500 रुपये और अधिकतम 1.5 लाख रुपये सालाना जमा किए जा सकते हैं। खाता 15 साल की अवधि में मैच्योर होता है, जिसे 5-5 साल की अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है। यदि आप हर साल 50,000 रुपये जमा करते हैं, तो 15 साल बाद कुल राशि लगभग 13,56,070 रुपये बनती है, जिसमें आपकी जमा राशि और ब्याज दोनों शामिल हैं। पीपीएफ खाते में आपातकालीन जरूरतों के लिए लोन भी लिया जा सकता है। निकासी 5 साल पूरे होने के बाद ही संभव है, हालांकि कुछ विशेष परिस्थितियों में पहले भी निकासी की अनुमति है। यह योजना सरकार द्वारा समर्थित है, इसलिए यह पूरी तरह सुरक्षित है। अगर सालाना न्यूनतम जमा नहीं किया गया तो जुर्माना देकर खाता सक्रिय कराया जा सकता है।

सरकार ने तय किए 42 जीवनरक्षक दवाओं के खुदरा दाम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें तय कर दी हैं। इनमें ज़ाइडस हेल्थकेयर की मेरोपीनम एंड सलबेक्टम इंजेक्शन की कीमत 1938.59 प्रति वायल और इप्का लेबोरेट्रीज़ की मायकोफेनोलेट माफेटिल टेबलेट की कीमत 131.58 प्रति टैबलेट तय की गई है। ये दवाएं गंभीर संक्रमण और अंग प्रत्यारोपण के बाद ऑर्गन रिजेक्शन रोकने में इस्तेमाल होती हैं। इसके अलावा, एबॉट हेल्थकेयर की क्लेरिथ्रोमायसिन ईआर टेबलेट की कीमत 71.71 रुपए प्रति टैबलेट तय की गई है। एनपीपीए ने सभी दवा निर्माताओं को निर्देश दिया है कि वे निर्धारित मूल्य सूची डीलरों, राज्य औषधि नियंत्रकों और सरकार को सौंपें। साथ ही, सभी रिटेलरों और ऑनलाइन फार्मेसियों को यह सूची सार्वजनिक और स्पष्ट स्थान पर प्रदर्शित करनी होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से मरीजों को राहत मिलेगी और दवा विक्रेताओं द्वारा की जाने वाली अनियमित मुनाफाखोरी पर नियंत्रण होगा।

भारत में मानसून के दौरान कोयला आयात में 16.4 फीसदी की गिरावट

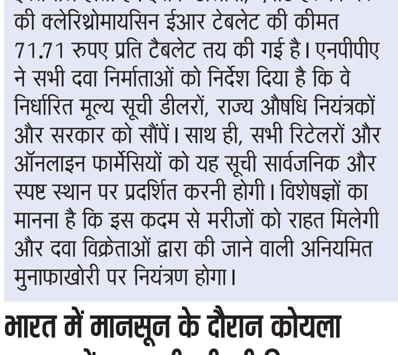

नई दिल्ली। मानसून के मौसम में सुस्त मांग और स्टॉक की बेहतर उपलब्धता के कारण जुलाई 2025 में भारत का कोयला आयात 16.4 प्रतिशत घटकर 2.10 करोड़ टन रह गया। एक साल पहले इसी महीने यह 2.52 करोड़ टन था। नॉन-कोकिंग कोयले का आयात जुलाई में 1.15 करोड़ टन था, जो पिछले वित्त वर्ष के जुलाई में 1.65 करोड़ टन था। वहीं, कोकिंग कोयले का आयात 58.5 लाख टन रहा, जो पिछले साल की तुलना में बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) के दौरान भारत का कुल कोयला आयात 9.74 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 10.04 करोड़ टन था। एक साल पहले सितंबर में कोयला आयात 2.52 करोड़ टन था इस अवधि में नॉन-कोकिंग कोयले का आयात 6.06 करोड़ टन था, जो पिछले साल के 6.56 करोड़ टन से कम है। वहीं कोकिंग कोयले का आयात 2.22 करोड़ टन रहा, जो पिछले वित्त वर्ष के 2.02 करोड़ टन से अधिक है।
चएमजंक्शन' सर्विसेज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मानसून के कारण कोयले की मांग सुस्त रही, लेकिन सितंबर के अंत से शुरू होने वाले त्योहारी सीजन में मांग में तेजी आने की उम्मीद है। इससे कोयला आयात में फिर से वृद्धि हो सकती है। कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि मानसून के दौरान कोयले की किसी भी कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। सरकार बिजली सहित विभिन्न क्षेत्रों में मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वोट चोरी की...

संकट के बीच ही यात्राएं करते हैं, साथ ही भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को बढ़ावा भी देते हैं। साल 2019 में उनकी बैंकॉक यात्रा इसी तरह से विवादों में आई थी। उस समय भी चुनावों के बीच में छोड़कर वो घूमने निकल गए थे। इन सवालों के पीछे की वजह भी ठोस है। राहुल गांधी ने विदेश यात्राओं के दौरान कई बार भारत विरोधी तत्वों से मुलाकात की है। उदाहरण के लिए साल 2023 में ही उन्होंने अमेरिका की यात्रा के दौरान हिंदू फॉर ह्यूमन राइट्स की सह-संस्थापक सुनीता विश्वनाथ से मुलाकात की। यह संस्था हिंदुओं की नहीं बल्कि एक इस्लामवादी वकालत समूह है, जो भारत में मुसलमानों से भेदभाव करने का हिंदुओं पर आरोप लगाता है।

साल 2022 के अप्रैल महीने में जब कांग्रेस पार्टी को नेतृत्व की जरूरत थी और प्रशांत किशोर को कांग्रेस में शामिल करने की चर्चा चल रही थी, उस समय भी वे बेफिक्र होकर घूमने निकल गए थे। प्रशांत किशोर के पार्टी में शामिल होने से इनकार करने के तुरंत बाद राहुल गांधी लगभग 10 दिनों के लिए अचानक गायब हो गए और उनकी कोई जानकारी नहीं मिल पाई। उस दौरान कांग्रेस पार्टी को बिना किसी नेतृत्व के काम करना पड़ा जबकि पार्टी गहरे संकट में थी। इससे पहले, दिसंबर 2021 में, जब पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव में पार्टी को करारी हार मिली थी, राहुल गांधी निजी यात्रा के लिए इटली के दौरे पर थे। उनकी यात्रा की ही वजह से उस समय पंजाब में चुनावी तैयारियों को बड़ा झटका लगा क्योंकि कई रैलियां उनकी वापसी तक टाल दी गईं। उनकी यही यात्रा आम आदमी पार्टी की जीत और उनकी अपनी पार्टी के सफाया होने की वजह बनी।

सितंबर 2021 में, जब पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह के इस्तीफे के कारण कांग्रेस संकट में थी, उस वक्त भी गांधी परिवार शिमला में छुट्टियां मना रहा था। दिसंबर 2020 में जब कांग्रेस पार्टी का 136वाँ स्थापना दिवस मनाया जा रहा था, राहुल गांधी फिर इटली चले गए। इसी तरह अक्टूबर 2019 में हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनावों से ठीक 15 दिन पहले वो बैंकॉक चले गए थे। इसी तरह 2019 के लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद, बिना नतीजे देखे ही लंदन रवाना हो गए और छुट्टियां मनाने लगे। यहां तक कि उन्होंने सोनिया गांधी द्वारा बुलाई गई अहम बैठक में भी हिस्सा नहीं लिया। इसके अलावा, राहुल गांधी अक्सर अपनी विदेश यात्राओं के दौरान एसपीजी सुरक्षा (विशेष सुरक्षा दल) नहीं लेते थे और सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते रहे। इसी कारण सरकार ने उनकी एसपीजी सुरक्षा वापस ले ली। इस पर संसद में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी सवाल उठाए।

बिहार के बाद...

मतदाताओं को अपनी पहचान और नागरिकता साबित करने के लिए 11 दस्तावेजों में से एक देना होगा, जैसे पासपोर्ट या जन्म प्रमाण पत्र। सुप्रीम कोर्ट के सुझाव पर आधार कार्ड को भी मान्य किया गया है। बिहार में एक अगस्त को ड्राफ्ट सूची जारी हुई थी, और 30 सितंबर तक अंतिम सूची आएगी। देशभर में भी यही प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

इस प्रक्रिया पर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। कांग्रेस और अन्य दलों का कहना है कि यह जल्दबाजी में हो रहा है और गरीब, प्रवासी या अल्पसंख्यक समुदायों के वोटरों को सूची से हटाया जा सकता है। बिहार में 65 लाख नाम हटने पर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं भी दायर हुईं। विपक्ष का आरोप है कि यह प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है और इससे मताधिकार छिन सकता है। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और कोई भी योग्य वोटर छूटेगा नहीं। आरोप लगाने वाली विपक्षी पार्टियों ने चुनाव आयोग के बार-बार आग्रह के बावजूद औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज नहीं कराई। यहां तक कि चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को हलफनामा के जरिए शिकायत दर्ज कराने को कहा, लेकिन राहुल गांधी उससे कन्नी काट गए। वे बिहार में अधिकार यात्रा करते-करते पिकनिक यात्रा पर विदेश यात्रा पर निकल गए।

चारों तरफ...

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), सेना, सीमा सुरक्षा बल, पंजाब पुलिस, और जिला प्रशासन दिन-रात राहत कार्यों में जुटे हैं। करीब 200 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जहां 7,000 से ज्यादा विस्थापित लोग शरण लिए हुए हैं। एनडीआरएफ की 23 और एसडीआरएफ की दो टीमें 144 नावों के साथ बचाव कार्यों में लगी हैं। पंजाब सरकार ने विशेष गिरदावरी शुरू की है ताकि नुकसान का आकलन कर मुआवजा दिया जा सके। पंजाब 1.75 लाख हेक्टेयर खेत बर्बाद हो चुके हैं। धान, कपास, गन्ना, और अन्य फसलों को भारी नुकसान हुआ है, जिससे किसानों की आजीविका पर गहरा संकट मंडरा रहा है। घग्गर नदी का जलस्तर भी खतरे के निशान से ऊपर है, जिसने स्थिति को और जटिल बना दिया है।

पंजाब के पड़ोसी हरियाणा के पांच जिलों में माइनर, ड्रेनें और तटबंध टूट गए हैं। सौ से ज्यादा गांवों में पानी भर गया है। कैथल, सिरसा और हिसार में घग्गर ओवरफ्लो होकर बह रही है। इससे 2748 गांवों में जलभराव हो गया है। यमुना में कटाव जारी है। बारिश और नदियों के उफान में कमी आने के बावजूद हरियाणा के आठ जिलों को जलभराव से कोई राहत नहीं मिल पाई है। कैथल, सिरसा व हिसार में घग्गर नदी व ड्रेन ओवरफ्लो होकर तबाही मचा रही हैं जबकि फरीदाबाद में यमुना व कुरुक्षेत्र में मारकंडा खतरे के निशान पर बह रही है। शनिवार को इन पांचों जिलों में तीन तटबंध, दो-दो ड्रेनें व माइनर, एक छोटा बांध टूट गया। इससे 100 से अधिक गांवों में पानी भर गया और हजारों एकड़ फसल प्रभावित हुई है। इसके अलावा सोनीपत, करनाल और यमुनानगर में लगातार भूमि कटाव हो रहा है। इससे लोगों की फसलें व भूमि पानी के साथ बह रही है। प्रदेश में 2,748 गांवों में लोग पहले ही जलभराव का दंश झेल रहे हैं।

इसी बीच अंबाला में दो लोग बरसाती नदी में बह गए जबकि एक बच्चे की खेतों में टांगरी नदी का पानी भरने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार अंबाला में पंजाब की सीमा से सटे भुनी गांव में खेतों में जलभराव में पांच बच्चे नहाने चले गए। चार को तो बचा लिया गया जबकि मनवीर (12) लापता हो गया। इसी तरह दुखेड़ी गांव में बरसाती नदी ओमना की पुलिया से गुजरते समय ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पानी में समा गई। इससे दो लोग बह गए। भिवानी के गांव सागवान में जलभराव में भी एक व्यक्ति का शव मिला है।

हरियाणा के 12 जिले बाढ़ जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। 27 साल बाद सामान्य से 48% ज्यादा बारिश से चारों प्रमुख नदियां यमुना, मारकंडा, टांगरी और घग्घर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। अंबाला, फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, कैथल, रोहतक, पलवल, सिरसा व दादरी के हजारों घर पानी में घिरे हैं। अब तक 24 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। 1.92 लाख किसानों की 11 लाख एकड़ फसल को नुकसान पहुंचा है। पलवल, फरीदाबाद, फतेहाबाद, भिवानी, कुरुक्षेत्र व अंबाला में 2,247 लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। झज्जर के बहादुरगढ़ में सेना के जवान भी बचाव अभियान में जुटे हुए हैं। हाल ये है कि प्रदेश के पांच नेशनल हाईवे पर यातायात बाधित चल रहा है।

उत्तर प्रदेश के मथुरा और वृंदावन में बाढ़ के चलते हालात भयावह होते जा रहे हैं। यमुना का पानी रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया है। जनजीवन पूरी तरह से ठप हो गया है। डीएम और एसएसपी रविवार को प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने ट्रैक्टर पर सवार होकर पहुंचे। जलस्तर और बढ़ने से बस्तियों की तरफ पानी काफी बढ़ गया है। लक्ष्मीनगर क्षेत्र की तिवारीपुरम कॉलोनी के साथ ही आसपास के आधा दर्जन गांवों में बाढ़ के हालात विकराल हो गए हैं। पूरे दिन यमुना का पानी सड़क पार कर कॉलोनियों में भरता रहा। सड़क पर बहाव इतना तेज था कि आवागमन में भी परेशानी हुई। वहीं आसपास के गांव ईसापुर, हंसगंज आदि में सात से आठ फीट तक पानी भर गया। यहां मकान एक मंजिल तक डूब गए हैं। इलाके में साफ पानी की आपूर्ति ठप है। बिजली न आने से नलकूप नहीं चल रहे हैं। ऐसे बारिश के पानी को ही जमा करके पीने को मजबूर हैं। टंकी और बाल्टियों में बारिश का पानी जमा कर लिया है, उसी को छानकर पी रहे हैं। बिजली की कटौती के कारण नौहझील क्षेत्र के बाढ़ पीड़ितों का संकट और गहरा गया है।

बंगाल के...

आरोप लगाया है कि 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले यह अल्पसंख्यकों को डराने की चाल है। अनुसूचित जाति वर्ग में आने वाले मतुआ समुदाय के लोग मूल रूप से बांग्लादेश के हैं। मतुआ लोग 1947 में हुए देश के विभाजन और 1971 में बांग्लादेश बनने के दौरान हुए युद्ध के बाद पश्चिम बंगाल में आ गए। पश्चिम बंगाल में उनके असर को देखते हुए भाजपा व टीएमसी दोनों ही उन्हें अपने साथ लाने की कोशिश करती हैं।

भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले सीएए लागू करने का वादा किया था। इस वजह से उसे मतुआ समुदाय का वोट मिला और भाजपा को तब पश्चिम बंगाल में अपनी सबसे बड़ी जीत मिली। भाजपा ने राज्य की 42 में से 18 लोकसभा सीटें जीती थी। पश्चिम बंगाल सरकार मानती है कि राज्य में मतुआ समुदाय की आबादी लगभग 17 प्रतिशत है और कम से कम 30 विधानसभा सीटों पर इस समुदाय के मतदाताओं का असर है। जबकि मतुआ समुदाय के नेता कहते हैं कि उनकी हिस्सेदारी 20 प्रतिशत तक है और वे विधानसभा की 40-45 सीटों को प्रभावित करते हैं।

बिहार की तरह पश्चिम बंगाल में भी वोटर लिस्ट के एसआईआर को लेकर मतुआ समुदाय के लोग परेशान हुए और उन्होंने कांग्रेस से सम्पर्क किया। यहां तक कि एक स्थानीय भाजपा नेता बिहार जाकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी से भी मिले। इससे भाजपा के भीतर खलबली मच गई। भाजपा जानती है कि अगर उसे पश्चिम बंगाल में सरकार बनानी है तो हिंदू मतदाताओं को पूरी तरह अपने साथ रखना होगा और इसमें मतुआ समुदाय काफी अहम है।

भाजपा के नेताओं का मानना है कि नए नियम लागू होने के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति बदल सकती है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, हमें उम्मीद है कि अगले विधानसभा चुनावों में ध्रुवीकरण और बढ़ेगा। नए नियम से न सिर्फ मतुआ वोट मिलेंगे बल्कि हिंदू मतदाताओं में भी भरोसा बढ़ेगा। ममता बनर्जी मतुआ वोटों की अहमियत समझती हैं। ममता ने विधानसभा में कहा, भाजपा बंगाल विरोधी है और उसके नेता चोर हैं। चुनाव आते ही ये सीएए और एनआरसी की बात करने लगते हैं। 2019 में आपने कहा था सबको नागरिकता मिलेगी। लेकिन क्या हुआ?

गाजा-फंड...

पुलिस ने इनमें से दमिश्क के रहने वाले अली मेघत अल-अजहर को अहमदाबाद के एलिसब्रिज इलाके के एक होटल से 23 अगस्त 2025 को गिरफ्तार किया था। उसके पास से 3,600 अमेरिकी डॉलर और 25,000 रुपए नकद बरामद हुए थे। इस होटल में ये तीनों भी रुके थे। क्राइम ब्रांच की जांच में सामने आया था कि चारों लोग टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे। वे 22 जुलाई को कोलकाता उतरे और 2 अगस्त को अहमदाबाद पहुंच गए। यहां आरोपी ने मस्जिदों में जाकर गाजा में भूखे परिवारों के वीडियो दिखाकर चंदा इकट्ठा किया।

पुलिस को अब तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि यह पैसा गाजा भेजा गया हो। यह जांच का विषय है कि वे पहले कोलकाता क्यों गए और फिर अहमदाबाद क्यों आए। यह भी पता लगाया जा रहा है कि वे वास्तव में चंदा इकट्ठा कर रहे थे या किसी और मकसद से भारत आए थे। उन्होंने बताया कि अमेरिकी डॉलर की बरामदगी और कुछ डिजिटल लेन-देन भी शक पैदा करते हैं। पुलिस अब उनकी गतिविधियों और संपर्कों को समझने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित कुछ संदिग्ध लोगों के संपर्क में थे।

गुजरात एंटी-टेररिज़्म स्क्वॉड (एटीएस) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भी इस मामले की जांच शुरू कर दी है, ताकि आरोपियों के असली इरादों का पता लगाया जा सके और यह जाना जा सके कि इकट्ठा किया गया पैसा कहां भेजा गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि उनके नेटवर्क और संपर्कों का पता चल सके। पूछताछ में एक आरोपी ने माना था कि यह पैसा उन्होंने शानो-शौकत और मौज-मस्ती पर खर्च किया। पुलिस के मुताबिक, दान इकट्ठा कर उन्होंने अपने वीजा नियमों का उल्लंघन किया है। सरकार ने अब उन्हें ब्लैकलिस्ट और डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर रही है।

भाजपा की...

सांसदों ने जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। भाजपा और उसके सहयोगी दलों को उम्मीद है कि इस कदम से उन्हें नवंबर में होने वाले बिहार चुनावों में बढ़त मिलेगी।

पंजाब और देश के अन्य इलाकों में बाढ़ से तबाही को देखते हुए 8 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक आवास पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सांसदों के लिए आयोजित होने वाले रात्रिभोज को रद्द कर दिया गया है। इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की तरफ से सांसदों को शनिवार को दिया जाने वाला रात्रिभोज भी रद्द कर दिया गया था।

बाढ़ के कारण...

अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं विपक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी सुदर्शन रेड्डी मैदान में हैं। दोनों ही उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं। सुदर्शन रेड्डी तेलंगाना के रहने वाले हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर और राज्यसभा के सचिव पीसी मोदी ने बताया कि मतदान नौ सितंबर को सुबह 10 बजे शुरू होगा और शाम 5 बजे बंद होगा। मतदान संसद भवन के कमरे नंबर एफ-101, वसुधा में होगा। वोटों की गिनती उसी दिन शाम छह बजे शुरू होगी और तुरंत परिणाम घोषित किया जाएगा। गौरतलब है कि मतदान के लिए दोनों सदनों के सांसदों को मिलाकर कुल 788 सदस्य (अभी 781 सक्रिय सदस्य) हिस्सा लेंगे, जिसमें 233 राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य, 12 राज्यसभा के नामित सदस्य और 543 लोकसभा के निर्वाचित सदस्य शामिल हैं।

अशोक स्तंभ...

शुरुआत में लोगों ने नारेबाजी की। इसके बाद कुछ लोगों ने शिलापट्टी को ईंट-पत्थर से तोड़ दिया। उन्होंने शिलालेख पर पत्थर फेंके। हजरतबल दरगाह में हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। विवाद के बाद दरगाह पर बड़ी तादाद में पुलिस तैनात की गई है। सीसीटीवी और वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने 26 लोगों को गिरफ्तार किया है। पूरे मामले में पुलिस की तरफ से जांच की जा रही है। आगे और भी गिरफ्तारियां की जा सकती हैं। अब भारत के राज्य जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का हाल देखिए। उमर अब्दुल्ला ने अशोक चिन्ह तोड़े जाने पर कोई सवाल नहीं उठाया बल्कि उन्होंने दरगाह में प्रतीक चिन्ह लगाए जाने पर ही सवाल उठाया। उन्होंने तोड़फोड़ में शामिल लोगों को हिरासत में लिए जाने पर भी आपत्ति जताई और कहा कि प्रतीक चिन्ह को मस्जिद में लगाने की क्या जरूरत थी? जबकि जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष दरख्शां अंद्राबी ने कहा कि तोड़फोड़ के पीछे के लोग सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे और उनके साथ कानून तोड़ने वालों जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए। दरख्शां अंद्राबी ने राष्ट्रीय प्रतीक को तोड़ने वालों को गुंडा तत्व कहा और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। यहां तक कि उन्होंने सख्त सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत केस दर्ज करने की बात भी कही। प्रदेश के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी तोड़फोड़ की निंदा की और कहा कि वह इस कृत्य से बहुत व्यथित हैं।

विवाद के तूल पकड़े जाने पर जम्मू कश्मीर पुलिस ने हजरतबल दरगाह में अशोक चिन्ह तोड़े जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 76/2025 के तहत नगीन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 08 सितंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

गणेश विसर्जन पर एसबीआई ने बांटे लड्डू और पेयजल

10,000 श्रद्धालुओं को दी गई सेवा
37 वर्षों से जारी है सेवा परंपरा
अमरावती सर्कल के उप महाप्रबंधकों ने किया वितरण

हैदराबाद, 07 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, अमरावती सर्कल द्वारा सामुदायिक सेवा बैंकिंग गतिविधियों के तहत गणेश विसर्जन के अवसर पर श्रद्धालुओं को लड्डू और पेयजल के पैकेट वितरित किये गए।

यह सेवा अमरावती एलएचओ परिसर, हैदराबाद में की गई, जहाँ लगभग 10,000 श्रद्धालु भगवान गणेश के विसर्जन दर्शन के लिए पहुंचे थे।इस सेवा मेंसुशील कुमार हांस एवं उमेश कुमार, उप महाप्रबंधक, एसबीआई अमरावती सर्कल ने भाग लिया। उनके साथ एलएचओ अमरावती सर्कल के अन्य गणमान्य अधिकारी एवं स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

उप महाप्रबंधकों ने बताया कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पिछले 37 वर्षों से गणेश विसर्जन के दौरान लड्डू और पेयजल वितरण की सेवा करता आ रहा है और यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि बैंक विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेता है और समाज की सेवा के लिए अपने प्रयासों को निरंतर विस्तारित कर रहा है।

श्रीकृष्ण कथा स्थल पर भूमि पूजन कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 07 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आशुतोष महाराज जी की असीम कृपा से दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा श्री चिन्ना अनन्तगिरि शिवालयम्, पिलर नं. 143, अत्तापुर, हैदराबाद में आयोजित होने वाले श्रीकृष्ण कथा महोत्सव के शुभारम्भ से पूर्व रविवार को कथा स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन का पावन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

आगामी श्रीकृष्ण कथा महोत्सव 14 से 20 सितम्बर 2025 तक प्रतिदिन सायं 3:30 बजे से 7:00 बजे तक आयोजित होगा।

इस अवसर पर स्वामी प्रदीपनन्द जी और साध्वी भावना भारती जी के साथ अत्तापुर मंडल के अनेक गणमान्य अतिथि एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विशेष रूप से संतोष अग्रवाल, बाबूलाल जोशी, सरवन कुमार व्यास, लक्ष्मीकांत व्यास, नौरतमल कुमावत, सुरेश मोदी, प्रीतेश मोदी और पवन भारती ने अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। सभी ने आगामी कथा महोत्सव की सफलता और भगवान श्रीकृष्ण की अमृतमयी लीलाओं के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने की मंगलकामना व्यक्त की।

यह आयोजन भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य जीवन और शिक्षाओं से प्रेरणा प्राप्त करने का एक अनुपम अवसर प्रदान करेगा।

अग्रवाल शिक्षा समिति की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति की वार्षिक साधारण सभा समिति के सेडमल हॉल में अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सभा का शुभारंभ वंदे मातरम् गीत और मंचासीन गणमान्यजनों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

मंच पर समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया, ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमेन डॉ. श्याम सुंदर, मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल, मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. मोहन गुप्ता, संयुक्त मंत्री राजेश नरेड़ी एवं राजेश अग्रवाल उपस्थित थे।

अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह मेरे लिए गर्व की बात है कि समिति के शतकीय वर्ष में मुझे नेतृत्व का अवसर मिला। समिति आज 13 शिक्षण संस्थानों के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को शिक्षा प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष समिति ने बीबीए कोर्स प्रारंभ किया है और शीघ्र ही लॉ कॉलेज की शुरुआत की जाएगी।

मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने वर्ष 2024-

शतकीय वर्ष में नई योजनाओं की घोषणा
बीबीए कोर्स की शुरुआत
लॉ कॉलेज की योजना और 13 शिक्षण संस्थानों में शिक्षा विस्तार पर जोर

25 के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने समिति की उपलब्धियों को समर्पित सेवाओं का दर्पण बताते हुए कहा कि भविष्य में रोजगारोन्मुखी योजनाओं और विषयों को शामिल किया जाएगा।

चेयरमेन ट्रस्ट बोर्ड डॉ. श्याम सुंदर ने शिक्षा की अनिवार्यता पर बल देते हुए समिति की अकादमिक सफलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट बोर्ड शिक्षा की गुणवत्ता और सामाजिक प्रतिबद्धता के लिए समर्पित भाव से कार्य करता रहेगा।

सभा में उपस्थित सम्मानित सदस्यों - रतन गुप्ता, तुलजा प्रसाद विमल, कपूर चंद अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल आदि - ने वार्षिक रिपोर्ट पर प्रश्न पूछे और सुझाव दिए। अध्यक्ष ट्रस्ट बोर्ड डॉ. श्याम सुंदर और अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने सभी समस्याओं का समाधान करते हुए सदस्यों की भागीदारी को प्रेरणास्रोत बताया।

संयुक्त सचिव राजेश कुमार नरेड़ी ने सभी पदाधिकारियों, कर्मचारियों और शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों का धन्यवाद किया। सभा का समापन सामूहिक राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सीरवी समाज शमसाबाद बडेर में श्री गणपति महाराज का विसर्जन समारोह धूमधाम से सम्पन्न

जय घोष, नृत्य और भजन संध्या के साथ गणपति बप्पा को दी गई भावपूर्ण विदाई

हैदराबाद, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी समाज शमसाबाद बडेर परिसर में श्री गणपति महाराज का विसर्जन समारोह अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। गणपति बप्पा मोरया जैसे जय घोषों के बीच समाज बन्धुओं ने नाचते-झुमते हुए गणेशजी महाराज को विदा कर जल में विसर्जित किया।

इस वर्ष गणपति महाराज के प्रिय लड्डू की बोली भेराराम परिहारीया (उपाध्यक्ष, शिक्षा समिति), हरिराम परिहारिया (सलाहकार) एवं परिहारीया परिवार द्वारा ली गई। समाज के अध्यक्ष, सचिव एवं समस्त पदाधिकारीगण ने बोलीदाता परिवार का साफा, माला और शाूल द्वारा अभिनंदन किया।समाज की ओर से लाभार्थी परिवार को गणेशजी महाराज की कृपा से सुख, स्वास्थ्य और दीर्घायु की मंगलकामना दी गई।विसर्जन के उपरांत आयोजित श्री खेतलाजी भैरूजी की भजन संध्या में भजन गायकों ने शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम में पधारे सभी भक्तगणों ने भोजन प्रसाद ग्रहण कर आयोजन की पूर्णता में भाग लिया।

श्री खेतलाजी भैरूजी का जागरण समारोह सम्पन्न

भादवा सुदी तेरस पर भजनों की गूंज से गूंजा जीडिमेटला

हैदराबाद, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडिमेटला स्थित श्री आई माताजी बडेर सीरवी समाज द्वारा भादवा सुदी तेरस के पावन अवसर पर श्री खेतलाजी भैरूजी का जागरण समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। समाज बन्धुओं के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम में कन्हैयालाल कुमावत एंड पार्टी ने श्री खेतलाजी भैरूजी के चरणों में भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। पधारे सम्मानित अतिथियों का स्वागत कर उनके लिए विशेष अल्पाहार व्यवस्था की गई।

समिति के उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार और सचिव प्रेम पंवार ने अपने कार्यकाल के प्रथम जागरण में समाज बन्धुओं का आभार प्रकट किया।

उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता और सहयोग से ही ऐसे आयोजन सफल होते हैं।कार्यक्रम में संरक्षक मांगीलाल काग, सलाहकार महेंद्र देवड़ा, अर्जुनलाल बर्फा, भीमाराम काग, शंकरलाल, शेषाराम परिहारिया, कानाराम बर्फा, जयराम परिहार, मोहनलाल मुलेवा, मांगीलाल सोलंकी, देव-राम बर्फा, उदाराम, मुलाराम पंवार, नारायणलाल बर्फा, चंद्रप्रकाश बर्फा, भुण्डाराम बर्फा, राजुराम लचेटा, हेमाराम काग सहित समाज के अनेक पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। मंच का संचालन सचिव प्रेम पंवार ने किया। कार्यक्रम के समापन पर उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार ने सभी सीरवी समाज बन्धुओं का आभार प्रकट करते हुए आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कोरेमुला श्री आई माताजी मंदिर में श्री खेतलाजी भैरूजी जागरण सम्पन्न

भक्ति भाव से सराबोर माहौल, समाज पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

हैदराबाद, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोरेमुला स्थित श्री आई माताजी मंदिर में आयोजित श्री खेतलाजी भैरूजी के जागरण कार्यक्रम में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

इस अवसर पर मोहनलाल भायल एंड पार्टी ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष कालुराम काग, उपाध्यक्ष राजाराम पंवार, सह सचिव राजाराम गेहलोत, भीकाराम पंवार, देवाराम परिहरिया, ताराराम परिहरिया, चेलाराम पंवार, राजाराम सैणचा, संदीप परिहार, खीवाराम गेहलोत सहित अनेक समाज बन्धु उपस्थित रहे।सभी पदाधिकारियों ने जागरण की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और समाज की एकजुटता को सराहा। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लिया।

एनकेएस ग्रुप ऑफ कंपनीज का स्थापना दिवस एवं गणेश विसर्जन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 07 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एनकेएस ग्रुप ऑफ कंपनीज (न्यू हरियाणा फ्रेट कैरियर्स, स्पीडस्टर ट्रांस सॉल्यूशंस, एनएचएफसी लॉजिस्टिक्स, एनकेएस ट्रांस लॉजिस्टिक्स, एनकेएस इंफ्रा डेवलपर्स) ने अपना स्थापना दिवस शनिवार, 6 सितम्बर 2025 को हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर श्री सत्यनारायण व्रत कथा एवं गणेश पूजा का आयोजन किया गया।इसके पश्चात 11 दिवसीय गणेश पूजा के समापन पर 7 सितम्बर 2025 को प्रातः 9 बजे, गणेश जी की मूर्ति को विसर्जन के लिए ले जाया गया। पूजा में एनकेएस ग्रुप के चेयरमैन एन.के. सिंह, श्रीमती मालती देवी, डायरेक्टर नंद किशोर सिंह, श्रीमती दीपिका सिंह, सूर्यांश, गायत्री, छवि, कंपनी स्टाफ पी. सुरेश, राजेंद्र तिवारी, और पवन चैतन्य ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।पूजा का संचालन सुखेंद्र महाराज शास्त्री जी ने किया। इस आयोजन ने सभी के बीच एकता और भक्ति का संदेश प्रसारित किया।

भिक्षु चरमोत्सव पर भजन संध्या का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 07 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के संस्थापक परम पूज्य आचार्य श्री भिक्षु के 223वें चरमोत्सव के अवसर पर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा तेरापंथ भवन, सिकंदराबाद में साध्वीश्री डॉ. गवेषणा जी ठाणा-4 के सान्निध्य में भक्ति पूर्ण भजन संध्या का आयोजन किया गया।श्री राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, साध्वी श्री डॉ. गवेषणा जी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आचार्य भिक्षु का जन्म कंटालिया जैसे कठोर वातावरण में हुआ था, फिर भी उन्होंने सत्य की साधना कर कांटों के बीच गुलाब की भांति धर्मसंघ की स्थापना की। अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री राजेंद्र बोथरा ने सभी संस्थाओं से आए श्रावक-श्राविकाओं का स्वागत किया और आचार्य भिक्षु के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

भजन संध्या में साध्वी श्री मेरु प्रभा जी ने गीतिका के माध्यम से आराध्य को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में हिमांशु बाफना, श्रवण कोठारी सहित तेरापंथी सभा के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भक्तिमय संगीत संध्या मेंराजकुमार सांखला, पवन सेठिया, नवीन लूनिया, शुभम बैद, अशोक संचेती, रौनक नाहटा, विकास दुग्गड़, प्रेरणा सुराणा, प्रकाश दफ्तरी, श्वेता घोषल, आनंद संचेती, कुंजल बोथरा, कमल पारख, सुमन बेंगनी, तेरापंथ युवक परिषद, भिक्षु प्रज्ञा मंडली, आईडीपी भिक्षु मंडली, चांद बैद सहित अनेक भजनकारों ने भावपूर्ण भजनों के माध्यम से आचार्य भिक्षु को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। भवन का प्रत्येक कोना भिक्षु स्वामी के भजनों की झनकार से भक्तिमय हो उठा।

कार्यक्रम का कुशल और संगीतमय संचालन श्री नवनीत छाजेड़ और प्रकाश बोथरा ने किया। कार्यक्रम के समापन पर तेरापंथी सभा द्वारा सभी भजनकारों को सम्मानित किया गया। आभार ज्ञापन सिकंदराबाद सभा के सहमंत्री हुकमी चंद कोटेचा ने किया।

अन्नपूर्णा बिल्डर्स के प्रमोटर व्हाइट हाउस, बेगमपेट ने गणेश विसर्जन जुलूस में शामिल होने वाले गणेश भक्तों के लिए प्रसाद और नाश्ते का वितरण किया। इस मौके पर राजकुमार अग्रवाल, हेमलता देवी अग्रवाल, रविंदर अग्रवाल, उमा रानी अग्रवाल, लोकेश अग्रवाल, श्रद्धा अग्रवाल, कनक अग्रवाल, सान्वी अग्रवाल, प्राशे अग्रवाल, दीपेश अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, काव्यांश अग्रवाल, थिया अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, संजय अग्रवाल, निशा अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल और सुनीता अग्रवाल ने उपस्थित रहकर अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।
यह पहल गणेश चतुर्थी के अवसर पर सामाजिक और धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी, जिसमें अन्नपूर्णा बिल्डर्स के परिवार के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

एस.आर. विद्यालय के छात्र शेख अरमान बने केबीबीडब्ल्यू के बेसिक विजेता

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौस नगर, बंदलागुडा स्थित एस.आर. विद्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में छात्र शेख अरमान को कौन बनेगा बेसिक विनर (केबीबीडब्ल्यू) प्रतियोगिता में बेसिक विजेता घोषित किया गया। उन्होंने सभी छात्रों में बुनियादी विषयों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

इस उपलब्धि पर विद्यालय की ओर से उन्हें ट्रॉफी, पुरस्कार और कैमरा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहम्मद अमन शाह द्वारा किया गया।

एस.आर. विद्यालय को गौस नगर, बंदलागुडा क्षेत्र का सर्वश्रेष्ठ स्कूल माना जाता है। यहाँ बच्चों को ज्ञान-विज्ञान के साथ बुनियादी शिक्षा दी जाती है। शिक्षक बच्चों पर कड़ी नज़र रखते हैं और उन्हें बड़ों का सम्मान, अनुशासन, और सामाजिक मूल्यों की शिक्षा भी दी जाती है।विद्यालय के अभिभावक बच्चों की शिक्षा में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं और शिक्षकों को पूर्ण सहयोग प्रदान करते हैं। यही कारण है कि विद्यालय निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है।

माहेश्वरी बंधुओं ने किया गणेश भक्तों का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार में माहेश्वरी बंधु द्वारा गणेश विसर्जन जुलूस के स्वागत के लिए एक शानदार पहल की गई। यहां 120 फीट लंबा मंच स्थापित किया गया, जहां से गणेश भक्तों के लिए नाश्ता, प्रसाद और रात के भोजन का वितरण किया गया।

यह आयोजन गणेश भक्तों की सेवा और सम्मान के उद्देश्य से किया गया था। इस अवसर पर, लक्ष्मी नारायण राठी, नारायण मालानी, राजेश करवा, बसंत कासट, जुगल बालदवा, गोविंद अट्टल, बृज गोपाल बांग, मनोज बांग, प्रहलाद सारडा, राजीव कासट, गोपाल बजाज, सुरेंद्र बियानी, कमल अट्टल, राधा श्याम अट्टल, भगवानदास मुंदड़ा, कैलाश, विनय बंग, शुभम बंग, प्रतीक

अट्टल, मयंक अट्टल, यश कासट और अन्य सदस्यों ने गणेश भक्तों को अपनी सेवाएं दीं।माहेश्वरी बंधु की यह पहल बेगम बाजार में आकर्षण का केंद्र रही और इसने धार्मिक सद्भाव और सामुदायिक सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया।

सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी ने हैदराबाद में शांति व्यवस्था हेतु निभाई सक्रिय भूमिका

चारमीनार से मुशीरबाद तक कमेटी के सदस्यों ने किया मैदानी निरीक्षण

सामाजिक समरसता और सौहार्द बनाए रखने के लिए पीस कमेटी ने पेश की मिसाल

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान सामाजिक सौहार्द और शांति व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी सेंट्रल जोन के सदस्यों ने चारमीनार, सिद्दिअंबर बाजार मस्जिद, आबिड्स, बशीर बाग, टैंक बॉन्ड, मुशीरबाद सहित विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

कार्यक्रम के दौरान कमेटी के प्रतिनिधियों ने आईपीएस अधिकारियों से मुलाकात की और उन्हें पीस कमेटी की कार्यप्रणाली, उद्देश्यों और अब तक की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने कमेटी की भूमिका की सराहना की और भविष्य में सहयोग का आश्वासन दिया।इस अवसर पर संस्था के ऑल जोन जनरल सेक्रेटरी श्रीकिशन शर्मा, सेंट्रल जोन अध्यक्ष शशिकांत अग्रवाल, ईस्ट जोन अध्यक्ष नारायण रेड्डी, साउथ ईस्ट जोन अध्यक्ष ख्वाजा मोइज, तेजो विजय कुमारी, उदयश्री रेड्डी, डॉ. जैनुल्ला, विनय जैन, गोपाल, चंद्रशेखर, सतीश, मोहम्मद अली, इकबाल बंदा अली, मनसारिया, सनगेस अग्रवाल सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।कमेटी ने अपने प्रयासों से यह संदेश दिया कि समाज में शांति बनाए रखने के लिए नागरिकों और प्रशासन के बीच सहयोग अत्यंत आवश्यक है। इस पहल को स्थानीय समुदायों ने सराहा और भविष्य में भी ऐसे प्रयासों की अपेक्षा जताई।

राधे राधे ग्रुप द्वारा बेगम बाजार और नामपल्ली में अन्न प्रसाद सेवा

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार, दि. 7 सितंबर 2025 को राधे राधे ग्रुप ने भाद्रपद मास की पूर्णिमा तिथि और दिशा जी गुप्ता के जन्मदिन के अवसर पर नित्य अन्न प्रसाद (नाश्ता) सेवा का आयोजन किया।

इस सेवा के तहत, सुबह 7:31 बजे से बेगम बाजार में गौशाला, पुल की माता के पास और पब्लिक गार्डन (पिलर-1265), नामपल्ली में भक्तों और जरूरतमंदों को अन्न प्रसाद वितरित किया गया।

इस पुण्य कार्य का आयोजन गुप्ता परिवार और राधे राधे ग्रुप द्वारा किया गया। इस दौरान सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, ई-जगन चंपपेट, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मनोज शर्मा, नंदकिशोर अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, मायारामजी अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, प्राची अग्रवाल, प्रिया अग्रवाल, भाविक अग्रवाल, गोपाल गोयल, अशोक गुप्ता एसजे और राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा द्वारा केबीआर पार्क में गणेश पूजा सम्पन्न

हैदराबाद, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा के पदाधिकारियों द्वारा बंजारा हिल्स स्थित केबीआर पार्क में गणेश पूजा का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव से सम्पन्न हुआ। यह आयोजन गणेश विसर्जन के अवसर पर किया गया, जिसमें समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की जानकारी शाखा के प्रचार एवं प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि पूजा और आरती के पश्चात सभी उपस्थितजनों ने प्रसाद ग्रहण किया और गणपति बप्पा से समाज की सुख-समृद्धि की कामना की।इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य राजेंद्र कुमार अग्रवाल, परामर्शदाता मुकुंद लाल अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, मंसा राम अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य विजय कुमार अग्रवाल, कैलाश कुमार अग्रवाल, तथा अन्य सदस्यगण महेश कुमार अग्रवाल, राजेंद्र कुमार गुप्ता, कन्हैया लाल दादरीवाला आदि उपस्थित रहे।पूरे आयोजन में समाज की एकजुटता, सांस्कृतिक परंपरा और धार्मिक भावना का सुंदर समन्वय देखने को मिला। गणेश पूजा के माध्यम से समाज ने अपने मूल्यों और आस्थाओं को पुनः सुदृढ़ किया।

गणेश विसर्जन के अवसर पर राम मंदिर पंडाल, गौलिगुड़ा में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। जामबाग के कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने श्री गणेश महाराज जी की आरती कर विसर्जन यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अनिल यादव, सुरेश टोल्डी, रवि, अक्षय, रोहन, प्रमोद, बबलू सहित स्नेही बंदु यूथ एसोसिएशन के सदस्य भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर गणपति बप्पा को भावपूर्ण विदाई दी और गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

पितृ पक्ष श्राद्ध अवसर पर मां दुर्गा की कृपा संस्था द्वारा अन्ना दान सेवा प्रारंभ

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पितृ पक्ष के अवसर पर मां दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एक नई सेवा परंपरा की शुरुआत की गई है। संस्था ने पितरों की तृप्ति और उनके आशीर्वाद की कामना के साथ पूरे पितृ पक्ष में प्रतिदिन दोपहर 12.00 बजे से अन्ना प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है।

संस्था की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि यह सेवा भावना पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक है। अन्नदान को पितृ पक्ष में अत्यंत पुण्यदायी माना गया है, और यह सेवा पितरों की कृपा प्राप्त करने का माध्यम है।

संस्था ने समाज के सभी इच्छुक सेवाभावी व्यक्तियों से इस कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया है। जो भी व्यक्ति सेवा करना चाहता है, उसका सहर्ष स्वागत किया जाएगा। यह सेवा इस वर्ष से संस्था में एक नई परंपरा के रूप में शुरू की गई है, जिसे भविष्य में भी जारी रखने की योजना है।

संस्था ने विश्वास जताया है कि पितरों की कृपा और आशीर्वाद से यह सेवा सफल और पूर्ण होगी। कार्यक्रम के समापन पर संस्था ने जय पितृ देवा और जय सोनासर बाबा जी के जयघोष के साथ श्रद्धा भाव व्यक्त किया।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Miss MOUSAMI Spouse of Service No JC 812294M Sub UJJWAL SINGHA, Resident of Vill and PO:Ramharipur, Dist:Bankura, West Bengal-722203 have changed my name from Miss MOUSAMI to MOUSUMI SINGHA vide Affidavit dt:06-09-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, B DURGA JHANSI spouse of V.ESWARA RAO IELIPILLA, Resident of D.No.5-24, Rayanapeta, Nearby Rayanapeta Anganwadi School, Tallavalasa, Peddipalem, Bheemunipatanam, Visakhapatnam-531163 have changed my name and DOB from B DURGA JHANSI, DOB:17-11-1985 to IELIPILLA DURGA JHANSI, DOB:17-8-1985 vide affidavit dt:14-8-2025 before B Jagannadha Rao, Advocate and Notary, Maddilapalem, Visakhapatnam

भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ द्वारा गणेश विसर्जन शोभायात्रा में भक्तों का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणेश विसर्जन के अवसर पर भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा विराट शोभायात्रा में पधारे भक्तों के स्वागत हेतु अबिड्स, गंफाउंडरी और चरमास के समक्ष भव्य सेवा मंच स्थापित किया गया। इस सेवा मंच पर श्रद्धालुओं के लिए मैसूर बज्जी, उपमा, बटर दोसा और पैक किया हुआ पानी वितरित किया गया।

संघ की यह पहल श्रद्धालुओं के बीच अत्यंत सराहनीय रही, जिससे शोभायात्रा में भाग लेने वाले भक्तों को न केवल भक्ति का अनुभव मिला, बल्कि सेवा और सहयोग की भावना भी महसूस हुई।इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष मांगेराम तायल, कमल किशोर मालानी, चम्पालाल वैद, पुरुषोत्तम अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, पंकज वर्मा, ललित कड़ेल, सुनील अग्रवाल, मनीष किकन, नंद गोपाल भट्टड़, सुरेश जगनानी, ओम प्रकाश अग्रवाल, कुणाल गोयल, संदीप मिश्रा, रूबी मिश्रा, सोनाली वर्मा, राजश्री मालानी, मीनू गुप्ता सहित कई पदाधिकारी और उनके परिवारजन उपस्थित रहे।संघ की ओर से यह आयोजन न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक था, बल्कि सामाजिक सेवा और सामूहिक सहभागिता का भी उदाहरण बना। उपस्थित पदाधिकारियों ने भक्तों के बीच सेवा भाव से कार्य कर गणेश विसर्जन को एक यादगार अनुभव बना दिया।

विनायक सागर में अगले साल फिर से आने की कामना के साथ गणेश जी को विदा करते हुए सुनील कुमार पाण्डेय, सुनीता पाण्डेय, श्रुति पाण्डेय, प्रियांशु पाण्डेय और प्रियांशी पाण्डेय।

पंकज वर्मा मीडिया सर्विसेज की विज्ञापन एजेंसी के कार्यालय में श्री गणेश का विसर्जन पूरे भक्ति-भाव के साथ किया गया। इस दौरान पंकज वर्मा, सोनाली वर्मा, यश्मित वर्मा और छवि वर्मा ने मिलकर गणेश जी को विदाई दी।

पहाड़ी श्याम मंदिर सेवा समिति द्वारा गणेश विसर्जन पर प्रसाद वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पहाड़ी श्याम मंदिर सेवा समिति, महिन्द्रा हिल्स द्वारा अबिड्स में गणेश विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह सेवा कार्यक्रम सायं 10 बजे से लेकर प्रातः 6 बजे तक चला।

सेवा मंच पर श्रद्धालुओं को उपमा, कदमभात, पुरी-सब्ज़ी सहित स्वादिष्ट प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन में सेवा भाव और भक्ति का अद्भुत समन्वय देखने को मिला, जिससे गणेश विसर्जन यात्रा में भाग लेने वाले भक्तों को न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा मिली, बल्कि सामाजिक सौहार्द का अनुभव भी हुआ।कार्यक्रम के दौरान पहाड़ी श्याम मंदिर सेवा समिति के चेयरमैन अरुण डाकोतिया का मंच पर सौहार्दपूर्ण स्वागत किया गया।

उनके साथ सेवा में भाग लेने वाले प्रमुख सदस्यगण में विजय अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, संजय अग्रवाल, अशोक सिंघानिया, अशोक बंसल, पवन अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल प्रवीण जाखनीवाल, प्रतीक नरसरिया, रुपेश अग्रवाल, सुरेश पालाराम, अमन, कपीश, अभिषेक पारीक अशोक सेन, हरीश, बृजेश मोदी, जितेन्द्र सांघी, रविंदर भाई सहित अन्य समाज सेवी शामिल थे।इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि धार्मिक पर्व केवल पूजन तक सीमित नहीं होते, बल्कि समाज के लिए सेवा और सहयोग का अवसर भी होते हैं। समिति की इस पहल को श्रद्धालुओं ने अत्यंत सराहनीय बताया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की अपेक्षा जताई।

श्रीमाली ब्राह्मण समाज के श्री स्वरूप दत्त व्यास ने अपने परिवार के साथ मिलकर नुमाइश मैदान में आयोजित विसर्जन व्यवस्था का लाभ उठाया। उन्होंने पूरे जोश और उत्साह के साथ अपने परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में भगवान गणेश का विसर्जन किया।

जन सेवा संघ की छठ पूजा की तैयारी को लेकर बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जन सेवा संघ ने छठ पूजा की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया। यह बैठक संघ के महासचिव श्री राजीव चौबे की अध्यक्षता में ज़ूम पर हुई।

बैठक में महासचिव राजीव चौबे ने सभी पदाधिकारियों से पिछले साल के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए इस साल की तैयारियों पर अपने सुझाव देने का आग्रह किया।बैठक में उठाए गए मुख्य मुद्दे: समितियों का गठन: संघ के अध्यक्ष श्री आर पी सिंह ने कहा कि नेकलेस रोड घाट और पूरे हैदराबाद के लिए जल्द से जल्द छठ पूजा समितियों का गठन किया जाना चाहिए ताकि व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाया जा सके।सुरक्षा व्यवस्था: कोषाध्यक्ष श्री बिनीत सिंह ने सुझाव दिया कि नेकलेस रोड घाट पर रात के समय पुलिस की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए, क्योंकि पिछले साल पुलिस की अनुपस्थिति के कारण कई दिक्कतें आईं थीं।

घाट का निर्माण: कार्यालय प्रभारी श्री सीताराम ठाकुर ने बताया कि वह नेकलेस रोड पर पक्का घाट बनाने के लिए अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं, हालांकि अभी तक काम शुरू नहीं हो पाया है। उन्होंने सभी घाटों की व्यवस्था के लिए प्रभारियों का चयन करने का भी सुझाव दिया।

अधिकारियों से समन्वय: नेकलेस रोड घाट प्रभारी श्री एस पी सिंह ने बताया कि पिछले साल के अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं, इसलिए नए अधिकारियों को तैयारियों के बारे में अग्रिम जानकारी देना ज़रूरी है।

बैठक में विभिन्न ज़ोन के लिए प्रभारियों के नाम का प्रस्ताव भी रखा गया, जिसमें मेडचल ज़ोन के लिए श्री श्रीकांत पांडेय, पाटनचेरू ज़ोन के लिए श्री वि डी चौबे, साउथ ज़ोन के लिए श्री सरवन कुमार, और ईस्ट ज़ोन के लिए श्री राधे श्याम राय यादव के नाम शामिल हैं।

इस बैठक मेंआर पी सिंह, राजीव चौबे, बिनीत सिंह, सीताराम ठाकुर और एस पी सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्रीराम सत्संग समिति द्वारा गणेश विसर्जन पर जूस वितरण

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री गणेश विसर्जन के शुभ अवसर पर, श्रीराम सत्संग समिति, एर्रागड्डा (भाग्यनगर) ने गोकुल सिनेमा के पास सागर सैनिटेशन के सामने जूस वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे श्री अथर्वशीर्ष और हनुमान चालीसा पाठ तथा भजन के साथ शुरू हुआ।सुबह 11 बजे से शुरू हुआ जूस वितरण का यह कार्य शाम 7 बजे तक लगातार चला। इस दौरान समिति के सदस्यों ने मिलकर करीब बारह हजार गिलास जूस वितरित किया। समिति का उद्देश्य सनातन धर्म का प्रचार करना और हर घर में सकारात्मक ऊर्जा फैलाना है। इसी सोच के साथ पिछले तीन साल से समिति श्री हनुमान चालीसा और भजन कीर्तन का आयोजन कर रही है।

इस सफल आयोजन में समिति के सभी सदस्यों, जिनमें सतीश कुमार, मोनू अग्रवाल, चेतन अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, डॉ. बालाजी, रमेश कुमावत, नंदकिशोर शर्मा, रविन्द्र खेतान, महेंद्र तातेड, प्रवीण रामटेक, राजेश केडिया, वेणुगोपाल खंडेलवाल, रामदेव बियानी, विजय कुमार बाहेती, अशोक कोटेचा, रतनलाल शर्मा, हरीश भाई पटेल, जगदीश भाई पटेल, राजेश भंडारी, हेमचंद गुप्ता, अनिल कावड़िया, आनंद तातेड, दीक्षित कुमावत और अन्य सनातन भाई शामिल थे, ने श्रमदान देकर इसे सफल बनाया।

इमामपुरा में हुई लड्डुओं की नीलामी एक लड्डू 1.15 लाख में बिका

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जियगुड़ा डिवीजन के इमामपुरा स्थित नव भारत संगम एमसीएच कम्युनिटी हॉल में, भगवान गणेश की 11 दिनों तक पूजा किए गए दो पवित्र लड्डुओं की नीलामी की गई। यह नीलामी नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण के तत्वावधान में आयोजित की गई थी।

नीलामी में जयगुड़ा और इमामपुरा के कई भक्तों और समुदाय के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। माहौल में उत्साह था और सबसे बड़ा लड्डू 1,15,000 रुपये में नीलाम हुआ। कुमारीकुंटला के श्रीकांत ने सबसे बड़ी बोली लगाकर इसे जीता। वहीं, दूसरा लड्डू 31,600 रुपये में एन्नाला चेतन ने खरीदा।

नीलामी के बाद, नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण ने कुमारीकुंटला श्रीकांत और एन्नाला चेतन को शॉल और माला पहनाकर सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम में नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, उपाध्यक्ष जी. विनय कुमार, महासचिव वाई. जसवंत कुमार, कोषाध्यक्ष मधिरा महेश और एसोसिएशन के प्रतिनिधि बी. शिव कुमार, डी. संतोष कुमार, डी. लशमीनारायण, जी. महेंद्र, चटला आनंद कुमार, एम. नरेशा, सी. नरसिंग राव, एम. दर्शन और अन्य सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

गणेश विसर्जन पर कुमावत समाज ट्रस्ट ने भक्तों की सेवा की

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गणेश विसर्जन के पावन अवसर पर, कुमावत समाज ट्रस्ट, हैदराबाद (तेलंगाना) ने भक्तों के लिए प्रसाद वितरण का आयोजन किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष भाकर राम लारना और उनकी पूरी कार्यकारिणी ने बड़े उत्साह के साथ इस सेवा में हिस्सा लिया और पुण्य का लाभ उठाया।

अध्यक्ष भाकर राम लारना ने सभी कार्यकारिणी सदस्यों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। कार्यक्रम में पधारे सभी गणमान्य व्यक्तियों और भक्तों का गमछा और टोपी पहनाकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर, बड़ंगपेट कृष्णा कुमावत समाज के संरक्षक रूपाराम जी लिम्बा और पूर्व अध्यक्ष जवानाराम जी बोड़ावड भी विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राणाराम खुदाल, सहसचिव मिश्रीलाल अडाणिया, प्रचार मंत्री बाबूलाल खुदाल, और कोषाध्यक्ष मंगाराम मानणिया सहित अन्य सभी सदस्यों ने अपनी-अपनी जिम्मेदारियाँ बखूबी निभाईं।

ट्रस्ट ने सभी सदस्यों और सेवादारों को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया और गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आना के जयघोष के साथ इस पर्व का समापन किया।

द आर्ट ऑफ लिविंग और बर्ड्स एंड नेचर लवर्स ग्रुप ने किया पौधारोपण

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। द आर्ट ऑफ लिविंग और बर्ड्स एंड नेचर लवर्स ग्रुप ने मिलकर गच्ची बोली कांच वन के पास टी.एन.जी.ओ. रोड पर 50 से अधिक पेड़ लगाए। इस पहल में नीम, पीपल और आम जैसे पेड़ शामिल थे।पौधारोपण अभियान में 7 साल के बच्चों से लेकर 80 साल के वरिष्ठ नागरिकों तक ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आज के बदलते मौसम में तेज धूप और पसीने के बावजूद, सभी कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश और कड़ी मेहनत के साथ दो से तीन घंटे में वृक्षारोपण का काम पूरा कर दिया।इस नेक पहल में तन्वी पांडे, गौरव गुप्ता, विनोद कुमार, मीनल और करण जैसे कई उत्साही कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। यह कार्यक्रम प्रकृति के प्रति उनके प्रेम और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कचिगुडा जैन मंदिर के पास, फाइव स्टार यूथ एसोसिएशन द्वारा स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाते हुए अशोक कुलकर्णी, योगेश गोसर, रिद्धिश जागीरदार, हरेश सावला और अन्य सदस्य। यह दृश्य गणेशोत्सव की भक्ति और एकजुटता को दर्शाता है।

गणेश विसर्जन के मार्ग पर, श्री राम युवा सेना के सदस्यों - लक्ष जागीरदार, नवीन टांडाले, निखिल टांडाले, कमलेश चौधरी, सौरभ, खांडू, शिव और श्रवण द्वारा श्रद्धालुओं के लिए फ्रूट जूस और प्रसाद का वितरण किया गया। यह सेवा विसर्जन यात्रा में शामिल भक्तों को राहत और ऊर्जा प्रदान करने के लिए की गई।

अशोक फाउंडेशन के संस्थापक पंकज कुमार अग्रवाल, अपने परिवार के सदस्यों - प्रखर अग्रवाल, मोहक अग्रवाल, नेहा अग्रवाल और प्रियंका अग्रवाल - के साथ, भक्ति भाव से ओतप्रोत होकर भगवान गणेश की मूर्ति को अपने विशेष वाहन से ले जाकर टैंकबंड में विसर्जित की।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, SUMITA HAJRA BAG, W/o ANANDA BAG Service No 15153878M, Rank-HAV, R/o Vill Akanda Danga (Purba Para), PS Nakashipara, Dist-Nadia, State West Bengal, Pin 741137 have changed my name from SUMITA to SUMITA HAJRA BAG due to wrongly published in my husband's Service Records. Affidavit dt:4/9/25

CHANGE OF NAME

I, KOMALAVALLI CC is Mother of MAHESH C B, R/o Vill & PO-Kuthannur, Teh: Alathur, Dist: Palakkad, Kerala, PIN-678721, have changed my Name from KOMALAVALLI C C to KOMALAVALLY C and DOB:21-08-1964 for all purpose vide affidavit dated: 05/09/2025.

हैदराबाद में 2.68 लाख मूर्तियों का विसर्जन पूरा, खैराताबाद और कुकटपल्ली में सबसे ज़्यादा

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में गणेश विसर्जन धूमधाम से संपन्न हुआ। शनिवार (6 सितंबर) सुबह शुरू हुई गणेश शोभायात्रा रविवार (7 सितंबर) दोपहर तक, यानी लगभग 40 घंटे तक चली। जीएचएमसी (ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम) के अनुसार 2,68,755 से अधिक मूर्तियों का विसर्जन हो चुका है। जिसमें 1.5 से 3 फीट की मूर्तियाँ: 95,782 और 3 फीट से ज़्यादा ऊंची मूर्तियाँ: 1,72,973 शामिल थीं। सबसे ज़्यादा मूर्तियाँ खैराताबाद और कुकटपल्ली ज़ोन में विसर्जित की गईं।

_ज़ोन-वार विवरण: खैराताबाद ज़ोन: 63,468 मूर्तियाँ, कुकटपल्ली ज़ोन: 62,623 मूर्तियाँ, सिकंदराबाद ज़ोन: 38,512 मूर्तियाँ, एलबी नगर ज़ोन: 37,800 मूर्तियाँ, शेरिलिंगमपल्ली ज़ोन: 42,899 मूर्तियाँ और चारमीनार ज़ोन: 23,453 मूर्तियाँ शामिल हैं।

सीपी सीवी आनंद ने बताया कि हुसैन सागर के अलावा, शहर भर में 20 झीलों पर विसर्जन की व्यवस्था की गई थी। साथ ही, भक्तों की सुविधा के लिए 74 कृत्रिम तालाब भी बनाए गए थे।

सीपी ने शांतिपूर्ण विसर्जन के लिए पुलिस टीम की सराहना की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दो दिनों तक बिना सोए 40 घंटे तक सुरक्षा व्यवस्था संभाली। खैराताबाद गणेश उत्सव समिति के साथ मिलकर, उन्होंने विसर्जन को तय समय से पहले पूरा कर लिया।

सीपी ने कहा कि इस साल 40 फीट से ज़्यादा ऊंची मूर्तियों की संख्या बढ़ी है, जिससे शोभायात्रा में थोड़ी देरी हुई। शोभायात्रा के दौरान हुई कुछ छोटी-मोटी घटनाओं के संबंध में 5 मामले दर्ज किए गए हैं। कुल मिलाकर, विसर्जन शोभायात्रा एक सुनियोजित तरीके से संपन्न हुई।

बालापुर गणेश लड्डू ने 35 लाख की नीलामी में नया रिकॉर्ड बनाया

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रसिद्ध बालापुर गणेश लड्डू ने इस साल भी इतिहास रच दिया, अपनी वार्षिक नीलामी में 35 लाख की रिकॉर्ड कीमत हासिल की। छह साल की कड़ी बोली के बाद, कर्मणघाट के लिंगाला दशरथ गौड़ आखिरकार इस दिव्य प्रसाद को पाने में सफल रहे।

बालापुर के बोदराई मैदान में गणेश विसर्जन जुलूस के बाद पारंपरिक लड्डू की नीलामी हुई। समृद्धि और आशीर्वाद का प्रतीक माने जाने वाले 70 किलो के लड्डू के लिए भक्तों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा हुई। बोली में कुल 38 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें सात गाँव के बाहर से थे। अंत में, दशरथ गौड़ की रिकॉर्ड-तोड़ बोली ने लड्डू जीत लिया।

इस साल इसकी कीमत पिछले साल के रिकॉर्ड से लगभग 5 लाख ज़्यादा है। 2024 में, कोलानु शंकर रेड्डी ने यह लड्डू 30.01 लाख में जीता था।

अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए, दशरथ गौड़ ने कहा कि वह पिछले छह सालों से बालापुर गणेश लड्डू जीतने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, बालापुर गणेश मेरे दिल के बहुत करीब हैं और आखिरकार भगवान गणेश ने मुझे यह लड्डू दिया। यह मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

नीलामी के बाद उत्सव समिति ने दशरथ गौड़ को सम्मानित किया, जिन्होंने नीलामी की 35 लाख रुपये की राशि आयोजकों को सौंप दी।

इस ऐतिहासिक बोली को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पूर्व मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी और पूर्व विधायक टी. कृष्णा रेड्डी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

गणेश लड्डू की रिकॉर्ड नीलामी, बंदलागुड़ा में 2.32 करोड़ में बिका लड्डू

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के बंदलागुडा स्थित रिचमंड विला में गणेश लड्डू प्रसाद की नीलामी ने एक नया रिकॉर्ड बनाया है। इस साल 10 किलो का यह लड्डू 2.32 करोड़ रुपये में नीलाम हुआ , जो पिछले साल की 1.87 करोड़ रुपये की बोली से कहीं ज़्यादा है।

नीलामी शुक्रवार रात लगभग 8 बजे शुरू हुई और रात 11 बजे तक चली। इस दौरान, 80 से 100 विला मालिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्हें चार समूहों में विभाजित किया गया था और प्रत्येक ने प्रतिस्पर्धी बोलियाँ लगाईं।

यह आयोजन न केवल पारंपरिक भक्ति का प्रदर्शन था, बल्कि एक नेक काम के लिए धन जुटाने का भी एक उद्देश्य था। रिचमंड विला निवासी आर. शैलेश रेड्डी ने कहा,इस बार लड्डुओं की नीलामी 2.32 करोड़ रुपये तक पहुँच गई। सारी आय दान में दी जाएगी।

नीलामी की राशि विला निवासियों द्वारा स्वयं स्थापित संस्था, आरवी विद्या चैरिटेबल ट्रस्ट को दान कर दी जाती है ।

यह ट्रस्ट आर्थिक रूप से वंचित छात्रों की शिक्षा, विशेष रूप से ट्यूशन फीस, का खर्च वहन करके उनकी मदद करता है। इसके अतिरिक्त, यह वंचित परिवारों को किराने का सामान भी उपलब्ध कराता है। रिचमंड विला की यह अनूठी परंपरा न केवल गहन धार्मिक उत्साह को प्रतिबिंबित करती है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी की एक मजबूत भावना का भी उदाहरण है - जहां भक्ति और सामुदायिक सेवा साथ-साथ चलती है।

साइबराबाद में गणेश विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबराबाद में गणेश विसर्जन उत्सव इस साल शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। यह सफलता साइबराबाद पुलिस और विभिन्न सरकारी विभागों के बीच तालमेल और व्यवस्थित तैयारियों का परिणाम है।

27 अगस्त से 6 सितंबर तक चले 10-दिवसीय उत्सव के दौरान, पूरे पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में शोभायात्रा और विसर्जन सुचारू रूप से चला। साइबराबाद के पुलिस कमिश्नर अविनाश मोहंती ने इस सफलता का श्रेय विभिन्न विभागों के बीच बेहतरीन समन्वय और चौबीसों घंटे की निगरानी को दिया। वरिष्ठ अधिकारियों ने ज़मीनी स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया, जबकि गचीबोवली स्थित पब्लिक सेफ्टी इंटीग्रेटेड ऑपरेशंस सेंटर (झडखजउ) से शोभायात्राओं पर रियल-टाइम नज़र रखी गई।

साइबराबाद में कुल 88,182 मूर्तियों का विसर्जन हुआ, जिनमें से 28,000 मूर्तियाँ तीन फीट या उससे अधिक ऊंची थीं। हुसैन सागर में 490 मूर्तियों का विसर्जन किया गया। ज़ोन-वार विसर्जन के आँकड़े इस प्रकार हैं: माधापुर ज़ोन: 16,309, बालानगर: 26,542, मेडचल: 23,952, राजेंद्रनगर: 18,308 और शमशाबाद: 3,071 शामिल हैं।

सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए 5,785 पुलिसकर्मियों, जिसमें 568 अन्य बलों के जवान भी शामिल थे, को तैनात किया गया था। विसर्जन स्थलों पर 65 से ज़्यादा क्रेनें लगाई गईं और शोभायात्रा के रास्तों पर तोड़फोड़-रोधी जाँच की गई। जीएचएमसी की 25 प्रमुख झीलों पर सीसीटीवी से निगरानी रखी गई, जिसकी मॉनिटरिंग पीएसआइओसी से की जा रही थी।कमिश्नर ने साइबराबाद पुलिस, जीएचएमसी, टीज-ीएसपीडीसीएल, आर एंड बी, ट्रांसको, परिवहन, सिंचाई, अग्निशमन सेवा, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस उत्सव को सद्भावपूर्ण बनाने में सहयोग के लिए भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति (बीजीयूएस), मीडिया और नागरिकों का भी आभार व्यक्त किया।

रविवार को जारी एक पुलिस बयान में, साइबराबाद पुलिस ने एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण विसर्जन सुनिश्चित करने में सहयोग के लिए सभी हितधारकों और नागरिकों का धन्यवाद किया।

सड़क दुर्घटनाओं में दो महिलाओं की मौत

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में रविवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो महिलाओं की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। शहर के गुलज़ार हौज़ इलाके में एक तेज़ रफ़्तार कार के पुलिस वाहन से टकरा जाने से एक युवती की मौत हो गई, जबकि तीन पुलिस कांस्टेबल समेत पांच अन्य घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना सुबह करीब 4.20 बजे हुई जब पुलिसकर्मी गणेश विसर्जन उत्सव की ड्यूटी पर थे। शराब के नशे में धुत एक युवक द्वारा लापरवाही से चलाई जा रही कार ने पुलिस जीप को टक्कर मार दी।कार में तीन लड़कियों समेत पाँच युवक सवार थे। मृतक की पहचान 20 वर्षीय काश्वी के रूप में हुई है। कार में सवार दो अन्य लोग घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। टक्कर में तीन पुलिस कांस्टेबलों को मामूली चोटें आई हैं।पुलिस ने बताया कि कार में सवार लोग नशे में थे। गाड़ी से शराब की बोतलें बरामद की गईं। डिटेक्टिव इंस्पेक्टर सत्यनारायण और अन्य पुलिसकर्मी वाहनों की जाँच कर रहे थे, तभी एक कार उनकी गाड़ी से टकरा गई। लंगर हौज़ पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जाँच शुरू कर दी है।एक अन्य दुर्घटना में, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की एक महिला सफाई कर्मचारी की बशीरबाग इलाके में एक वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान गुड्डीमलकापुर इलाके की निवासी 35 वर्षीय रेणुका के रूप में हुई है। वह शनिवार को गणेश विसर्जन जुलूस के बाद बशीरबाग-लिबर्टी रोड पर मलबा साफ करने के लिए जीएचएमसी द्वारा तैनात सफाई कर्मचारियों में से एक थीं।महिला सड़क पार कर रही थी, तभी गणेश जुलूस में शामिल एक वाहन ने उसे टक्कर मार दी। उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। साथी कर्मचारी उसे पास के एक निजी अस्पताल ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने वाहन चालक गजानंद को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया है। मृतक के शव को उस्मानिया जनरल अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया गया है।

बीकानेर डिस्ट्रिक्ट जैन एसोसिएशन की सावन की सैर का आयोजन

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री बीकानेर डिस्ट्रिक्ट जैन एसोसिएशन, हैदराबाद ने 2025 में अपना वार्षिक सामाजिक मिलन सावन की सैर सेलिब्रिटी रिसॉर्ट में आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत फलक सांड द्वारा गणेश वंदना से हुई, इसके बाद मोनिका भंसाली और महिला मंडल ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया।

एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र भंसाली ने आए हुए सभी सदस्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर परामर्शदाताओं मूलचंद गोलछा, मानक चंद आंचलिया, और इंदरचंद बेताला का सम्मान किया गया।प्रतिभा सम्मान: बीकानेर समाज के मेधावी छात्रों और तपस्वियों को सम्मानित किया गया।

जीव दया: कोषाध्यक्ष मनीष बुच्चा ने 'जीव दया' के महत्व पर प्रकाश डाला और संस्था के नए आयाम के रूप में इसका पोस्टर विमोचन किया। गौ सेवक अशोक रामपुरिया को भी सम्मानित किया गया।मनोरंजन: जयप्रकाश बोरड़ और मनीष बुच्चा के नेतृत्व में अंताक्षरी और विभिन्न खेल आयोजित किए गए।क्रिकेट लीग: अमृत भंसाली और अभिषेक आंचलिया द्वारा आयोजित क्रिकेट लीग कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा।

स्वास्थ्य सेवाएँ: दंत चिकित्सक डॉ. अंजलि बांठिया और होम्योपैथिक डॉक्टर डॉ. रुचि ने अपनी मुफ्त सेवाएँ प्रदान कीं।

प्रायोजक: इस आयोजन में लक्ष्मीचंद शिवराज जैन ज्वेलर्स (मुख्य प्रायोजक), तुलसी पंप्स, सुरेंद्र सेठीया परिवार, सुशील छाजेड़, माला देवी मालू परिवार, धर्मचंद बैद परिवार और शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स का विशेष सहयोग रहा।

इस कार्यक्रम में मंत्री मनीष बैद, पूर्व अध्यक्ष नवरतन मेहनोत, प्रदीप गोलछा और अन्य कई सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का समापन लकी ड्रॉ के साथ हुआ।

जम्मू केंद्रीय विवि के हिन्दी विभाग में शिक्षक दिवस समारोह भव्य रूप से सम्पन्न

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षक दिवस समारोह अत्यंत भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पीजी छात्रा मानसी मिनिया द्वारा शिक्षकों के स्वागत से हुई। इसके पश्चात विभागाध्यक्ष प्रो. भारत भूषण ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया।अपने संबोधन में प्रो. भूषण ने समाज

निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि भारतीय गुरु परंपरा विश्व की सबसे महान परंपराओं में से एक है। उन्होंने बताया कि भारतीय ऋषि-मुनियों ने न केवल समाज को दिशा दी है, बल्कि वैश्विक समृद्धि में भी अपना अभूतपूर्व योगदान दिया है। राम, कृष्ण, विवेकानंद और शिवाजी जैसे आदर्श व्यक्तित्वों के निर्माण में गुरुओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

उन्होंने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. संजीव जैन के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय दिन-प्रतिदिन आदर्श शिक्षानुष्ठान के रूप में विकसित हो रहा है।

उन्होंने सभी शिक्षकों से इस शिक्षानुष्ठान को और समृद्ध बनाने हेतु निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान सभी शिक्षकों की उपस्थिति में केक काटकर शिक्षक दिवस का उत्सव मनाया गया। शोधार्थी हर्षित तिवारी, डलेश शर्मा, शिवम, और कृष्ण मोहन ने गीत और कविता प्रस्तुत कर अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं। कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापक डॉ. शशिकांत मिश्र, डॉ. रत्नेश कुमार यादव, डॉ. वंदना शर्मा, और डॉ. अरविंद कुमार यादव उपस्थित रहे।समारोह के अंत में सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

यह आयोजन न केवल शिक्षकों के प्रति सम्मान का प्रतीक बना, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की गरिमा को भी उजागर करने वाला एक प्रेरणादायक अवसर रहा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.